@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 10 दिसंबर 2023

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 10 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

जजों की नियुक्ति पर नियंत्रण के लिए होती है खींचतान: सीजेआई

मुंबई, 9 दिसंबर। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि इस बात को लेकर लगातार खींचतान बनी रहती है कि न्यायाधीशों की नियुक्ति पर अंतिम नियंत्रण किसका होगा। यहां तक कि रिक्तियां आने पर भी और नियुक्तियों को लंबे समय तक लंबित रखा जाता है। सीजेआई यहां केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (सीएटी) की मुंबई पीठ के नए परिसर के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि देश में न्यायाधिकरण अदालतों में लंबित मामलों को कम करने और न्याय के समग्र वितरण में सहायता करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सीजेआई ने कहा, न्यायाधिकरणों का एक उद्देश्य हमारी अदालतों में सुनवाई में होने वाली देरी को रोकना और उन्हें कम करना था। यह उम्मीद की गई थी कि ये न्यायाधिकरण, जो साक्ष्य और प्रक्रिया के सख्त नियमों में बंधे नहीं हैं, अदालतों को मामलों को सुलझाने और न्याय प्रदान करने में मदद करेंगे। हालांकि, हमारे न्यायाधिकरण आम तौर पर समस्याओं से ग्रस्त हैं और फिर हम खुद से पूछते हैं कि क्या इतने सारे न्यायाधिकरणों का गठन करना वास्तव में आवश्यक था। सीजेआई ने कहा, क्योंकि आपको जज नहीं मिलते हैं। जब जज मिलते हैं तो रिक्तियां निकलती हैं जो लंबे समय तक लंबित रहती हैं। फिर यह लगातार झगड़ा होता रहता है कि जजों की नियुक्ति पर अंतिम नियंत्रण किसे मिलेगा।

मोदी की गारंटी पर लोगों का भरोसा, हर गरीब वीआईपी

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 9 दिसंबर। विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से बातचीत कार्यक्रम में पीएम मोदी ने संबोधन दिया। जिसमें उन्होंने केंद्र सरकार की योजनाओं की उपलब्धियों पर जोर दिया। पीएम मोदी ने संबोधन के दौरान कहा कि चुनाव जीतने से पहले लोगों का दिल जीतना जरूरी है। पांचों राज्यों के विधानसभा चुनावों में से तीन राज्यों में भाजपा ने बंपर जीत हासिल की है। इसी को लेकर पीएम मोदी ने कहा कि लोगों ने स्पष्ट कर दिया है कि मोदी की गारंटी पर लोगों ने भरोसा जताया है। वहीं संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने विपक्षी दलों पर चुटकी लेते हुए कहा कि कुछ राजनीतिक दल यह बिल्कुल नहीं समझते हैं कि झूठ बोलकर कुछ भी हासिल नहीं किया जा सकता है। हमारी केंद्र सरकार ने देश की जनता के साथ सीधा संबंध स्थापित किया है। साथ ही कहा कि हमारी सरकरा माई-बाप सरकार नहीं, बल्कि माता-पिता की सेवा करने वाली सरकार है। उन्होंने कहा कि मैं आपकी सेवा के लिए लगातार काम कर रहा है। पीएम मोदी ने संबोधन में कहा कि जिनकी किसी को परवाह नहीं, हम उनकी चिंता करते हैं। गरीबों, वंचितों के लिए कार्यालयों के दरवाजे बंद

थे। लेकिन हमें सभी बंधनों को खोल दिया है। साथ ही उन्होंने कहा कि मेरे लिए वीआईपी हर गरीब, हर मां, हर बेटी, बहन है। हर किसान वीआईपी, हर युवा मेरे लिए वीआईपी है। विपक्षियों पर कटाक्ष करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मुझे समझ नहीं आता देश हमारे विरोधियों पर भरोसा क्यों नहीं करता। उसका कारण यह है कि वह सिर्फ झूठी घोषणाएं ही करते हैं। चुनाव सोशल मीडिया से नहीं बल्कि जनता के बीच जाकर जीते जाते हैं। चुनाव जीतने से पहले लोगों का दिल जीतना जरूरी है। मोदी ने कहा कि यह संतोष की बात है कि जैसे-जैसे यात्रा वाहन अधिक से अधिक स्थानों पर पहुंच रहे हैं, लोगों का उत्साह बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि करोड़ों से अधिक लोग मोदी की गारंटी यात्रा से जुड़े हैं। बता दें विकसित भारत संकल्प यात्रा पूरे देश में सरकार की प्रमुख योजनाओं की संतृप्ति प्राप्त करने के उद्देश्य से शुरू की जा रही है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि लाभ सभी लक्षित लाभार्थियों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचे।

हम गठबंधन में हैं, अखिलेश के साथ हैं: जयंत चौधरी

लखनऊ, 9 दिसंबर। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम आने के बाद लोकसभा चुनाव 2024 के लिए बनाए गए विपक्षी गठबंधन इंडिया के भविष्य को लेकर उठाए जा रहे सवालों के बीच राष्ट्रीय लोक दल के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने कहा है कि वह इंडिया गठबंधन के साथ हैं और अखिलेश यादव के साथ हैं। कहा कि हम विपक्षी दलों को साथ लेकर चलेंगे। उन्होंने मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि किसानों पर दर्ज किए गए मामले अभी

वापस नहीं लिए गए हैं। वहीं, तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा की संसद सदस्यता रद्द किए जाने पर उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र में पहली बार हो रहा है। ये सरकार विरोध करने वालों को जेल में बंद कर देती है और संसद में बोलने वालों की सदस्यता रद्द कर देती है। राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम आने के बाद सभी पार्टियां लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जोर-शोर से जुट गई हैं। रालोद ने भी चुनावी तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस क्रम में शनिवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह लखनऊ पहुंचे। जयंत बैठक के बाद ईको गार्डन में नियुक्ति के लिए अनिश्चितकालीन धरना दे रहे 69000 शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों से भी मिलेंगे। पार्टी पूर्व में भी इनका समर्थन कर चुकी है। वहीं इन अभ्यर्थियों का नेतृत्व कर रहे विजय यादव ने कहा कि जल्द उन्हें नियुक्ति नहीं दी गई तो सीएम आवास का घेराव होगा।

असम को म्यांमार का हिस्सा बताने पर कपिल सिब्बल पर भड़के सीएम सरमा

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 9 दिसंबर। वरिष्ठ वकील और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल के असम को म्यांमार का हिस्सा बताने पर हंगामा हो गया है। असम के सीएम हिमंता बिस्व सरमा ने कपिल सिब्बल पर पलटवार करते हुए कहा है कि अगर उन्हें इतिहास की जानकारी नहीं है तो उन्हें नहीं बोलना चाहिए। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान कपिल सिब्बल ने कहा था कि पलायन को रोका नहीं जा सकता। अगर आप असम के इतिहास को देखें तो आपको समझ आएगा कि कौन कब आया, इसका पता लगाना असंभव है। असम असल में म्यांमार का हिस्सा था। साल 1824 में जब ब्रिटिश ने लडाई जीती तो संधि के तहत असम पर ब्रिटिश शासन का राज हो गया था। कपिल सिब्बल के बयान पर असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने पलटवार किया है। पत्रकारों से बात करते हुए असम सीएम ने कहा कि जिन्हें

असम के इतिहास की जानकारी नहीं है उन्हें नहीं बोलना चाहिए। असम कभी भी म्यांमार का हिस्सा नहीं था। दोनों के बीच लड़ाईयां हुईं और यही इनके बीच रिश्ता था। इसके अलावा मैंने ऐसा कोई डाटा नहीं देखा, जिसमें बताया गया हो कि असम, म्यांमार का हिस्सा था। बता दें कि नागरिकता अधिनियम 1955 की धारा 6ए की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान कपिल सिब्बल ने असम को लेकर उक्त बात कही थी। यह विवाद ऐसे समय सामने आया है, जब मणिपुर में अवैध प्रवासियों का मुद्दा हिंसा का कारण बन रहा है। मणिपुर में कुकी और मैतई जनजातियों के बीच जातीय हिंसा चल रही है। कुकी जनजाति को माना जाता है कि वह म्यांमार से पलायन करके मणिपुर आए हैं। कुकी जनजाति मणिपुर में अलग प्रशासन की मांग कर रही हैं। कुकी जनजाति मिजोरम में बहुमत में हैं। मणिपुर में हिंसा के बाद भी बड़ी संख्या में कुकी जनजाति को लोग पलायन करके मिजोरम पहुंचे हैं। मिजोरम के मुख्यमंत्री लालडुहोमा ने कहा है कि वह मिजोरम में शरणार्थियों और मणिपुर से विस्थापित कुकी जनजाति के लोगों के मुद्दे पर चर्चा के लिए जल्द ही दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री एस जयशंकर से मिलेंगे।

ममता बनर्जी ने पीएम मोदी से मांगा मिलने का समय

कोलकाता, 9 दिसंबर। कई योजनाओं के लिए लंबित धनराशि को लेकर केंद्र और पश्चिम बंगाल सरकार के बीच तकरार कम होने का नाम नहीं ले रही है। टीएमसी लगातार केंद्र सरकार को घेरती आई है। इस मुद्दे पर केंद्र के खिलाफ टीएमसी द्वारा विरोध प्रदर्शन किए गए। वहीं केंद्र ने राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र पोषित योजनाओं में राज्य सरकार भ्रष्टाचार कर रही है। आरोपों के बाद से ही पश्चिम बंगाल की टीएमसी सरकार और केंद्र सरकार आमने-सामने हैं। शनिवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि केंद्र द्वारा राज्य को दिए जाने वाले वित्तीय बकाए की मांग पर बात करने के लिए वह दिल्ली का दौरा करेंगी। पीएम मोदी से 18 से 20 दिसंबर के बीच के दिनों का समय मांगा है। सिलीगुड़ी के पास बागडोगरा हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा, मैंने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर उनसे मिलने का समय मांगा है। हमें कई केंद्रीय योजनाओं के लिए लंबित धनराशि नहीं मिली है। हर राज्यों को उसका हिस्सा मिल रहा है, तो हमें क्यों नहीं दिया जा रहा है। मैं इस महीने पार्टी के कुछ सांसदों के साथ दिल्ली जाऊंगी और राज्य के बकाये के लिए दबाव बनाने के लिए प्रधानमंत्री से मुलाकात करूंगी। साथ ही ममता बनर्जी ने कहा कि राज्य से जीएसटी इकट्ठा किया जा रहा है, लेकिन केंद्र उसे साझा नहीं कर रहा है। पश्चिम बंगाल को मनरेगा जैसी विभिन्न केंद्रीय योजनाओं के तहत मिलने वाली धनराशि भी नहीं मिल रही है। हमें केंद्र से मिलने वाली वित्तीय बकाए से वंचित रखा जा रहा है।

बसपा ने अमरोहा से सांसद दानिश अली को पार्टी से किया निलंबित

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 9 दिसंबर। बहुजन समाज पार्टी ने अमरोहा से सांसद दानिश अली को पार्टी से बाहर कर दिया है। पार्टी ने उन्हें सस्पेंड कर के पीछे पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होना बताया है। बता दें कि अमरोहा से सांसद दानिश अली हाल ही में काफी सुर्खियों में रहे थे। दरअसल दिल्ली से भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी ने उन पर सांसद के अंदर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसको लेकर संसद से सड़क तक काफी हंगामा मचा था। बहुजन समाज पार्टी ने अपनी तरफ से जारी

किए गए पत्र में लिखा है, आपको (दानिश अली) अनेकों बार मौखिक रूप से से कहा गया कि आप पार्टी की नीतियों विचारधारा एवं अनुशासन के विरुद्ध जाकर कोई भी बयानबाजी व कृत्य आदि न करें परंतु इसके बाद भी आप लगातार पार्टी के विरुद्ध जाकर कार्य करते आ रहे हैं। यहां आपको यह भी बताना जरूरी है कि सन 2018 तक आप देवगौड़ा की जनता पार्टी के सदस्य के रूप में कार्य कर रहे थे तथा कर्नाटक में सन् 2018 के आम चुनाव में बहुजन समाज पार्टी और जनता पार्टी के साथ गठबंधन करके चुनाव लड़ा गया था। इस गठबंधन में देवगौड़ा के अनुरोध पर आपको अमरोहा से बसपा प्रत्याशी के रूप में टिकट दिया गया और इस टिकट के दिए जाने के पहले देवगौड़ा ने यह आश्वासन दिया था कि बसपा को टिकट न मिलने के बाद बसपा की सभी नीतियों व निर्देशों का सदैव पालन करेंगे और पार्टी के हित में ही कार्य करेंगे। इस आश्वासन को आपने भी उनके समक्ष दोहराया था। इसी आश्वासन के बाद ही आपको बसपा की सदस्यता ग्रहण कराई गई थी और अमरोहा से चुनाव लड़ाकर तथा जिताकर लोकसभा में भेजा गया था।

महाराष्ट्र-कर्नाटक में 40 से ज्यादा जगहों पर एनआईए के छापे

नई दिल्ली, 9 दिसंबर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार सुबह देशभर में 40 से भी ज्यादा जगहों पर छापेमारी की। बताया जा रहा है कि एजेंसी ने महाराष्ट्र में ठाणे, पुणे से लेकर मीरा भायंदर तक में कई ठिकानों पर रेड की। वहीं, कर्नाटक में भी एजेंसी ने कई जगहों पर सुबह-सुबह छापे मारे। अब तक इन मामलों में महाराष्ट्र के पुणे से 15 लोगों की गिरफ्तारी की गई है। एनआईए ने जिन 44 जगहों पर छापे मारे हैं, उनमें कर्नाटक में एक, पुणे में दो, ठाणे के ग्रामीण संभाग में 31, ठाणे शहर में नौ और भायंदर में एक ठिकाना शामिल है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आतंकरोधी एजेंसी ने दोनों राज्यों में पुलिस के सहयोग से छापेमारी जारी रखी है। एनआईए ने जिस केस में छापेमारी की है, वह आईएसआईएस की विचारधारा फैलाने से जुड़ी है। दरअसल, कुछ दिनों पहले ही एजेंसी ने एक आरोपी और उसके कुछ साथियों को गिरफ्तार किया था, जिस पर इस्लामिक संगठन की कट्टर विचारधारा फैलाने और भारत में आतंकी संगठन बनाने का आरोप था। इस संगठन ने भारत में इस्लामिक शासन के मकसद के साथ कई युवाओं की भर्ती की थी।

भारत की तरक्की दुनिया को दिखाना जरूरी: एस जयशंकर

दुबई, 9 दिसंबर। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दुबई में भारतीय छात्रों और युवा उद्यमियों और नौकरीपेशा लोगों से मुलाकात की। इस दौरान विदेश मंत्री ने कहा कि विदेश में रहने वाले भारतीयों से अपील की कि वह दुनिया के सामने देश की तरक्की वाली तस्वीर पेश करें और दुनिया को बताएं कि भारत किस तरह से आगे बढ़ रहा है और क्या बदलाव हो रहे हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी आज विकसित भारत संकल्प यात्रा को संबोधित करेंगे। इस पहल के जरिए देशवासियों को पिछले 10 सालों में हुई तरक्की के बारे में जानकारी दी जाएगी। साथ ही उन्हें समझाया जाएगा कि देश ने क्या प्रगति की है। जब हम विकसित भारत की बात करते हैं तो हम नए भारत के बारे में बात करते हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि जब भी आप ये सब नारे सुनते हैं तो हो सकता है कि आप इसके लाभार्थी ना हों, यह फायदे असल में उन लोगों को मिलेंगे जो इसके असल में जरूरतमंद हैं, लेकिन इसका दूसरा पहलू भी है। यह पहलू है चंद्र मिशन, सबसे तेजी से 5जी तकनीक को भारत में लागू करना, कोवैक्सिन यह भी विकसित भारत बना रहे हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि इन सब चीजों का पता होना बेहद अहम है, खासकर उन लोगों के लिए जो विदेशों में पढ़ रहे हैं। आपका प्रभाव अपने परिवार या किसी छोटे समूह तक सीमित नहीं है बल्कि आप अन्य लोगों से मिलते हैं और भारत के बारे में उनके विचारों को आकार देते हैं। यह बेहद जरूरी है कि भारत कैसे तरक्की कर रहा है, इसकी जानकारी दुनिया को भी देना अहम है।

मीनाक्षी लेखी ने विदेश मंत्री से की कार्रवाई की अपील

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 9 दिसंबर। केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने शनिवार को कहा कि उन्होंने हमास को आतंकवादी संगठन घोषित करने के बारे में लोकसभा में किसी भी सवाल का जवाब स्वीकार नहीं किया। इस मामले में विदेश मंत्रालय ने भी बयान दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म- एक्स पर पोस्ट पर एक सवाल के जवाब में कहा, आपको गलत जानकारी दी गई है क्योंकि मैंने इस प्रश्न और इस उत्तर के साथ किसी भी कागज पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। उनके बयान के बाद विपक्षी दलों ने इस मामले में जांच की मांग की। गौरतलब है कि संसद के वर्तमान शीतकालीन सत्र के दौरान लोक सभा में अतारांकित प्रश्न संख्या 980 पूछा गया। इसका शीर्षक था हमास को आतंकवादी संगठन घोषित करना। कांग्रेस सांसद कुंभकुडी सुधाकरन ने यह सवाल पूछा था। इसके जवाब में केंद्रीय विदेश राज्यमंत्री मीनाक्षी लेखी ने कहा था, किसी संगठन को आतंकवादी घोषित करना गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम के तहत आता है। किसी भी संगठन को आतंकवादी घोषित करना संबंधित सरकारी विभागों की तरफ से की गई कार्रवाई और संबंधित कानूनी प्रावधानों के अनुसार माना जाता है। लेखी के बयान से इतर संसद में सवाल के जवाब देने में हुई भूल प्रकरण में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा, लोकसभा के अतारांकित प्रश्न संख्या 980 में जवाब देने वाले मंत्री का नाम वी.

मुरलीधरन लिखा जाना था। हालांकि, तकनीकी गड़बड़ी के कारण ऐसा नहीं हुआ। अब संसद में प्रश्न का उत्तर देने वाले राज्य मंत्री के रूप में मुरलीधरन का नाम लिखे जाने के लिए तकनीकी सुधार की जरूरत है। इसके लिए जरूरी और उपयुक्त पहल की जा रही है। पूरे विवाद के बीच एक्स पर शिवसेना (यूबीटी) की राज्यसभा सदस्य प्रियंका चतुर्वेदी ने सवाल किया, क्या मीनाक्षी लेखी यह दावा कर रही हैं कि संसद में सवाल पूछा जाना और जवाब को मंजूरी देने की घटना जाली प्रतिक्रिया है। अगर ऐसा है तो यह संसद में प्रचलित नियमों का गंभीर उल्लंघन है। उन्होंने विदेश मंत्रालय से स्पष्टीकरण मांगा। गौरतलब है कि केरल की कन्नूर लोकसभा सीट से चुनकर आए सांसद सुधाकरन ने पूछा था कि क्या सरकार के पास हमास को भारत में आतंकवादी संगठन घोषित करने का कोई प्रस्ताव है? यदि हां, तो उसका विवरण दिया जाए। अगर ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है, तो इसके क्या कारण हैं? उन्होंने यह भी पूछा था कि क्या इस्राइल सरकार ने हमास को आतंकवादी संगठन घोषित करने के लिए भारत सरकार से बात की है? सुधाकरन ने सरकार से विवरण मुहैया कराने की मांग भी की थी। उनके प्रश्न का उत्तर शुक्रवार को दिया गया। यह लोकसभा वेबसाइट पर अतारांकित प्रश्नों की सूची में शामिल है। शनिवार को जब मीनाक्षी लेखी को बताया गया कि लोकसभा और विदेश मंत्रालय की वेबसाइटों पर उनके नाम का उल्लेख करते हुए सवाल और जवाब मौजूद हैं तो उन्होंने कहा, जांच से अपराधी का पता चल जाएगा। इस घटनाक्रम के बीच एक बार फिर शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी एक्स पर सक्रिय हुईं।

धर्मशाला में गिनाएंगे जनहित में लिए 365 फैसले: सुक्खू

शिमला, 9 दिसंबर। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा है कि हिमाचल प्रदेश में इसी साल मंत्रिमंडल विस्तार किया जाएगा। शुक्रवार को नई दिल्ली में मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री की ओर से किए गए खुलासे ने

मंत्रीपद की आस में बैठे कांग्रेस नेताओं की बांछें खिला दी हैं। सरकार के एक वर्ष का सेवाकाल पूरा होने से पहले आए मुख्यमंत्री के इस बयान ने कांग्रेस की राजनीति को गरमा दिया है। प्रदेश में लंबे समय से मंत्रिमंडल विस्तार का इंतजार हो रहा है। उधर, मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को नई दिल्ली में कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर उन्हें 11 दिसंबर को धर्मशाला में होने वाले समारोह का न्योता दिया। शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में सीएम ने कहा कि केंद्र सरकार से हमारा लगातार संवाद जारी है। जहां जरूरी होता है, वहां केंद्र धन भी उपलब्ध करवा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार के एक साल के कार्यकाल पूरा होने पर राज्यस्तरीय समारोह होगा। इस दौरान सरकार की ओर से जनहित में लिए 365 फैसलों की जानकारी देंगे। प्रदेश में आई आपदा के दौरान सरकार ने जो काम किया, वह भी इस दौरान प्रदर्शित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस ने जनता को 10 गारंटियां दी थीं। तीन पूरी कर दी हैं। सात गारंटियों को भी चार वर्ष में पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुरानी पेंशन बहाल कर दी गई है। 680 करोड़ रुपये की स्टार्टअप योजना से युवा लाभान्वित हो रहे हैं। सरकारी स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाने की गारंटी को भी अमलीजामा पहना दिया है। प्रदेश में तीन मंत्रियों, विधानसभा उपाध्यक्ष सहित मुख्य सचेत्तक और उप मुख्य सचेत्तक के पद रिक्त हैं। पूर्व मंत्री सुधीर शर्मा, विधायक राजेश धर्माणी, राजेंद्र राणा, यादवेंद्र गोमा, विनय कुमार, संजय रतन, रवि ठाकुर, भवानी पठानिया, केवल पठानिया और नंदलाल के नाम इन पदों की दौड़ में शामिल हैं। 19 दिसंबर से विधानसभा का शीत सत्र शुरू होना है।

तेलंगाना में अकबरुद्दीन ओवैसी को प्रोटेम स्पीकर बनाने पर विवाद क्यों

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 9 दिसंबर। तेलंगाना में हाल ही में विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित हुए। राज्य में कांग्रेस सत्ता में आई। निर्वाचित विधायकों की शपथ के लिए एआईएमआईएम विधायक अकबरुद्दीन ओवैसी प्रोटेम स्पीकर बनाए गए हैं। हालांकि, राज्य में चुने गए भाजपा विधायकों ने इस फैसले का कड़ा विरोध किया है। इसके साथ ही इन विधायकों ने एलान किया है कि वह अकबरुद्दीन द्वारा शपथ नहीं लेंगे। तेलंगाना में प्रोटेम स्पीकर का विवाद क्या है? भाजपा के विरोध की वजह क्या है? आखिर प्रोटेम स्पीकर कौन होते हैं और इनका चुनाव कैसे होता है? प्रोटेम स्पीकर काम क्या करते हैं? आइये जानते हैं... राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन ने एआईएमआईएम विधायक अकबरुद्दीन ओवैसी को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया है। इसके बाद चंद्रयानगुट्टा से नवनिर्वाचित विधायक अकबरुद्दीन ओवैसी ने शनिवार को शपथ ली। छठी बार विधानसभा पहुंचे ओवैसी ने नवनिर्वाचित विधायकों को भी शपथ दिलाई। वहीं, भाजपा ने एलान के तहत अपने विधायकों को ओवैसी के सामने शपथ के लिए नहीं भेजा और समारोह का बहिष्कार किया। इससे पहले ओवैसी को प्रोटेम स्पीकर बनाए जाने पर भाजपा विधायक टी. राजा सिंह ने विरोध किया। उन्होंने कहा, नई सरकार, कांग्रेस के नए मुख्यमंत्री बनने के बाद रेवंत रेड्डी और कांग्रेस का असली चेहरा सामने आ गया है। रेवंत हर बार कहते थे कि भाजपा, बीआरएस और एआईएमआईएम एक हैं। आज पता चल गया कि कौन किसके साथ है। राजा के बाद केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने भी ओवैसी को प्रोटेम स्पीकर बनाने का पुरजोर विरोध किया। किशन रेड्डी ने कहा, वरिष्ठ विधायकों को छोड़कर अकबरुद्दीन को प्रोटेम स्पीकर बनाया गया है। ये नियमों और विधानसभा की परंपरा के खिलाफ है। हमारी पार्टी के विधायक नियमित स्पीकर आने के बाद ही शपथ लेंगे। प्रोटेम स्पीकर अस्थायी भूमिका निभाता है और वह नवनिर्वाचित सदस्यों के शपथ लेने और स्पीकर चुने जाने तक विधानसभा सत्र का संचालन करता है। दरअसल, संविधान में प्रोटेम स्पीकर शब्द का उपयोग नहीं किया गया है। हालांकि, सदन के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के नहीं होने पर सदन की

कार्यवाही संचालित करने को लेकर जरूर कहा गया है। प्रोटेम स्पीकर एक अस्थायी स्पीकर होता है जिसे संसद या राज्य की विधानसभाओं में कार्यवाही संचालित करने के लिए सीमित समय के लिए नियुक्त किया जाता है। प्रोटेम स्पीकर को आम तौर पर नई विधानसभा की पहली बैठक के लिए चुना जाता है, जहां स्पीकर का चुनाव होना बाकी है। जैसा कि राज्यों में सदन भंग होने पर विधानसभा अध्यक्ष का पद रिक्त हो जाता है तो, अगले अध्यक्ष के चुनाव तक राज्यपाल द्वारा नियुक्ति प्रोटेम स्पीकर ही सदन की अध्यक्षता करते हैं। प्रोटेम स्पीकर का जिक्र संविधान के अनुच्छेद 180(1) में है। अनुच्छेद 180(1) में प्रावधान है कि जब अध्यक्ष या उपाध्यक्ष का पद खाली हो, तो कार्यालय के कर्तव्यों का पालन ऐसे विधानसभा के सदस्य द्वारा किया जाना चाहिए जिसे राज्यपाल इस प्रयोजन के लिए नियुक्त कर सकते हैं। प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति के लिए कोई विशिष्ट संवैधानिक या वैधानिक प्रावधान नहीं हैं। हालांकि, संवैधानिक परंपरा के अनुसार सदन के सबसे वरिष्ठ सदस्य को प्रोटेम स्पीकर चुना जाता है। इस मामले में वरिष्ठता सदन में सदस्यता से देखी जाती है न कि सदस्य की उम्र से। मई 2018 में हुए कर्नाटक विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा विधायक केजी बोपैया को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त करने के राज्यपाल के फैसले ने सियासी बवाल खड़ा कर दिया था। उस वक्त कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन ने बोपैया की नियुक्ति को रद्द करने के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। विपक्ष ने आग्रह किया था कि कांग्रेस के आरवी देशपांडे को प्रोटेम स्पीकर होना चाहिए

चीन की एयरोस्पेस कंपनी लैंडस्पेस ने तीन वाणिज्यिक उपग्रहों को अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया

बीजिंग। चीन की प्राइवेट एयरोस्पेस कंपनी लैंडस्पेस ने शनिवार को तीन वाणिज्यिक उपग्रहों को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया। इससे पहले लैंड स्पेस अपने इस अभियान में जेडक्यू

2 वाहक रॉकेट को दो बार प्रक्षेपित कर चुका है। चीन के अखबार ग्लोबल टाइम्स के अनुसार इन उपग्रहों को उत्तर पश्चिम चीन के जिउक्वान सैटेलाइट प्रक्षेपण केंद्र से अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया गया। यह प्रक्षेपण राजधानी बीजिंग के समयानुसार सुबह 7:39 बजे किया गया।

इराक में इमारत में आग लगी, 14 लोगों की मौत

बगदाद। इराक में एक इमारत में आग लगने से 14 लोगों की मौत हो गई। यह अनहोनी शुक्रवार रात अर्ध स्वायत्त कुर्दिस्तान के एरबिल प्रांत के सोरन शहर में हुई है। 18 अन्य लोग घायल

हैं। अल जजीरा चैनल ने सोरन स्वास्थ्य विभाग के हवाले से कहा है कि आग इस आवासीय इमारत में सबसे पहले तीसरी और चौथी मंजिल पर लगी। यहां विश्वविद्यालय के छात्र और शिक्षक रहते थे। इसके बाद आग सभी पांचों मंजिल पर फैल गई। प्रारंभिक जांच से संकेत मिलता है कि आग बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण लगी।

अमेरिकी अभिनेता रयान ओ'नील का 82 वर्ष की आयु में निधन

लॉस एंजिल्स। मशहूर अमेरिकी अभिनेता रयान ओ'नील का 82 वर्ष की आयु में निधन हो गया। सत्तर के दशक के हॉलीवुड हार्टथ्रोब कहे जाने वाले रयान ने लव स्टोरी, व्हाट्स ऐप, डॉक्टर ? और पेपर मून जैसी फिल्मों में दमदार अभिनय किया । द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार उनके बेटे पैट्रिक ओ'नील ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट में पिता की मौत की पुष्टि की। मगर पोस्ट में न तो मौत का कारण बताया गया और न ही यह साफ किया गया कि उनकी मृत्यु कहां हुई। लव स्टोरी से रयान ओ'नील रातोंरात फिल्म स्टार बन गए थे। इस फिल्म ने अपने समय में सर्वाधिक कमाई की थी। अखबार के अनुसार अभिनेता ओ'नील ने आधी सदी तक बड़े और छोटे दोनों स्क्रीन पर काम किया। ओ'नील को अभिनेत्री फराह फॉसेट के साथ लंबे समय तक रोमांस के लिए भी जाना जाता है। ओ'नील के अभिनय करियर को तब ऊंचाई मिली जब उन्हें नाइट टाइम सोप ओपेरा पीटन प्लेस में रोल मिला। उन्होंने लव स्टोरी में अली मैकग्रा के विपरीत अभिनय किया। इस फिल्म के लिए वो ऑस्कर के लिए नामांकित हुए। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर सनसनी मचा दी थी। यह फिल्म एरिच सेगल के लोकप्रिय उपन्यास लव स्टोरी पर आधारित थी।

इजराइल ने गाजा में हमास के 450 ठिकाने पर किया हमला, अब तक 17 हजार से अधिक की मौत

गाजा। इजराइल ने गाजा पर अब तक का सबसे बड़ा हमला किया है। इजराइली रक्षा बल (आइडीएफ) ने दावा किया है कि उसने पिछले 24 घंटे में हमास आतंकियों के 450 ठिकानों को तबाह कर दिया है। गाजा पर एक साथ इतने हमले भारी संख्या में फलस्तीनी नागरिकों की मौत के बाद अमेरिका भी चिंतित हो उठा है। हमास ने कहा कि इजराइली सेना के साथ उत्तर में गाजा शहर के शेजाइया जिले में और दक्षिण में खान यूनिस में सबसे तीव्र झड़पें हो रही थीं। इस दौरान इजराइली सैनिक दूसरे सबसे बड़े शहर एन्क्लेव के केंद्र में पहुंच गए। इजराइली सेना ने शुक्रवार को कहा कि उसने पिछले 24 घंटों में गाजा में जमीन, समुद्र और हवा से 450 से अधिक लक्ष्यों पर हमला किया है, जो पिछले सप्ताह संघर्ष विराम के बाद से सबसे बड़ा हमला है। इजराइल-हमास में चल रहे भीषण युद्ध के चलते गाजा के अधिकांश

लोग अब विस्थापित हो गए हैं और किसी भी तरह की सहायता वहां नहीं पहुंच रही है। अस्पतालों में भीड़ बढ़ गई है और भोजन खत्म हो गया है। विस्थापितों की मदद कर रही संयुक्त राष्ट्र की मुख्य एजेंसी ने कहा कि समाज पूरी तरह से पतन के कगार पर है। इजराइल ने पहले कहा था कि उसके सैनिकों ने पिछले महीने अपने कार्यों को काफी हद तक पूरा कर लिया है, उन्होंने इस सप्ताह नया हमला शुरू किया है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस हमले में 350 लोगों के मारे जाने की सूचना दी है। इसके साथ ही गाजा में गत दो महीने के इजराइली अभियान में मरने वालों की संख्या 17,170 से अधिक हो गई, जबकि हजारों लोग लापता हैं और माना जाता है कि वे मलबे में दबे हुए हैं। फिलिस्तीन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि शुक्रवार को इजरायल के हमले से वेस्ट बैंक के तुबास में छह फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो गई है। हमला दक्षिणी तुबास के अल-फरा शरणार्थी शिविर पर किया गया। वहीं, पत्रकारों के अंतरराष्ट्रीय संघ ने दावा किया कि इजराइल युद्ध में अब तक 68 पत्रकार मारे गए है। इजराइली सेना के भीषण हमले से खान यूनिस और उत्तरी गाजा तबाह हो रहा है। शुक्रवार की सुबह दक्षिण में खान यूनिस, केंद्र में नुसीरात शिविर और उत्तर में गाजा शहर में एक साथ कई हमले की सूचना मिली।

जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूची में सातवें पायदान पर भारत, पिछली रिपोर्ट की तुलना में बेहतर प्रदर्शन

मनीला। दुबई में आयोजित वैश्विक जलवायु वार्ता के दौरान जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूची जारी हुई। सूची में भारत ने एक पायदान की बढ़ोत्तरी की है। सूची के अनुसार, भारत जलवायु परिवर्तन को लेकर गंभीर है और अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। बता दें, वैश्विक जलवायु शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए थे।

ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कटौती

सम्मेलन में जारी हुई रिपोर्ट के मुताबिक, भारत सूची में सातवें स्थान पर है। भारत पिछली बार जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक में आठवें स्थान पर था। ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कटौती होने के वजह से भारत को उच्च रैंकिंग मिली है। भारत दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश है। बावजूद इसके यहां प्रति व्यक्ति उत्सर्जन अपेक्षाकृत कम है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हमारे डाटा से साफ होता है कि प्रति व्यक्ति जीएचजी श्रेणी में भारत दो डिग्री सेल्सियस से नीचे के बेंचमार्क को छूने वाला है। यह आंकड़ा सकारात्मक रुझानों को दर्शाता है। हालांकि, इसकी गति बहुत धीमी है।

भारत अब भी तेल-गैस और पेट्रोल पर निर्भर

सीसीपीआई के विशेषज्ञों का कहना है कि भारत दीर्घकालिक नीतियों के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान को पूरा करने की कोशिश कर रहा है, जो नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना है। हालांकि, भारत की जरूरतें अब भी तेल और गैस के साथ-साथ कोयले पर पूरी तरह से निर्भर करती है। तेल-गैस और कोयला ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का प्रमुख स्रोत है। यह वायु प्रदूषण का भी अहम कारण है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में पेट्रोल-डीजल पर अपेक्षाकृत अधिक कर है। इस कर की कुछ विशेषज्ञ सराहना करते हैं, उनका कहना है कि इससे पेट्रोल-डीजल की खपत में कटौती हो सकती है। वहीं कुछ जानकार इसे राजस्व को बढ़ाने का तरीका बताते हैं। वसुधा फाउंडेशन के सीईओ श्रीनिवास कृष्णास्वामी का कहना है कि जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक- 2024 में भारत को इस पायदान से ऊपर देखने में खुशी होगी।

ऋषि सुनक बोले- अवैध आप्रवासन के खिलाफ अब तक का सबसे सख्त कानून पेश

लंदन। ब्रिटेन में आप्रवासन एक बहुत बडी समस्या बनती जा रही है। इसे रोकने के लिए सरकार भी कई फैसले ले रही है। इस बीच ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने कहा कि हम अपनी सीमाओं को सुरक्षित करने के लिए कड़े फैसले ले रहे हैं। अवैध प्रवास समाप्त होना चाहिए।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा कि हमारा नया विधेयक अब तक का सबसे सख्त अवैध आव्रजन विरोधी कानून है। इस विधेयक के कारण देश में आने वाले लोगों को संसद नियंत्रित करेगी, न कि आपराधिक गिरोह या कोई विदेशी अदालतें। सुनक ने कहा कि भले ही मैं एक प्रवासी का बेटा हूं लेकिन मेरे माता-पिता कानूनी रूप से ब्रिटेन आए थे। हमारे यहां आपराधिक गिरोह कमजोर लोगों को प्रताड़ित नहीं कर सकते। अप्रवासियों के बच्चे के रूप में मैं समझ सकता हूं कि लोग यहां क्यों आना चाहते हैं।

यह है नया कानून

हाल ही में, ब्रिटेन के गृह सचिव जेम्स क्लेवरली ने हाउस ऑफ कॉमन्स को बताया था कि नए नियमों

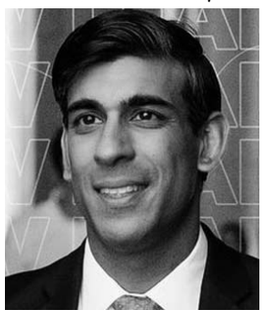

के तहत स्वास्थ्य वीजा पर ब्रिटेन आने वाले डॉक्टर अब अपने परिवार के किसी भी सदस्य को अपने साथ नहीं ला सकते हैं। इसके अलावा, कुशल श्रमिक वीजा पॉलिस के तहत आवेदकों के लिए वर्तमान सीमा जीबीपी 26,200 को बढ़ाकर जीबीपी 38,700 कर दिया गया है। वहीं, पारिवारिक वीजा श्रेणी के तहत आवेदन करने वालों को जीबीपी 18,600 है। आव्रजन नीति निष्पक्ष, सुसंगत, कानूनी और टिकाऊ होनी चाहिए। उन्होंने आगे बताया कि छात्रों के आश्रितों पर रोक लगाने के कारण 3,00,000 कम लोग ब्रिटेन आएंगे। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक का कहना है कि आव्रजन दर को कम करने की पॉलिसी कड़ी कार्रवाई है। आप्रवासन नीति से ब्रिटेन को लाभ होगा।

ब्रिटेन के वीजा आवेदकों में सबसे अधिक भारतीय

ब्रिटिश अधिकारियों के अनुसार, ब्रिटेन में दूसरे देशों से आने वाले डॉक्टर, पेशेवरों, कुशल श्रमिकों और विदेशी छात्रों में सबसे अधिक दबदबा भारत का है। स्वास्थ्य वीजा के लिए भारतीय आवेदकों की संख्या में 76 फीसदी की बढ़त हुई है। कुशल श्रमिकों की संख्या में 11 प्रतिशत की मामूली गिरावट हुई है। छात्र वीजा के आवेदकों में 43 फीसदी भारतीय हैं।

डोनाल्ड ट्रंप को मिली थोड़ी राहत, चुनाव नतीजे पलटने के मामले में जा सकते हैं सुप्रीम कोर्ट

वाशिंगटन। अमेरिका के अपीलीय कोर्ट ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को राहत देते हुए गैग ऑर्डर में थोड़ी छूट दी है। बता दें कि गैग ऑर्डर वह आदेश होता है, जिसमें जज, अटॉर्नी, पार्टियों या गवाहों को केस के बारे में बात करने से प्रतिबंधित कर देते हैं। अब अपीलीय कोर्ट ने ट्रंप को इसमें थोड़ी राहत दे दी है।

कोर्ट ने राहत देते हुए कही ये बात

अदालत के आदेश के बाद अब ट्रंप विशेष अधिवक्ता, जज और न्याय विभाग, बाइडन सरकार की आलोचना कर सकेंगे। ट्रंप को यह राहत 2020 के चुनाव नतीजे पलटने के मामले में मिली है। हालांकि ट्रंप को यह छूट आंशिक ही मिली है क्योंकि अभी भी वह गवाहों, कोर्ट स्टाफ और विशेष अधिवक्ता के स्टाफ या उनके परिजनों के खिलाफ कोई बयानबाजी नहीं कर पाएंगे। आए आदेश में कहा गया है कि यह छूट देने का उद्देश्य ट्रंप के संशोधन अधिकार और न्याय प्रक्रिया

की अखंडता को संतुलित करना है। कोर्ट ने कहा कि ट्रंप पूर्व राष्ट्रपति और वर्तमान में राष्ट्रपति पद के दावेदार हैं लेकिन उन्हें ट्रायल कोर्ट में अन्य आपराधिक प्रतिवादियों की तरह ही पेश होना होगा।

ट्रंप पर हैं ये आरोप

बता दें कि चुनाव नतीजे पलटने के मामले में ट्रंप के खिलाफ गैग ऑर्डर अक्तूबर में यूएस डिस्ट्रिक्ट जज तान्या चुटकन ने दिया था। जज ने यह आदेश उस अपील के बाद दिया था, जिसमें इस बात पर चिंता जाहिर की गई थी कि ट्रंप सार्वजनिक बयानों, सोशल मीडिया गतिविधियों और गवाहों को डरा सकते हैं। वहीं डोनाल्ड ट्रंप की लीगल टीम अपीलीय कोर्ट के आदेश के खिलाफ पहले संशोधन अधिकार के लिए सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकती है।

कैलिफोर्निया के पूर्व पुलिस प्रमुख को 11 साल की सजा; अदालत ने अमेरिका कैपिटल दंगा मामले में दोषी पाया

कैलिफोर्निया। कैलिफोर्निया के एक पूर्व पुलिस प्रमुख को कैपिटल पर हुए हमले से जुड़े मामले में दोषी पाया गया है। 6 जनवरी को कैपिटल दंगे के दौरान हथियारों से लैस 59 वर्षीय एलन होस्टेट्टर को 11 साल जेल की सजा सुनाई गई है। सीएनन की रिपोर्ट के अनुसार, होस्टेट्टर पहले कथित राजनीतिक विरोधियों को फांसी देने की वकालत कर चुके थे। अब कैपिटल दंगे में भूमिका पाए जाने पर अमेरिकी जिला न्यायाधीश रॉयस सी लैम्बर्थ ने गुरुवार (स्थानीय समय) को 135 महीने की सजा सुनाई।

59 वर्षीय एलन होस्टेट्टर को जुलाई में कई आरोपों में दोषी पाया गया। इसमें प्रशासन की आधिकारिक कार्यवाही में बाधा डालने की साजिश, आधिकारिक कार्यवाही बाधित करना, प्रतिबंधित इमारत या मैदान में घातक या खतरनाक हथियार के साथ प्रवेश, एक प्रतिबंधित इमारत में खतरनाक हथियार के साथ घुसकर अशांति फैलाने वाला आचरण करना भी शामिल है।

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक होस्टेट्टर को मिली सजा के बाद अमेरिकी न्याय विभाग ने बयान जारी किया। इसके अनुसार, कैपिटल में हिंसा की घटनाओं से पहले, होस्टेट्टर ने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के आसपास विभिन्न साजिशों को

सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया। बाद में वह कैलिफोर्निया के ला हबरा पुलिस प्रमुख के रूप में रिटायर हुए। होस्टेट्टर पर कैपिटल दंगे से एक दिन पहले 5 जनवरी को पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों की रैली को सह-प्रायोजित करने का भी आरोप है। खबरों के अनुसार उन्होंने वाशिंगटन, डीसी में हिंसक और उग्र बयानबाजी की। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, न्याय विभाग ने बताया कि अगले दिन, होस्टेट्टर रणनीतिक हथियार और पोशाक से लैस होकर कैपिटल पहुंचे। उनके पास एक हेलमेट, हैच, चाकू, स्टन बैटन, काली मिर्च स्प्रे और अन्य हथियार भी थे। कैपिटल पहुंचने पर होस्टेट्टर %स्टॉप द स्टील% रैली में भाग लेने से पहले %डीसी ब्रिगेड% के साथी सदस्यों में शामिल हो गए। इसके बाद, उन्होंने अन्य दंगाइयों के साथ मिलकर कानून-व्यवस्था कायम करने में जुटे अधिकारियों के खिलाफ काम किया। खबरों के अनुसार, होस्टेट्टर को 10 जून, 2021 को कैलिफोर्निया में अमेरिकी संघीय जांच एजेंसी-फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) ने गिरफ्तार किया था। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार कैपिटल दंगा मामले में चार सह-प्रतिवादियों को भी प्रशासन की आधिकारिक कार्यवाही में बाधा डालने की साजिश रचने के लिए नवंबर में दोषी ठहराया गया था। इनसे पहले मामले के पांचवें सह-प्रतिवादी रसेल टेलर को आधिकारिक कार्यवाही में बाधा डालने की साजिश रचने का दोषी ठहराया जा चुका था।

रूस पर 24 साल शासन कर चुके पुतिन, फिर भी सबसे लंबे शासन में इन देशों के नेताओं से पीछे

वाशिंगटन। रूस में अगले साल मार्च में राष्ट्रपति चुनाव होने जा रहे हैं। ऐसे में व्लादिमीर पुतिन ने एक बार फिर चुनाव लड़ने का फैसला किया है।अगर वह चुनाव जीतते हैं तो 2030 तक राष्ट्रपति पद पर बने रहेंगे। वह 1999 से सत्ता में बने हुए हैं। पुतिन, जोसेफ स्टालिन के बाद किसी अन्य रूसी शासक की तुलना में लंबे समय तक देश के राष्ट्रपति पद पर रहे हैं। वहीं, रूसी राष्ट्रपति दुनिया के 10 सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले निर्वाचित नेताओं में से एक हैं। आइए ऐसे 10 शीर्ष नेताओं के बारे में जानते हैं, जो लंबे समय से सत्ता में हैं।

1- इक्वेटोरियल गिनी के ओबियांग सोवियत संघ के पतन से एक दशक पहले ही 81 वर्षीय तियोदोरो ओबियांग न्गुएमा सन् 1979 में पश्चिमी अफ्रीकी राज्य इक्वेटोरियल गिनी में तख्तापलट कर सत्ता में आए थे। वह 44 साल से सत्ता में हैं। उनके दमनकारी शासन में इक्वेटोरियल गिनी को 'अफ्रीका के उत्तर कोरिया' के रूप में जाना जाता है।

2. कैमरून के बिया

कैमरून के राष्ट्रपति पॉल बिया फिलहाल 90 साल के हैं और वह नवंबर 1982 से पश्चिम अफ्रीकी देश पर शासन कर रहे हैं। कहा जाता है कि बिया के स्वभाव को समझना आसान नहीं है। इसी वजह से 41 साल से

सत्ता में बने सबसे बुजुर्ग नेता को द स्फिंगक्स नाम से भी जाना जाता है। धोखाधड़ी के आरोपों से घिरे होने के बाद भी साल 2018 के चुनावों में लगातार सातवीं बार जीत हासिल की।

3. कांगो-ब्रेजाविले के

सासौ न्गेसो कांगो गणराज्य, जिसे कांगो-ब्रेजाविले के नाम से भी जाना जाता है। 80 वर्षीय डेनिस सासौ न्गेसो ने मध्य अफ्रीका में देश के शीर्ष पर 39 साल बिताए हैं। वह 1979 से 1992 तक राष्ट्रपति रहे, फिर गृह युद्ध के बाद 1997 में लौटे और तब से सत्ता में बने हुए हैं।

4. युगांडा के मुसेवेनी

युगांडा के 79 वर्षीय राष्ट्रपति योवेरी मुसेवेनी ने 37 साल तक मध्य अफ्रीकी देश का नेतृत्व किया है। साल 2021 में चुनाव हुए और उन्हें छठे कार्यकाल के लिए फिर से चुना गया।

5. ताजिकिस्तान का रहमान

71 वर्षीय इमोमली रहमान सोवियत संघ के पतन के तुरंत बाद सत्ता में आए थे। वह 31 सालों से अपने गरीब, पहाड़ी देश पर मजबूत पकड़ बनाए हुए हैं।

6. इरिट्रिया के अफवेर्की

77 साल के पूर्व विद्रोही नेता इसायस अफवेर्की 30 साल से सत्ता में बने हुए हैं। वह सन् 1993 में इथियोपिया से स्वतंत्रता हासिल करने के बाद से अफ्रीकी राष्ट्र इरिट्रिया के राष्ट्रपति बने हुए हैं।

7. बेलारूस का लुकाशेंको

पुतिन के करीबी सहयोगी बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने यूक्रेन के पड़ोसी में 29 साल तक सत्ता में बने रहने के लिए सोवियत शैली के दमन का इस्तेमाल किया है। वह फिलहाल 69 साल के हैं।

8. जिबूती के गुलेह

जिबूती के राष्ट्रपति इस्माइल उमर गुलेह को साल 2021 में पांचवें कार्यकाल के लिए चुना गया था। 76 वर्षीय गुलेह 24 वर्षों से देश के नेता रहे हैं।

9. रूस के व्लादिमीर पुतिन 71 साल के पुतिन दिसंबर 1999 से सत्ता में बने हुए हैं। वह दिसंबर 1999 में कार्यवाहक राष्ट्रपति बने। इसके बाद 2000 से 2008 तक दो कार्यकाल तक सत्ता में रहे। फिर अपने प्रधानमंत्री दिमित्री मेदवेदेव के साथ नौकरियों की अदला-बदली की, ताकि लगातार राष्ट्रपति जनादेश को दो तक सीमित करने वाले नियमों को दरकिनार किया जा सके, केवल 2012 में क्रेमलिन नेता की भूमिका को पुनः प्राप्त करने के लिए। कार्यकाल की सीमा पुतिन को अगले चुनाव में खड़े होने से अयोग्य घोषित कर देती, लेकिन 2020 में एक विवादास्पद संवैधानिक सुधार ने उनके लिए कम से कम 2036 तक सत्ता में बने रहने का मार्ग प्रशस्त किया। 31 दिसंबर 1999 को येल्तसिन ने राष्ट्रपति के पद से इस्तीफा दे दिया। उनके बाद पुतिन कार्यवाहक राष्ट्रपति बने। 26 मार्च 2000 को पुतिन ने अपना पहला राष्ट्रपति चुनाव जीता।

मानवता शर्मसार! गाजा के अस्पतालों में सड़ी-गली हालत में मिले नवजात बच्चों के शव

गाजा। इस्राइल हमास की लड़ाई अकल्पनीय मानवीय आपदा लेकर आई है। बता दें कि गाजा के अल नस्र अस्पताल के आईसीयू में नवजात बच्चों के शव सड़ी-गली हालत में मिले हैं। गाजा के एक रिपोर्टर ने अस्पताल का वीडियो बनाया है, जिसमें दिख रहा है कि अस्पताल में नवजात बच्चों के शव अभी भी आईसीयू के बेड पर लाइफ सेविंग इक्विपमेंट्स से जुड़े हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वीडियो में चार नवजातों के शव दिख रहे हैं और कुछ तो कंकाल में बदल चुके हैं।

इस्राइल के हमले के बाद खाली किया गया था अस्पताल

बता दें कि नवंबर की शुरुआत में इस्राइल और हमास के बीच गाजा के अस्पतालों में लड़ाई लड़ी गई थी। इस्राइल का आरोप था कि इन

अस्पतालों में हमास के आतंकियों ने अपने ठिकाने बनाए हुए हैं। इस्राइल ने हमले से पहले अस्पताल खाली करने का निर्देश दिया था। जिसके चलते अस्पताल का स्टाफ जल्दबाजी में यहां से निकल गया था और माना जा रहा है कि इसी दौरान कई नवजात बच्चों को अस्पताल में ही छोड़ दिया गया, जिनकी बाद में मौत हो गई। अस्पताल के एक डॉक्टर ने बताया कि अस्पताल खाली करने से पहले ही दो नवजात बच्चों की मौत हो गई थी, जबकि अन्य बच्चे जीवित थे लेकिन बाद में देखभाल नहीं मिलने के चलते उनकी भी मौत हो गई। अस्पताल के पीडियाट्रिक विभाग के प्रमुख डॉ. मुस्तफा अल कहलौत का कहना है

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

इस्राइल ने हिजबुल्ला की चौकी पर की बमबारी, लेबनान से लड़ाई का दूसरा मोर्चा खुलने का बढ़ा डर

तेल अवीव। इस्राइली सेना ने कहा है कि उन्होंने हिजबुल्ला की एक चौकी पर बमबारी कर उसे तबाह कर दिया है। इस्राइली सेना का दावा है कि हाल ही में लेबनान की सीमा से इस्राइल पर हमला किया गया था। अब आईडीएफ (इस्राइल डिफेंस फोर्स) ने उस जगह की पहचान की, जहां से एंटी टैंक मिसाइल से हमला किया गया था और उसे तबाह कर दिया। इस हमले में हिजबुल्ला के कई लोग भी मारे गए हैं, जो उस चौकी पर तैनात थे। आईडीएफ के प्रवक्ता रियर एडमिरल डेनियल हागारी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा किया, जिसमें उन्होंने लिखा कि आईडीएफ पर हिजबुल्ला की तरफ से मानवयुक्त चौकी से हमला किया गया था। जिस पर आईडीएफ ने उन आतंकियों की पहचान की, जो एंटी टैंक मिसाइल की लॉन्चिंग पोजिशन पर थे, जिस पर बीती रात इस्राइल की तरफ से हमला किया गया। बता दें कि लेबनान का कट्टरपंथी संगठन हिजबुल्ला खुलकर हमास का समर्थन कर रहा है और उसकी तरफ से लगातार इस्राइल पर मिसाइल हमले भी किए जा रहे हैं। इसे लेकर इस्राइल ने धमकी भी दी है, जिससे लड़ाई का दूसरा मोर्चा खुलने का भी खतरा बढ़ गया है। बता दें कि इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने धमकी दी है कि अगर हिजबुल्ला ने दक्षिणी लेबनान से इस्राइल के खिलाफ दूसरा मोर्चा खोलने की कोशिश की तो वह बेरुत को गाजा में तब्दील कर देंगे।

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि सीरिया में इस्राइल के हमले में हिजबुल्ला के तीन लड़ाके मारे गए हैं, साथ ही एक सीरियाई नागरिक की भी इसमें मौत हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, इस्राइली ड्रोन के हमले में मदिनात अल बाथ शहर में एक कार को निशाना बनाया गया। यह इलाका इस्राइल के नियंत्रण वाले गोलन हाइट्स इलाके के पास है।

15 दिन से बंद फ्लैट से आने लगी तेज बदबू, पड़ोसियों ने बुलाई पुलिस; दरवाजा खुला तो सब रह गए हैरान

दक्षिणी दिल्ली। दिल्ली के मालवीय नगर इलाके से शनिवार सुबह एक ऐसी खबर सामने आई है जिसने पूरे इलाके में सनसनी मचा दी है। दरअसल मालवीय नगर थाना इलाके के खिड़की एक्सटेंशन में एक युवती का सड़ा हुआ शव फ्लैट में मिला है। बदबू आने पर आज पड़ोस के लोगों ने पुलिस को कॉल किया।

करीब 15 दिन पुराना है शव

पुलिस के अनुसार यह शव करीब 15 दिन पुराना है। संत नगर की रहने वाली युवती सानिया राय एक साल से फ्लैट में किराए पर रह रही थी। पुलिस ने हत्या की आशंका जाहिर की है। हालांकि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

धनखड़ 10 दिसंबर को झारखंड की यात्रा पर

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति श जगदीप धनखड़, 10 दिसंबर को झारखंड की यात्रा पर रहेंगे और राज्य के दो प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थानों को संबोधित करेंगे।

उपराष्ट्रपति सचिवालय ने यहां बताया कि उपराष्ट्रपति बनने के बाद यह श्री धनखड़ का यह झारखंड राज्य का प्रथम दौरा है। इस यात्रा के दौरान उपराष्ट्रपति दो प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थानों को संबोधित करेंगे। सर्वप्रथम उपराष्ट्रपति जमशेदपुर पहुंचेंगे जहां वह जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के प्लेटिनम जुबली समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। तत्पश्चात वह आई.आई.टी. (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ माइंस) धनबाद के 43वें दीक्षांत समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करेंगे तथा उपस्थित शिक्षकों और छात्रों से संवाद करेंगे।

रेप के आरोपी ने नाबालिग पर किया ऐसिड से अटैक, खुद भी तेजाब पीकर दी जान

नई दिल्ली। दिल्ली से एक एसिड अटैक मामला सामने आया है, जहां एक व्यक्ति ने नाबालिग लड़की पर तेजाब फेंक दिया। लड़की अपने घर के बाहर खड़ी थी, इसी दौरान आरोपी ने उसपर तेजाब से हमला कर दिया। इसके बाद आरोपी ने खुद भी तेजाब पी लिया। जिसके कारण इलाज के समय उसकी मौत हो गई। इस घटना में किशोरी मामूली रूप से झुलस गई। उसकी मरहम पट्टी करने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। पुलिस ने बताया कि नाबालिग पर ऐसिड से अटैक करने वाले व्यक्ति का नाम प्रेम सिंह है। 54 वर्षीय प्रेम सिंह रेप के मामले में आरोपी है। उसके खिलाफ दुष्कर्म के मामले में सुनवाई चल रही है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसकी मां ने प्रेम सिंह के खिलाफ रेप का केस दर्ज कराया था। आरोपी के घर में शादी का कार्यक्रम था, जिसमें शामिल होने के लिए वह जमानत पर बाहर आया था। इसी दौरान उसने किशोरी पर हमला किया। दिल्ली के आनंद पर्वत इलाके मेंयह घटना हुई। जब सुबह के साढ़े सात बजे के करीब आरोपी प्रेम सिंह किशोरी के पास आया और उसने धमकी देकर केस वापस लेने को कहा। लेकिन किशोरी ने ऐसा करने से मना कर दिया। जिसके बाद आरोपी ने उसपर तेजाब फेंक दिया और खुद भी तेजाब पी लिया। जिसके बाद दोनों को अस्पताल ले जाया गया। जहां आरोपी की इलाज के दौरान मौत हो गई।

ड्रग्स से खिलाफ यूपी सरकार सख्त, विश्वविद्यालयों में खतरे से निपटने को सीएम योगी ने कार्रवाई के दिए आदेश

नोएडा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि नोएडा और ग्रेटर नोएडा के विश्वविद्यालय युवाओं में नशीली पदार्थों के खतरे से निपटने के लिए आंतरिक दल गठित करें। उन्होंने गौतमबुद्ध नगर प्रशासन के अधिकारियों, पुलिस विभाग और चुने हुए प्रतिनिधियों के साथ एक समीक्षा बैठक के दौरान निर्देश दिए। पिछले कुछ महीनों में नोएडा और ग्रेटर नोएडा में कई मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित पदार्थ जब्त किए गए हैं। पुलिस ने पाया कि इन तस्करों के निशाने पर कॉलेज और विश्वविद्यालय भी थे। समीक्षा बैठक के दौरान स्थिति को गंभीरता से लेते हुए सीएम ने मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ राज्यव्यापी अभियान में विश्वविद्यालयों की भागीदारी पर जोर दिया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, 'मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालयों से मादक पदार्थों की लत के मुद्दे को हल करने के लिए समर्पित आंतरिक दलों को गठित करने करने को कहा।

नया नोएडा बसाने का काम पकड़ेगा रफ्तार, सीएम योगी ने प्राधिकरण को दिए ये आदेश

नोएडा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नोएडा प्राधिकरण के अफसरों को नए नोएडा को बसाने के काम में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इसके मास्टर प्लान को मंजूरी के लिए शासन को भेजें, ताकि प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़े। मुख्यमंत्री ने जीबीयू में आयोजित समीक्षा बैठक में कहा कि विकास कार्यों में तेजी लाकर समय से उनको पूरा कराएं। हिंडन नदी के आसपास अधिक संख्या में पेड़-पौधे लगाएं ताकि पर्यावरण बेहतर रहे। जल को स्वच्छ रखने के लिए हर संभव काम करें। इसके आसपास अतिक्रमण न होने पाएं। मुख्यमंत्री ने जाम की समस्याओं से निपटने के लिए चिल्ला, भंगेल एलिवेटेड रोड जैसी परियोजनाओं को भी तेजी से पूरा कराने के निर्देश दिए। साथ ही, निवेश बढ़ाने के लिए एमओयू को धरातल पर लाने के काम को भी तेज करने को कहा। सीएम ने तय लक्ष्य से अधिक निवेश को बढ़ावा दें। जनप्रतिनिधियों से समन्वय कर योजनाओं का प्रचार-प्रसार करें। इस दौरान नोएडा प्राधिकरण के सीईओ ने सेक्टर-96 में बन रही प्राधिकरण की नई इमारत और अंडरपास से संबंधित जानकारी दी। विधायक ने स्थायी डिप्टी रजिस्ट्रार कार्यालय खोलने की मांग रखी: विधायक पंकज सिंह ने

मुख्यमंत्री के समक्ष स्थायी रूप से डिप्टी रजिस्ट्रार कार्यालय खोलने, किसानों की शासन व प्राधिकरण स्तर पर मांगों का जल्द निस्तारण कराने, शुद्ध पानी के लिए स्थाई समाधान कराने, सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण करने वालों पर सख्त कार्रवाई करने, फ्लैट खरीदारों की समस्याओं का समाधान कराने की मांग की।

1997 से सभी किसानों को 10 प्रतिशत भूखंड देने की मांग: भाजपा के महानगरध्यक्ष मनोज गुप्ता ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक मांग पत्र दिया, जिसमें वर्ष 1997 से सभी किसानों को 10 प्रतिशत भूखंड दिए जाने की मांग की गई। उन्होंने कहा कि पिछले 4-5 सालों में नोएडा प्राधिकरण का किसानों के प्रति गलत रवैया रहा है। इसकी वजह से लगातार बड़े-बड़े आंदोलन हुए। पत्र में कहा कि 212वीं बोर्ड बैठक में 10 प्रतिशत भूखंड देने या उसके समतुल्य धनराशि देने का प्रस्ताव पास हो चुका है। इसको मंजूरी के लिए शासन को भेजा चुका है। मुख्यमंत्री से मांग की है कि जल्द शासन से पास कराकर किसानों की समस्याओं का समाधान करें।

मुआवजा वितरण में गड़बड़ी करने वालों को जेल भेजा जाए :भाजपा के महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने मुख्यमंत्री को एक और पत्र दिया। इसमें मांग की गई है कि मुआवजा वितरण में गड़बड़ी करने वाले प्राधिकरण के अधिकारी, कर्मचारी तथा उनके राजनीतिक दलालों और किसानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जेल भेजा जाए।

उन्होंने कहा कि एसआईटी जांच कर रही है लेकिन घोटालेबाज अभी भी जांच के दायरे से बाहर हैं। इस प्रकरण में किसानों के नाम पर 25 प्रतिशत मुकदमें हाईकोर्ट में डलवाकर व समझौता दिखाकर 25 प्रतिशत हिस्सा लेकर सरकारी धनराशि की बंदरबांट हुई है।

एयरपोर्ट के पास थाने बनेंगे

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि निर्माणाधीन नोएडा एयरपोर्ट के पास पुलिस की मौजूदगी काफी अहम होगी। इसको लेकर नए थानों के निर्माण समेत अन्य कामों में तेजी लाई जाए। इसके लिए प्राधिकरण के अधिकारियों को भी निर्देशित किया गया। उन्होंने थानों और तहसीलों में आने वाली समस्याओं को प्राथमिकता से हल करने के निर्देश दिए।

सरकार की रिपोर्ट में खुलासा: दिल्ली में घटा लिंगानुपात, बढ़ी जन्म दर; 2021 में 932 था

नई दिल्ली। राजधानी में लिंगानुपात में गिरावट दर्ज हुई है, जबकि जन्म दर बढ़ी है। जन्म और मृत्यु के पंजीकरण पर वार्षिक रिपोर्ट, 2022 में दिल्ली सरकार के विभाग ने आंकड़े जारी किए हैं। इसमें कहा गया है कि लिंगानुपात 2021 में 932 था जो 2022 में घटकर 929 रह गया है। वहीं जन्म दर 2021 के प्रति हजार जनसंख्या पर 13.13 की तुलना में 2022 के दौरान बढ़कर 14.24 हो गई, हालांकि मृत्यु दर में गिरावट दर्ज हुई है। साल 2021 में मृत्युदर 8.28 फीसदी थी जो 2022 में घटकर 6.07 फीसदी रह गई। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दिल्ली में प्रतिदिन जन्म की औसत बढ़ रही है। साल 2022 में यह आंकड़ा बढ़कर 823 हो गया, जबकि 2021 में यह 745 था। रिपोर्ट में कहा गया कि पंजीकृत हुए कुल जन्म में 1,55,670 (51.83 फीसदी) लड़के और 1,44,581 (48.14 फीसदी) लड़कियां थीं। वहीं 99 (0.03 फीसदी) अन्य श्रेणी से संबंधित हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2.23 प्रतिशत महिलाओं ने 19 साल या इससे कम उम्र में बच्चे को जन्म दिया। हालांकि इस रिपोर्ट में 2022 के आंकड़े में शिशु और मातृ मृत्यु दर में मामूली वृद्धि पर भी प्रकाश डाला गया है। 2022 में शिशु मृत्यु दर (प्रति हजार जीवित जन्म पर) 23.82 रही, जो 2021 में 23.60 थी। मातृ मृत्यु दर (प्रति हजार जीवित जन्म) 2022 में 0.49 रही, जो 2021 में 0.44 थी। दिल्ली में साल 2021 में दर्ज की गई 1,71,476 मौतों की तुलना में 2022 में 1,28,106 मौतें दर्ज की गईं।

तेज रफ्तार डंपर ने ई-रिक्शा में मारी जोरदार टक्कर, गर्भवती महिला सहित तीन की मौके पर ही मौत

नोएडा। कस्बे की खुर्जा रोड पर मॉडलपुर गांव के पास खुर्जा की ओर से आ रहे डंपर ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी, जिससे ई-रिक्शा सवार एक गर्भवती महिला सहित तीन की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। गर्भवती महिला की गोद में बैठी ढाई वर्षीय बच्ची को मामूली चोट आई है।

हादसे के बाद डंपर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में घुस गया। चालक को दबोच कर लोगों ने पुलिस के हवाले किया। हादसे के बाद गुस्साए लोगों ने कस्बे के मुख्य चौराहे पर जाम लगा दिया। पुलिस ने तीनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं।

जेवर के नगला बंजारा गांव के महेश ने अपनी बेटी आरती की शादी बुलंदशहर के रामघाट गांव में की थी। आरती का एक बेटा व एक बेटी है। आरती सात माह की गर्भवती थी। वह कुछ दिन पहले मायके में रहने के लिए नगला बंजारा गांव आई थी। आरती जेवर स्थित एक निजी अस्पताल में अल्ट्रासाउंड कराने के लिए अपनी बहन मोहनी व उसकी ढाई साल बेटी परी के साथ आई थी। अल्ट्रासाउंड कराने के बाद दोनों बहने दोपहर चार बजे के करीब ई-रिक्शा में सवार होकर गांव लौट रहीं थीं।

ई-रिक्शा को डंपर ने मारी जोरदार टक्कर

ई-रिक्शा जब मॉडलपुर गांव के पास पहुंचा तो सामने से आ

रहे एक डंपर ने ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। डंपर रिक्शा पर चढ़ता हुआ सड़क किनारे खेत में जा घुसा। हादसे में आरती और मोहनी की कुचलने के कारण दर्दनाक मौत हो गई। वहीं आरती की बेटी टक्कर लगने पर उछलकर दूर जा गिरी, जिससे उसके पैर में मामूली चोट आई है। हादसे में जेवर के मोहल्ला कोठेतरिया का रहने वाला ई-रिक्शा चालक धर्मेंद्र भी घायल हो गया। लोग उसे कस्बे के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मुख्य चौराहे पर लग गया लंबा जाम

टक्कर इतनी भीषण थी कि ई-रिक्शा के परखचे उड़ गए। हादसे के बाद नाराज लोगों ने कस्बे के मुख्य चौराहे पर जाम लगा दिया।

जाम के कारण टप्पल रोड, खुर्जा रोड व झाझर रोड पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। लोगों का आरोप है कि पुलिस ने शव को बगैर स्वजन की मर्जी से नोएडा भेज दिया। आक्रोशित लोगों ने शव वापस लेने के लिए कोतवाली में हंगामा किया।

पीड़ित परिवार के लिए आर्थिक मदद की मांग

समाचार लिखे जाने तक कोतवाली में लोगों का प्रदर्शन जारी रहा। सूचना पर पहुंचे एडीसीपी अशोक कुमार पीड़ित स्वजन को समझाने के प्रयास में जुटे है। नगर पंचायत अध्यक्ष नारायण माहेश्वरी ने विधायक धीरेंद्र सिंह से फोनवार्ता कर पीड़ित परिवार की आर्थिक मदद की मांग की। उन्होंने फोन पर पीड़ित स्वजन को हर संभव मदद का भरोसा दिया है।

एनएचआरसी ने 13 लोगों की हत्या पर मणिपुर सरकार को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने मणिपुर के टेंग्नौपाल जिले में गोलीबारी कर 13 लोगों की कथित हत्या पर मणिपुर के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी किया। आयोग ने इस मामले में दो सप्ताह के अंदर विस्तृत रिपोर्ट की मांग की है। एनएचआरसी ने एक बयान में कहा कि रिपोर्ट में पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी की स्थिति और राज्य सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को शामिल किया जाना चाहिए कि राज्य में कहीं भी हिंसा की ऐसी घटनाएं न हों।

आयोग ने मीडिया में आई उस खबर का स्वतः संज्ञान लिया जिसमें कहा गया था कि मणिपुर के तेंगनौपाल जिले में सैबोल के पास लीथाओ गांव में हुई चार दिसंबर को हुई कथित गोलीबारी में कम से कम 13 लोग मारे गए। आयोग ने यह भी कहा कि इस वर्ष मई में मणिपुर राज्य में तनाव उत्पन्न होने के बाद से शांत रहे क्षेत्र में 13 लोगों की मौत वास्तव में चिंताजनक और परेशान करने वाली है। मणिपुर

राज्य और इसके लोगों ने पहले ही बहुत कुछ झेला है। बयान में कहा गया है कि आयोग दृढ़ता से दोहराता कि यह राज्य का कर्तव्य है कि वह अपने नागरिकों के निजी और सार्वजनिक जीवन और संपत्तियों की रक्षा करे और समुदायों के बीच दोस्ती और भाईचारे की भावना को बढ़ावा दे।

लाखों वाहन चालकों के लिए गुड न्यूज, गाजियाबाद में जीटी रोड और लिंक रोड की संवरेगी सूरत

गाजियाबाद। गाजियाबाद के जीटी रोड और लिंक रोड से गुजरने वाले लाखों वाहन चालकों के लिए राहत की खबर है। 10 करोड़ रुपये से इन मार्गों को संवारा जाएगा। दोनों प्रस्ताव के लिए शासन से बजट मंजूर होने के बाद पीडब्ल्यूडी ने टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। मेट्रो स्टेशनों के बनने के बाद से ही जीटी रोड बदहाल है, क्योंकि अधिकांश स्टेशन नाले के ऊपर बनाए गए। इनके नीचे का नाला बंद कर पाइप डाल दिए गए। हिंडन नदी में गिरने वाले जीटी रोड के मुख्य नाले में हजारों सैकड़ों कॉलोनियों का पानी आता है। इस कारण पाइप चोक हो जाते हैं और पानी जीटी रोड पर बहता है। इसी वजह से सड़क जर्जर हो जाती है। मुख्य रूप से अर्थला में सबसे ज्यादा समस्या है, जिसके लिए कुछ दिन पहले लोगों ने मेट्रो स्टेशन के बाहर धरना भी दिया था। इसके बाद पाईप हटाकर नाला बनाने का फैसला लिया गया था। डीएमआरसी और नगर निगम ने नाला निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अर्थला में चार करोड़ से सीसी रोड बनेगी पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता (एक्सईएन) राम राजा ने बताया कि अर्थला में मेट्रो स्टेशन के नीचे 300 मीटर के दायरे में सीसी रोड बनाई जाएगी। इसके लिए चार करोड़ रुपये का बजट मिला है। इसी तरह मोहन नगर से यूपी गेट की ओर जाते समय लिंक रोड के छह किमी दायरे की मरम्मत के लिए भी छह करोड़ रुपये का प्रस्ताव पास हुआ है। अभी जीटी रोड पर वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यहां पूरे दिन ही जाम की स्थिति बनी रहती है। पीक आवर्स में एक घंटे तक वाहन जाम में फंसे रहते हैं। जाम के साथ ही वाहन हादसे का भी शिकार होते हैं। पानी भरा होने के कारण गड्ढे के आकार का पता नहीं चलता और इसमें पहिया जाने पर वाहन गिर जाता है।

दिल्ली कैबिनेट में फेरबदल: आतिशी को न्याय विभाग तो कैलाश गहलोत को मिली महिला एवं बाल विकास विभाग की जिम्मेदारी

नई दिल्ली। दिल्ली में केजरीवाल सरकार की कैबिनेट में फेरबदल हुआ है। दिल्ली की मंत्री आतिशी को कानून एवं न्याय विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। जबकि मंत्री कैलाश गहलोत को उनके वर्तमान विभागों के अलावा महिला एवं बाल विकास विभाग आवंटित किया गया है। दिल्ली सरकार ने एक गजट अधिसूचना में यह जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, सीएम दफ्तर ने उपराज्यपाल (एलजी) कार्यालय को पत्र लिखकर विभागों की अदला- बदली की सिफारिश की थी, जिसे एलजी की मंजूरी भी मिल गई है।

अतिशी के पास 14 विभाग

इस बदलाव के साथ आतिशी

के पास अब कानून एवं न्याय विभाग समेत 14 विभाग हैं, जो केजरीवाल सरकार के मंत्रियों में सबसे ज्यादा है। इससे पहले अक्टूबर में उन्हें जल विभाग का प्रभार सौंपा गया था।

नोएडा में गैर पंजीकृत कोचिंग पर शिक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई, 32 सेंटरों पर लगा ताला

नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर जिले के नोएडा में गैर पंजीकृत कोचिंगों पर बड़ी कार्रवाई हुई है। जिसके तहत 32 गैर पंजीकृत कोचिंग सेंटर को बंद कराया है। शिक्षा विभाग ने नोएडा की कोचिंग सेंटरों का निरीक्षण किया गया था। इस दौरान ये कोचिंग सेंटर विभाग को पंजीकरण से संबंधित डॉक्यूमेंट नहीं दिखा सके। जिसके बाद इन कोचिंगों पर कार्रवाई करते हुए ताला डाला गया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. धर्मवीर सिंह ने बताया कि

पंजीकृत कोचिंग सेंटर की संख्या सिर्फ 35 है। उन्होंने बताया कि कार्रवाई के लिए 12 टीम बनाई गई और अभियान चलाकर गैर पंजीकृत 32 कोचिंग सेंटर को चिह्नित किया गया। सिंह ने बताया कि सभी को पंजीकरण संबंधी दस्तावेज मुहैया कराने का मौका दिया गया, लेकिन वे ऐसा करने में विफल रहे। इसके बाद कार्रवाई करते हुए सभी को तत्काल प्रभाव से बंद करा दिया गया।

कोचिंग दोबारा शुरू करने पर होगी कानूनी कार्रवाई

जिन कोचिंग सेंटरों को शिक्षा विभाग ने बंद कराया है अगर इन कोचिंगों के मालिक इन्हें दोबारा से शुरू करेंगे तो इनपर कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। इस संबंध में जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताते कहा कि सभी को चेतावनी दी गई है कि अगर सेंटर में फिर से कक्षा शुरू की गई तो संचालकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में, दिल्ली में न्यूनतम तापमान 9.4 दर्ज

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में हवा की गुणवत्ता शहर भर के कई एक्यूआई स्टेशनों पर 'बहुत खराब' में बनी रही। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि न्यूनतम तापमान 9.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम का औसत है। मौसम विभाग ने भविष्यवाणी की है कि अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है जबकि आसमान साफ रहेगा।केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी के आनंद विहार में पीएम 2.5 का स्तर 345 और पीएम 10 का 248 के साथ 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज हुआ, जबकि कार्बन मोनोऑक्साइड (सीओ) 80 और एनओ2 का स्तर 86 था। दोनों 'संतोषजनक' श्रेणी में थे। द्वारका सेक्टर 8 में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) निगरानी स्टेशन ने पीएम 2.5 को 335 पर दर्ज किया, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में था, जबकि पीएम 10 का स्तर 216 पर था, जबकि सीओ 74 पर, 'संतोषजनक' स्तर पर था। आईटीओ स्टेशन पर एक्यूआई 'बहुत खराब' श्रेणी में था, पीएम 2.5 का स्तर 339 पर और पीएम 10 का स्तर 190 पर 'मध्यम' श्रेणी में था, जबकि कार्बन मोनोऑक्साइड (सीओ) 58 पर, 'संतोषजनक' स्तर पर था।

ग्रेटर नोएडा जेवर एयरपोर्ट के पास कार में मिला करोड़ों का खजाना, अफसर और पुलिस टीम हैरान

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा से आगरा को जोड़ने वाले यमुना एक्सप्रेसवे पर एक गाड़ी में करोड़ों रुपये के नोट मिले हैं। वही जेवर एयरपोर्ट से कुछ ही दूरी पर गाड़ी में भरे मिले नोटों को गिनने में अफसर के पसीने छूट गए। नोटों का यह खजाना यूपी की आबकारी टीम की जांच के दौरान मिला है। बताया जा रहा है कि यमुना एक्सप्रेसवे के मांट टोल प्लाजा पर गुरुवार की देर रात आबकारी विभाग और पुलिस टीम द्वारा वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान नोएडा की ओर से आ रही एक स्विफ्ट डिजायर कार को चेकिंग के लिए रोका गया। पुलिस व आबकारी टीम ने कार की तलाशी ली तो उसमें रखे बैगों में नोट भरे मिले। यह देख आबकारी विभाग अफसर और पुलिस टीम हैरान रह गए। तुरंत मामले की जानकारी बड़े अफसरों को दी गई, जिसके बाद कार सवार को नकदी समेत थाने भेज दिया गया। पुलिस ने आयकर टीम को सूचना दी। आयकर आगरा की टीम ने रुपयों को गिनवाया तो रकम करीब दो करोड़ निकली।

अश्वनी ने पूछताछ के दौरान बताया कि वह हरियाणा के गुरुग्राम में प्रॉपर्टी डीलर है। ये धनराशि उसने प्रॉपर्टी डीलिंग में कमाई है। दलाली और जमीनों का पैसा है। पैसा इकट्ठा होने के बाद वो घर लेकर जा रहा था। इस पर टीम ने धनराशि से संबंधित साक्ष्य उससे मांगे हैं। कहा कि पैसे से संबंधित साक्ष्य मुहैया करा दें और धनराशि ले जाएं। नहीं तो ये भारत सरकार के कोश में जमा करा दी जाएगी। आयकर विभाग ने उसे चार से पांच दिन का समय दिया है। तब तक पैसा मांट थाने के मालखाने में जमा रहेगा। एसपी देहात त्रिगुण बिसेन ने बताया कि रात एक्सप्रेस वे पर चेकिंग के दौरान कार से पुलिस ने दो करोड़ रुपये पकड़े थे। कार सवार गोरखपुर निवासी बताया गया है। पुलिस ने आयकर विभाग को सूचना देकर सुपुर्द कर दिया गया है।

दिल्ली नगर निगम की विशेष बजट बैठक हुई स्थगित

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम की होने वाली बजट बैठक स्थगित कर दी गई है। यह अब बैठक शनिवार दोपहर दो बजे होगी। दिल्ली नगर निगम की विशेष बजट बैठक में कमिश्नर ज्ञानेश भारती को निगम का बजट पेश करना था। इसके लिए दोपहर दो बजे बजट की विशेष बैठक बुलाई गई थी, जिसमें कमिश्नर वर्ष 2023-24 का संशोधित बजट अनुमान और 2024-2025 का बजट अनुमान प्रस्तुत करते।

हालांकि मात्र एक घंटे पहले बैठक को स्थगित कर दिया गया। हालांकि शनिवार को छुट्टी का दिन होने के बावजूद विशेष बजट बैठक बुलाई गई है, क्योंकि 10 दिसंबर से पहले बजट को पेश करना जरूरी है। भाजपा पार्षदों का कहना है कि आम आदमी पार्टी की सरकार नियम कानून को ताक पर रखकर बिना किसी तैयारी के काम कर रही है।

कामकाजी महिलाओं के लिए 335 क्रेच और खोलेगी सरकार

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने कामकाजी महिलाओं के बच्चों की देखरेख की दिशा में एक और कदम बढ़ाया है। प्रदेशभर में कामकाजी महिलाओं के बच्चों के लिए 335 और क्रेच स्थापित किए जाएंगे। अभी तक सरकार 165 क्रेच शुरू कर चुकी है। महिला सशक्तीकरण को लेकर और भी कई तरह की योजनाएं सरकार ने शुरू की हैं। सीएम मनोहर लाल का मानना है कि महिलाओं को अगर अवसर मिलें तो वे बुलंदियों को छू सकती हैं।

सरकार की बेहतर योजनाओं का ही नतीजा है कि लड़कियां शिक्षा से लेकर खेलों में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता के झंडे गाड़ रही हैं। अब माता-पिता बेटियों को बोझ नहीं मानते हैं बल्कि उन्हें बेहतर शिक्षा पाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। आंकड़ों पर अगर नज़र डालें तो अक्तूबर-2014 में प्रदेश में 1000 लड़कों पर 871 लड़कियां थी। लिंगानुपात पूरी तरह से बिगड़ा हुआ था। अब यह आंकड़ा 1000 लड़कों पर बढ़कर 932 हो गया है।

सरकारी प्रवक्ता का कहना है कि राज्य में बेटियों को पढ़ने व खेलने की पूरी आजादी दी जा रही है। ग्रामीण क्षेत्र की लड़कियों को शिक्षा ग्रहण करने व अन्य विकासात्मक गतिविधियों को पूरा करने में असुविधा न हो इसको लेकर प्रदेश सरकार ने ग्रामीण किशोरी बालिका पुरस्कार योजना लागू की है। इसके जिसके तहत लड़कियों को पुरस्कृत किया जाता है। इसके परिणाम भी अच्छे आए हैं। ग्रामीण क्षेत्र में लड़कियों के शिक्षा के स्तर में गुणात्मक सुधार आया है। प्रदेश सरकार महिलाओं के स्वास्थ्य से लेकर उनकी सुरक्षा के प्रति भी गंभीर हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार ने महिलाओं की

सुरक्षा व उनकी हर पल मदद के लिए महिला हेल्पलाइन नंबर 1091 शुरू की है। संकट में होने पर महिला उक्त नंबर पर कॉल करती है तो पुलिस चंद मिनट में उसकी मदद के लिए पहुंच जाती है। यह हेल्पलाइन महिलाओं के लिए बहुत कारगर साबित हुई है। दुर्गा शक्ति एप, दुर्गा शक्ति वाहिनी, दुर्गा शक्ति रैपिड फोर्स भी महिलाओं की सुरक्षा के लिए कटिबद्ध है। महिलाओं के विरुद्ध अपराधों के मामलों में तेजी से सुनवाई हो, इसके लिए सरकार ने 16 महिला फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित किए हैं।

बस अड्डों पर महिलाओं के साथ कोई अभद्र व्यवहार न कर सकें। इसके लिए प्रदेश के सभी बस अड्डों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में बालिकाओं को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए 'ग्रामीण किशोरी बालिकाओं को पुरस्कार योजना के अंतर्गत दी जाने वाली अवार्ड राशि में बढ़ोतरी की है।

पंचायतों में भी बढ़ा महिलाओं का दखल

मनोहर सरकार ने पंचायतों में महिलाओं को सम्मान दिलाया है। पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को 50 प्रतिशत प्रतिनिधित्व दिया गया है। बेटियों को आगे बढ़ाने व महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए प्रदेश सरकार ने कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू की हैं। राशन डिपो के लिए भी महिलाओं को 33 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व दिया है। सुकन्या समृद्धि खाता योजना के तहत विभिन्न डाकघरों में 7.38 लाख खाते खोले हैं। प्रदेश सरकार ने गांव से लेकर शहर तक अभिभावकों को जागरूक किया है कि बेटियों को बोझ न समझें।

शिक्षा के क्षेत्र में बेटियों के बढ़े कदम

प्रदेश सरकार ने लड़कियों के शिक्षा के स्तर को सुधारने में अहम योगदान दिया है। आईटीआई में पढ़ने वाली छात्राओं को प्रतिमाह 500 रुपये का वजीफा दिया जाता है। छात्राओं को स्कूल व कालेज में जाने के लिए रोडवेज की बसों में 150 किलोमीटर की मुफ्त यात्री की सुविधा दी गई है। महिलाओं को आवाजाही में दिक्कत हो, इसके लिए 158 मार्गों पर 173 बसें चलाई गई हैं।

मोदी की गारंटी वाली यात्रा पहुंची गांव गांव-अर्चना गुप्ता

पानीपत। भारतीय जनता पार्टी की जिला अध्यक्ष डॉ अर्चना गुप्ता ने समालखा खंड के गांव करहंस में विकसित भारत संकल्प यात्रा जन संवाद के दौरान आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा मोदी की गारंटी वाली यात्रा है जो पात्र लोगों को लाभ देने के लिए गांव-गांव में पहुंची है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे गांव में पहुंचे सरकारी विभागों के साथ अपने से संबंधित योजनाओं की बारीकी से जानकारी लें और इनके लिए आवेदन भी करें। डॉ अर्चना गुप्ता ने उपस्थित जनसमूह के सामने विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टॉल के बारे में विस्तृत जानकारी दी और योजनाओं के बारे में बताया। उन्होंने एडीसी वीना हुड्डा से अनुरोध किया कि अगले दिनों में विकसित भारत संकल्प यात्रा में आधार कार्ड से संबंधित त्रुटि ठीक करवाने के लिए भी स्टॉल लगवाई जाए ताकि लोग अपने आधार कार्ड की गलतियों को भी दुरुस्त करा सकें।

अतिरिक्त उपायुक्त वीना हुड्डा ने कहा कि सरकार के सारे विभाग गांव में पात्र लोगों को लाभ देने के लिए आए हैं इसलिए इनका ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाएं। सरकार की मंशा है कि हर गरीब व्यक्ति तक पहुंचा जाए ताकि उस योजना का पात्र लोग लाभ उठा सकें और वह योजनाओं से वंचित न रहे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा में बच्चों द्वारा क्विज प्रतियोगिता भी प्रस्तुत की गई। इस कार्यक्रम में बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी प्रस्तुति दी गई विकसित भारत संकल्प यात्रा में गांव के उत्कृष्ट लोगों व बच्चों के साथ-साथ विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को भी सम्मानित किया गया।

एचएसआईआईडीसी बड़ी परिसर में यातायात व्यवस्था सही करें: उपायुक्त

सोनीपत। उपायुक्त डा. मनोज कुमार ने एचएसआईआईडीसी बड़ी स्थित रेल कोच नवीनीकरण कारखाना का दौरा करने शुक्रवार को पहुंचे तो वहां यातायात की वयवस्था सही करने के लिए पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए और संबंधित विभागीय अधिकारियों को स्ट्रीट लागाने लगाने मरम्मत करने के आदेश दिए हैं। रेल कोच नवीनीकरण कारखाना के मॉडल का अवलोकन किया। फर्निशिंग शॉप, बोगी शॉप, डिस्पेंसरी, पेंट शॉप, शॉट ब्लास्टिंग शॉप आदि का दौरा करते हुए सुरक्षा मानकों की भी जांच की। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में अस्पताल निर्माण के लिए भी प्रयास करवायेंगे ताकि बेहतरीन चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार हो। कारखाना प्रशासन की ओर से स्ट्रीट लाइट को दुरुस्त करवाने की मांग को पूरा करने के लिए उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इसको पूरा करने के बाद रिपोर्ट प्रेषित दें। साथ ही उन्होंने कारखाना परिसर में पौधारोपण करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। शुक्रवार को दोपहर बाद उपायुक्त डा. मनोज कुमार रेल कोच नवीनीकरण कारखाना पहुंचे, जहां उन्होंने कारखाना के मुख्य कारखाना प्रबंधक अनिल कुमार व अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में एसडीएम निर्मल नागर विशेष रूप से शामिल हुए। उन्होंने विस्तार से कारखाना के संचालन की जानकारी ली। उन्होंने मांगों व समस्याओं की भी जानकारी ली, परिसर में ट्रैफिक व्यवस्था तथा प्रदूषण की समस्याएं सामने आई। सभी समस्याओं के निपटारे की ओर कदम बढ़ाये। प्रदूषण से निजात दिलाने के लिए उन्होंने एसडीएम को निर्देश दिए कि वे संबंधित फैक्टरी की जांच कर कार्रवाई करें। ट्रैफिक व्यवस्था के लिए उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नियमित तौर पर जांच करें और सीसीटीवी लगवायें।

हकृवि में 9 व 10 दिसंबर को स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्क्लेव

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय मे छात्र कल्याण निदेशालय की ओर से दो दिवसीय 9 व 10 दिसंबर को स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्क्लेव का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के पहले दिन तीन सत्रों में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएगी, जिनमें स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्क्लेव प्रश्नोत्तरी एवं पोस्टर प्रतियोगिता शामिल होगी। साथ ही विशेषज्ञों के साथ विद्यार्थी विभिन्न विषयों पर सामूहिक चर्चा भी करेंगे। दूसरे दिन कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के डिप्टी डायरेक्टर जनरल (एग्रीकल्चरल एजुकेशन) डॉ. आर.सी. अग्रवाल रहेंगे व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने बताया कि इस कार्यक्रम में हकृवि के अलावा डॉ. बालासाहेब सावंत कोंकण कृषि विश्वविद्यालय, दापोली, गुरु अंगद देव पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, शेर ए कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, जम्मू, वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परभणी, शेर ए कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कश्मीर व डॉ. वाई.एस.परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन के विद्यार्थी शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि उपरोक्त प्रति विश्वविद्यालय से 10 उन विद्यार्थियों को कार्यक्रम में शामिल किया गया है, जिन्होंने आईडीपी परियोजना के तहत विदेशी शोध संस्थानों में दौरा किया है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता में विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया जाएगा।

खंड स्तरीय गीता महोत्सव प्रतियोगिता में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

घरौंडा। जीटी रोड स्थित दी सेंचुरी स्कूल में खंड स्तरीय गीता महोत्सव प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सुदेश ठकराल ने बतौर मुख्यअतिथि शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीआरसी जोगिंद्र सिंह ने की। प्रतियोगिता में 55 सरकारी व प्राइवेट स्कूलों के 185 छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। छह प्रतियोगिताएं करवाई गई। जिनमें प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जो उनके बैंक खातों में ट्रांसफर किया जाएगा। प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहने वाले छात्र जिला स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। गीता महोत्सव के तहत आयोजित निबंध लेखन, गीतो श्लोक उच्चारण, भाषण, संवाद, प्रश्नोतरी व पेंटिंग प्रतियोगिता में बच्चों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। प्रतियोगिताओं का रिजल्ट 14 निर्णायकों ने दिया। छठी से 12वीं कक्षा तक के छात्रों ने प्रतियोगितों में हिस्सा लिया था। कंपोनेंट इंचार्ज विकास वर्मा की देखरेख में प्रतियोगिताएं हुई। प्रतिभागियों को दो वर्गो में बांटा गया था। जिसमें छठी से आठवीं और 9वीं से 12वीं का वर्ग शामिल था। पहले व दूसरे वर्ग के अनुसार क्रमश-, भाषण प्रतियोगिता में जीएसएसएस मूनक की छात्रा सोनिया, आदर्श स्कूल घरौंडा का कार्तिकेय, प्रश्नोतरी में मूनक जीएसएसएस की सिमरन, कोहंड स्कूल की रूही, गीता श्लोक उच्चारण में कैमला सरकारी स्कूल की समरीन, कोहंड स्कूल की तमन्ना, निबंध लेखन में गुढा जीएसएसएस की मिनाक्षी व कोहंड की कविता, पेंटिंग में जीएचएस मूनक की खुशबू व सेंचुरी स्कूल के अभिषेक तथा संवाद प्रतियोगिता में शेखपुरा खालसा सरकारी स्कूल की खुशी ने पहला स्थान हासिल किया। मुख्यअतिथि सुदेश ठकराल ने प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान पर आने वाले छात्रों को क्रमश- 1100 रुपए, 750 रुपए,

500 रुपए का नकद पुरस्कार दिया गया, जो बैंक खातों में ट्रांसफर होगा। सुदेश ठकराल व जोगिंद्र सिंह ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं से बच्चों में छीपी प्रतिभा सामने आती है। अब विजेता प्रतिभागी जिला स्तर पर हिस्सा लेंगे। निर्णयक मंडल में महेंद्र पाल, प्रदीप, भजन लाल, कृष्ण कुमार, आरती, वेदपाल, कुलदीप, हरीओम शर्मा, मनोज, अरविंद, देवव्रत त्यागी, सुरेंद्र कुमार, राजबाला शामिल रहे। इस मौके पर एबीआरसी नसीब पंगाल, दिनेश, प्रीति, जितेंद्र, सुखदेव, अकाउंटेंट सुदेश, बीआरपी मानिका, सीमा रानी व अन्य मौजूद रहे।

गुरुग्राम में सिटी सेंटर से साइबर सिटी तक होगी मेट्रो कनेक्टविटी

चंडीगढ़। गुरुग्राम के मिलेनियम सिटी सेंटर से साइबर सिटी तक मेट्रो कनेक्टविटी को लेकर सरकार ने प्रयास तेज कर दिए हैं। यह परियोजना केंद्र और हरियाणा सरकार मिलकर पूरा करेगी। कुल लागत का पचास प्रतिशत पैसा केंद्र सरकार देगी और बाकी हरियाणा सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। इस परियोजना को सिरे चढ़ाने के लिए 'गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड' नामक नई कंपनी बनाने का निर्णय लिया है। मुख्य सचिव और हरियाणा मास रैपिड ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन के चेयरमैन संजीव कौशल की अध्यक्षता में हुई अहम बैठक में यह निर्णय लिया गया। यह परियोजना मिलेनियम सिटी सेंटर से सुभाष चौक, रेलवे स्टेशन, रेजांगला चौक से साइबर सिटी तक पूर्ण सर्कल में जोड़ने वाला गोलाकार गतिशील गलियारा होगी। इसे नई कंपनी द्वारा संभाला जाएगा। इसका नेतृत्व केंद्रीय शहरी विकास सचिव करेंगे। अब सभी आगामी परियोजनाएं नई कंपनी द्वारा कार्यान्वित की जाएंगी। मौजूदा रैपिड मेट्रो परियोजना एचएमआरटीसी द्वारा निपटाई जाएगी। कौशल ने कहा कि मिलेनियम सिटी सेंटर से साइबर सिटी तक मेट्रो कनेक्टिविटी परियोजना ने अब जमीन पर काम करना शुरू कर दिया है। अनुमानित 5452.72 करोड़ लागत की इस परियोजना पर 27 स्टेशन बनेंगे। यह कुल 28.50 किमी लम्बाई का प्रोजेक्ट होगा। इसकी भू-तकनीकी जांच और डिजाइन परामर्श सहित पूर्व-निर्माण गतिविधियों की प्रक्रियाएं पहले ही शुरू की जा चुकी हैं। इससे एचएमआरटीसी में सवारियों की संख्या और आय दोनों में वृद्धि होगी। रैपिड मेट्रो गुरुग्राम में पिछले वर्ष की अवधि की तुलना में सवारियों की संख्या में 35.54 प्रतिशत की वृद्धि होगी। सवारियों की संख्या 80 लाख 13 हजार 765 तक पहुंच गई। पिछले वर्ष में 59 लाख 12 हजार 457 थी। कौशल ने परिवहन विभाग के अधिकारियों को हर मेट्रो स्टेशन की लास्ट माइल कनेक्टिविटी के मुद्दों का अध्ययन करने को कहा। इसका उद्देश्य यात्रियों को उनके घर से गंतव्य तक परेशानी मुक्त यात्रा प्रदान करना है।

वाटिका चौक से पंचगांव तक का भी प्रोजेक्ट

वाटिका चैक से पंचगांव तक मेट्रो कनेक्टिविटी परियोजना में 30 किलोमीटर के गलियारे का प्रारुप तैयार किया है। इसमें मेसर्स राइट्स को सलाहकार नियुक्त किया है। गुरुग्राम के सेक्टर-56 में मौजूदा रैपिड मेट्रो स्टेशन पर मार्ग समायोजन और संभावित प्रस्तावों की खोज की जा रही है। कौशल ने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल की घोषणा के बाद बल्लभगढ़ से पलवल तक मेट्रो कनेक्टिविटी का विस्तार शुरू हो गया है। अस्थायी गलियारे की लंबाई 25 किलोमीटर और 10 प्रस्तावित स्टेशनों के साथ तकनीकी व्यवहार्यता का अध्ययन किया जा रहा है। हरियाणा ऑर्बिट रेल नेटवर्क और कुंडली मानेसर पलवल एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए बहादुरगढ़ मेट्रो से असौधा तक मेट्रो विस्तार की योजना है।

सीएम टीमों को अम्बाला शहर में मिले कूड़े के ढेर

अम्बाला। प्रत्येक महीने करोड़ों रुपये सफाई व्यवस्था पर खर्च करके और नागरिकों से गारबेज टैक्स वसूलने के बावजूद आज मुख्यमंत्री उड़नदस्ता और गुप्तचर विभाग की टीम को नगर निगम अम्बाला शहर क्षेत्र में कूड़ा कर्कट के अंबार मिले हैं। ऐसा लग रहा है कि नगर निगम अधिकारियों व कर्मचारियों पर सरकार का कोई नियम लागू नहीं होता और संभवतया उन्होंने कभी नहीं सुधरने की कसम खा रखी है। दोनों विभाग इसकी रिपोर्ट बनाकर अब सीएम और स्थानीय निकाय विभाग को भेजेंगे। भ्रष्टाचार और अव्यवस्था को लेकर अकसर निशाने पर रहने वाला अम्बाला शहर का नगर निगम आज सफाई के मामले में भी फिसड्डी साबित हुआ। वह भी तब जब शहरी स्थानीय निकाय विभाग द्वारा सफाई व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए प्रदेश के सभी शहरी निकाय संस्थानों को 1 से 7 दिसंबर तक सफाई व्यवस्था को सुधारने के लिए कहा हुआ था। निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के अगले ही दिन मुख्यमंत्री उड़नदस्ता के सिटी इंचार्ज हितेंद्र गौतम और गुप्तचार विभाग के सिटी इंचार्ज अनिल कुमार की टीम ने नगर का सघन दौरा करके सफाई का आंकलन करना शुरू किया तो उनके पास सिर पीटने के अलावा कोई चारा नहीं था। मुख्यमंत्री उड़नस्ता और गुप्तचार विभाग की टीम ने आज शहर के शुकलकुंड रोड, प्रेम नगर, माडल टाउन, विकास विहार, पुरानी अनाज मंडी, दो खंभा चौक क्षेत्र, नाहन हाउस, सर्राफा बाजार, नदी मोहल्ला आदि क्षेत्रों का दौरा करके सफाई व्यवस्था की वास्तविकता जांची। इस दौरान उन्हें हर क्षेत्र में गंदगी के बस अंबार ही लगे नजर आए जिन्हें उन्होंने अपने कैमरों में कैद कर लिया। निगम में करीब 500 सफाई कर्मचारी हैं, डोर टू डोर कूड़ा उठाने वाले इनसे अलग। इन सब पर हर महीने निगम की ओर से कई करोड़ रुपये खर्च किए जाते हैं। यदि सरकार द्वारा निर्देशित विशेष अभियान के दौरान यह हाल है तो आम दिनों की बदहाली को आसानी से समझा जा सकता है। निकाय विभाग ने सभी निगमों के आयुक्तों, पालिका और परिषदों के अधिकारियों को पत्र भेजकर स्वच्छता की परीक्षा शुरू करवाई थी। बाकायदा 8 श्रेणियों में कुल 100 अंक निर्धारित किए गए थे। नियमित सफाई अभियान 1 से 7 तक चलाने पर 10 अंक मिलने थे। आमजन, स्वयंसेवी संगठन, युवाओं व सामाजिक कार्य करने वालों को जोड़ने पर 10 अंक दिए जाने थे। सफाई अभियान सभी मार्गों, क्षेत्रों और वार्डों में चलाने के आदेश दिए गए थे।

काम के आधार पर दिए जाने थे अंक-सफाई अभियान के लिए शहर में चलने वाले अभियान की इंटरनेट मीडिया पर प्रतिदिन पोस्ट डालने अपडेट करने पर 5 अंक, समाचार-पत्रों में कवरेज होने की स्थिति में 5 अंक, सार्वजनिक स्थानों, व्यावसायिक और रिहायशी क्षेत्रों में कचरा निष्पादन के लिए 20 अंक, रिहायशी, व्यावसायिक क्षेत्रों में जलजमाव न हो, ड्रेनेज चौक न हो और सालिड वेस्ट की समस्या न होने पर 10 अंक, कचरे वाले प्वाइंट खत्म करने पर 20 अंक, नाले, नालियों, ड्रेनेज को कचरा मुक्त करने के लिए भी निकाय विभाग ने 20 अंक देने का प्रावधान किया था।

सरकार ने इन बिंदुओं पर मांगी नियमित जानकारी

निकाय विभाग ने संबंधित संस्थानों से 8 बिंदुओं की भी जानकारी मांगी है। इसमें प्रतिदिन निकलने वाले कचरे का वजन, घरों के निर्माण से प्रतिदिन निकलने वाले मलबे का वजन, प्रतिदिन के प्लास्टिक वेस्ट का वजन, पार्कों के अलावा पेड़-पौधों, पत्तियों, घास-फूस यानी उद्यान से जुड़ा कितना कचरा प्रतिदिन शहरों से निकलना है। इसी तरह से कितना कचरा उठवाया, अभियान में कितने वाहन लगे हुए हैं। अभियान में कुल लगाए कर्मचारियों की संख्या की जानकारी भी मांगी गई है। अभियान में कर्मचारियों की ड्यूटी के शेड्यूल-चार्ट, कब पत्र जारी किया, से जुड़ी जानकारी मांगी थी। नियमित फोटो के साथ ही प्रोफार्मा पर प्रतिदिन का ब्योरा मांगा गया था। अम्बाला शहर नगर निगम क्षेत्र में संयुक्त टीम को जांच के दौरान हर हिस्से में गंदगी के अंबार लगे मिले हैं। नगर निगम आयुक्त को भी बता दिया गया है।

प्रधानमंत्री ने महिलाओं का बढ़ाया मान सम्मान: मीना देवी

पानीपत। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत भालसी गांव में जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मे पहुंची संकल्प यात्रा का गांव की स्कूल परिसर मे पहुंचने पर गारंटी एलईडी वैन को देखने के लिए गांव में बड़ी संख्या बच्चे, बूढ़े व युवा मौजूद रहे। सभी ने ध्यान पूर्वक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री मनोहरलाल का संबोधन सुना।

सवेरे व सायकालीन दो अलग-अलग गांव में आयोजित किए गए जन संवाद कार्यक्रम में 20 से ज्यादा लाभार्थियों ने गांव के लोगों के सामने अपने अनुभव साझा किए व बताया कि किस प्रकार से उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ लिया है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वारा उन्हें मुफ्त गैस कनेक्शन भी उपलब्ध कराए गए। जन संवाद कार्यक्रम में ग्रामीणों ने विभिन्न विभागों से जुड़ी अपनी अपनी समस्याओं को प्रशासनिक अधिकारियों के सामने रखा जिनमें से जो जरूरी समस्याएं थी जिनका निदान संभव था उन पर काम किया गया।

कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने देशभक्ति की कविताएं, सामूहिक व एकल नृत्य प्रस्तुत करके ग्राम वासियों का मन मोहया। बाजनी पायजेब व मटक मटक हरियाणवी गीत पर स्कूली बच्चों ने बेहतरीन नृत्य कर लोगों का मनमोहा। ग्रामीण ने बचचों का उत्साहवर्धन किया व इनाम देकर उनका हौसला बढ़ाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वारा विकसित भारत की शपथ भी ग्रामीणों को दिलाई गई। भालसी गांव मे मतलोडा ब्लॉक समिति चेयरमैन मीना देवी ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टालों का अवलोकन किया।

भालसी गांव में बतौर मुख्य अतिथि पहुंची ब्लॉक समिति चेयरमैन मीना रानी ने लोगो को संबोधित करते हुए कहा कि नारी सशक्तिकरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व मे देश की पहचान मजबूत हुई है। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों की गांव अनुसार उपलब्धियां की जानकारी भी दी। बीजेपी के जिला मंत्री एडवोकेट रोशन म्हला ने कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने हर वर्ग का पूरा पूरा ख्याल रखा है। 80 करोड़ लोगो को मुफ्त राशन की सुविधा प्रदान की गई है। नल द्वारा शुद्ध जल उपलब्ध करवाया जा रहा है। रक्षा के मामले में भी हम किसी से काम नहीं है आर्थिक स्थिति से देश पहले पांच की संख्या में पहुंच गया है आर्थिक मजबूती की स्थिति इतनी प्रबलता से बढ़ रही है कि 2047 से पूर्व हम विकसित राष्ट्र के रूप में जाने जाएंगे। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं किसी की मोहताज नहीं है।

उन्होंने उज्ज्वला योजना के तहत महिलाओं को प्रदान की जा रही सुविधाओं पर भी प्रकाश डाला। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत आयोजित किए गए दोनों गांव के कार्यक्रम में गांव के पूर्व सैनिकों ,खिलाड़ियों, उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल करने वाली महिलाओं व सफाई कर्मियों व लोकल कलाकारों, होनहार बच्चों को सम्मानित किया गया। कृषि विभाग द्वारा मोटा अनाज कि जागरूकता को लेकर रैली निकली गई व विभाग के कर्मचारियों ने ग्रामीणों के सामने ड्रोन का प्रदर्शन किया गया ।

अब हर माह मिलेगा बिजली का बिल : रणजीत सिंह

हिसार। ऊर्जा मंत्री रणजीत सिंह ने स्थानीय लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम द्वारा आयोजित बिजली पंचायत में शिरकत कर उपभोक्ताओं की समस्याओं को सुना और कहा कि बिल देरी से आने की समस्याएं को लेकर शीघ्र ही निर्णय लिया जाएगा ताकि प्रत्येक माह नागरिकों को बिजली के बिल मिल सके। बिजली पंचायत में चार जिलों की 20 ग्राम पंचायतों एवं विभिन्न गांवों से आए हुए जन प्रतिनिधियों ने ऊर्जा मंत्री के समक्ष अपनी समस्याएं रखी। बिजली पंचायत में लटकी बिजली की तारें, ट्रांसफार्मर लगाने, तीन फेस सप्लाई लाइन, रिहायशी क्षेत्रों से 11 व 33 किलो वाट की लाइनों में आने वाले अवरोधों को हटाने, शिफ्ट करने व कसने तथा ढाणियों में बिजली से संबंधित शिकायतें सामने आई। ऊर्जा मंत्री ने अधिकारियों को ढाणियों में लंबित बिजली कनेक्शन शीघ्र मुहैया करवाने व उपभोक्ताओं के कार्य को प्राथमिकता के आधार पर करने की हिदायत दी। ऊर्जा मंत्री ने अधिकारियों को ओवर बिलिंग के मामलों का निपटान, लंबित ट्यूबवैल कनेक्शन जारी करने व बिजली चोरी की रोकथाम, ओवरलोड की समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि अगले साल फरवरी में एक बड़ी रैली का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि उन्हें हिसार लोकसभा से टिकट मौका मिला तो वह चुनाव जरूर लड़ेंगे। इस अवसर पर जिला परिषद के चेयरमैन सोनू सिहाग, जिला उपाध्यक्ष कृष्ण बिश्नोई, हिसार लोकसभा प्रभारी संदीप यादव सहित बिजली विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

विशेष सफाई अभियान के दौरान शहर से उठाया गया करीब 556 मीट्रिक टन कचरा

करनाल। नगर निगम करनाल द्वारा चलाए गए विशेष सफाई अभियान के तहत चिन्हित 51 स्थानों से कूड़ा-कचरा उठाया गया और शहर की सघन सफाई की गई। इस दौरान शहर के अन्य क्षेत्रों में भी साफ-सफाई की गई। नगर निगम आयुक्त अभिषेक मीणा ने बताया कि सफाई अभियान के शुरूआत में एक योजना बनाई गई और उसी के अनुरूप काम किया गया। इसके तहत शहर के विभिन्न स्थानों से कूड़े-कचरे के ढेर खत्म किए गए। निर्माण व विध्वंस अपशिष्ट व उद्यान अपशिष्ट के अतिरिक्त किसी भी प्रकार का मलबा इत्यादि भी उठाया गया। उन्होंने बताया कि सफाई अभियान का असर शहर में दिखाई दे रहा है। निगमायुक्त ने बताया कि सफाई अभियान के दौरान शहर के उन खाली प्लॉट/जगहों की साफ-सफाई की गई, जहां आम तौर पर नागरिक आते-जाते कचरा फैलाते थे। अब ऐसी जगह साफ-सुथरी हो चुकी हैं। इन स्थानों पर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि अब यहां पर कोई कूड़ा-कचरा

न फैलाया जाए। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान अधिकतम सी एंड डी वेस्ट उठाया गया है, जबकि सोलिड वेस्ट बहुत कम मात्रा में निकला है। उन्होंने बताया कि निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट (सी एंड डी वेस्ट) व उद्यान अपशिष्ट अधिकतम सैक्टरों व खाली प्लॉटों से उठाया गया है। नेशनल हाईवे-44 फ्लाईओवर के दोनो ओर खाली जगहों, सर्विस रोड व फुटपाथ के अतिरिक्त निगम के अधीन गांवों के प्रवेश मार्गों की भी साफ-सफाई की गई है। एकत्रित कुल कचरे की मात्रा- उन्होंने बताया कि सफाई अभियान के दौरान नगर निगम क्षेत्र से कुल 556 मीट्रिक टन कचरा उठाया गया है। इस दौरान करीब 230 मीट्रिक टन ठोस अपशिष्ट उठाया गया। इसी में से 196 मीट्रिक टन ठोस कचरा एच.एस.वी.पी. के सैक्टर क्षेत्र का है, जिसे सामुदायिक केन्द्र नजदीक सैक्टर-4 से उठाया गया है, यानि नगर निगम क्षेत्र से 34 मीट्रिक टन ठोस कचरा ही एकत्रित हुआ है। अभियान में 286 मीट्रिक टन सी एंड डी वेस्ट और 40 मीट्रिक टन हार्टीकल्चर वेस्ट एकत्रित किया गया है। सैक्टर-6 व 8 की आर.डब्ल्यू.ए. तथा डेरा सच्चा सौदा के प्रेमियों ने भी सफाई अभियान में भाग लिया। उन्होंने बताया कि अभियान में नगर निगम के 7 ट्रैक्टर-ट्राली, 3 जेसीबी व 35 रिक्शा-रेहड़ी, सफाई कर्मचारी तथा सुगम स्वच्छता एजेंसी की 4 ट्रैक्टर-ट्राली व 1 जेसीबी की मदद ली गई।

इन प्रमुख स्थानों से उठाया कचरा-उन्होंने बताया कि सैक्टर-32 स्थित नूर महल के नजदीक खाली जगह से बागवानी अपशिष्ट, सैक्टर-4 नजदीक सामुदायिक केन्द्र से ठोस अपशिष्ट तथा पुरानी सब्जी मंडी, काछवा रोड रेलवे फ्लाईओवर के नीचे, चांद सराय व वार्ड 6 में लगने वाली सब्जी मंडी के पीछे खाली जगह से निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट उठाया गया है।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री हरियाणा के निर्देशानुसार शहर में विशेष सफाई अभियान चलाया गया था। इसके लिए सफाई निरीक्षक/जोन इंचार्ज के अधीन सम्बंधित वार्ड के सुपरवाईजर व दरौगा की ड्यूटी लगाई गई। इसके तहत जोन अनुसार एक दिन में पूरे वार्ड की साफ-सफाई की गई। वार्ड की मुख्य सडकें, चौक-चौराहे, गोल-चक्कर, बर्म, पार्क, सैंट्रल वर्ज, नालियों व ओपन स्पेस इत्यादि सभी की सफाई करवाई गई।

उन्होंने बताया कि सफाई अभियान को सफल बनाने के लिए कार्यकारी अभियंताओं को प्रत्येक जोन का नोडल अधिकारी बनाया गया था। उनके अधीन सम्बंधित जोन इंचार्ज, वार्ड के सहायक व कनिष्ठ अभियंता, तमाम सफाई कर्मचारी इस कार्य में लगाए गए थे। नोडल अधिकारियों व मुख्य सफाई निरीक्षक द्वारा भी शहर का निरंतर दौरा किया गया, ताकि सफाई कार्य में कोई कमी न रहे। उन्होंने शहर वासियों से अपील करते कहा है कि वह अपने आस-पास के क्षेत्र में साफ-सफाई रखें। उन्होंने कहा कि नागरिक अपने कूड़े-कचरे का डस्टबिन में एकत्रित करके रखें और उसे कूड़ा एकत्रित करने वाले वाहन में ही डालें। उन्होंने कहा कि नागरिक अपने शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाए रखने में नगर निगम का सहयोग करें।

आरबीआई ने आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर सात फीसदी किया

मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए देश के आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7 फीसदी कर दिया है। रिजर्व बैंक ने मजबूत घरेलू मांग तथा विनिर्माण क्षेत्र में क्षमता इस्तेमाल बढ़ने के बीच विकास दर के अनुमान में इजाफा किया है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने यहां आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने सर्वसम्मति से रेपो रेट 6.50 फीसदी पर बरकरार रखा है। उन्होंने मौद्रिक समीक्षा बैठक के नतीजे के बारे में बताया कि चालू वित्त वर्ष 2023-24 में आर्थिक वृद्धि दर सात फीसदी रहेगी। दिसंबर तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 6.5 फीसदी और मार्च तिमाही में छह फीसदी रहने का अनुमान है। शक्तिकांत दास ने कहा कि एमपीसी ने मौद्रिक समीक्षा में अगले वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही के लिए जीडीपी वृद्धि दर 6.7 फीसदी, दूसरी तिमाही के लिए 6.5 फीसदी और तीसरी तिमाही के लिए 6.4 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। इससे पहले केंद्रीय बैंक ने वित्त वर्ष 2023-24 में आर्थिक वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहने का अनुमान लगाया था। उल्लेखनीय है कि भारत की अर्थव्यवस्था 31 मार्च 2023 को समाप्त वित्त वर्ष में 7.2 फीसदी की दर से बढ़ी थी। देश की वास्तविक जीडीपी वृद्धि चालू वित्त वर्ष 2023-24 की जून और सितंबर तिमाही में सालाना आधार पर क्रमशः 7.8 फीसदी और 7.6 फीसदी रही है। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष, विश्वबैंक और रेटिंग एजेंसी फिच ने चालू वित्त वर्ष में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.3 फीसदी रहने की संभावना जताई है, जबकि एसएंडपी ने विकास दर 6.4 फीसदी रहने की उम्मीद जताई है।

बाहर से सस्ता माल ला कर बाजार हथियाने की नीति में न पड़े कपड़ा उद्योगःगोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण और कपड़ा मंत्री पीयूष गोयल ने परिधान क्षेत्र के उद्यमियों को बाहरी स्रोतों से कम गुणवत्ता का सस्ता माल खरीद कर बाजार पर कब्जा करने की मूल्य नीति के लोभ में न पड़ने की सलाह दी है। श्री गोयल ने यहा परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) के 2021-22 तथा 2022-23 के उत्कृष्टता सम्मान के वितरण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत में कपड़ा उद्योग के संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र के दीर्घकालिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है कि एक-दूसरे का समर्थन करके घरेलू आपूर्ति श्रृंखला क्षमताओं का निर्माण किया जाए।

जिंदल स्टेनल कार्बन उत्सर्जन में 50 प्रतिशत कटौती के लक्ष्य के लिए तैयार

नई दिल्ली/ दुबई। स्टेनलेस स्टील निर्माता जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड (जेएसएल) ने कहा है कि वह 2035 के लक्ष्य वर्ष से पहले 50 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन कटौती के अपने मध्यावधि लक्ष्य को हासिल करने के लिए तैयार है। कंपनी ने पहली बार संयुक्त राष्ट्र के जलवायु शिखर सम्मेलन कॉन्फेडरेशन ऑफ पार्टीज़ (सीओपी 28) में हिस्सा लिया।

भारत में हर साल पांच करोड़ आईफोन बनाएगी एपल, अमेरिकी कंपनी की देश में विस्तार की योजना

नई दिल्ली। एपल व इसके अन्य आपूर्तिकर्ता भारत में अगले दो-तीन साल में सालाना 5 करोड़ आईफोन बनाएंगे। एपल की रणनीति चीन पर निर्भरता कम कर अन्य देशों में आपूर्ति श्रृंखला को ले जाना है। रणनीति सफल हुई तो भारत वैश्विक आईफोन उत्पादन में इस दशक के अंत तक एक चौथाई का योगदान कर सकेगा। एपल की प्रमुख आपूर्तिकर्ता फॉक्सकॉन ने पिछले माह भारत में करीब 13,000 करोड़ के निवेश की घोषणा की थी। उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन योजना के तहत मिल रही सब्सिडी से एपल की आपूर्तिकर्ता कंपनियां भारत में अपनी विनिर्माण क्षमता बढ़ा रही हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक, कर्नाटक में फॉक्सकॉन के कारखाने से अप्रैल से उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है। इसका लक्ष्य सालाना 2 करोड़ मोबाइल फोन बनाने का है। इसमें ज्यादातर आईफोन होंगे। कंपनी दूसरा कारखाना भी लगाने की तैयारी में है। एपल ने पिछले वित्त वर्ष में 58,000 करोड़ रुपये से ज्यादा के आईफोन असेंबल भारत में किया था। टाटा समूह तमिलनाडु में भी आईफोन बनाने की योजना बना रहा है। दो वर्षों में इसमें 20 असेंबली लाइन होंगी और 50,000 कर्मचारी हो सकते हैं। समूह पहले से ही आईफोन बनाने के लिए कर्नाटक में विस्ट्रॉन की फैक्टरी खरीद चुका है।

कच्चा तेल 76 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में उचार-चढ़ाव जारी है। ब्रेंट क्रूड का मूल्य बढ़कर 76 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 72 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक शनिवार को दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये, डीजल 89.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये, डीजल 94.27 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये, डीजल 92.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध

है।अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के अंतिम कारोबारी दिन ब्रेंट क्रूड 1.79 डॉलर यानी 2.42 फीसदी की उछाल के साथ 75.84 डॉलर प्रति बैरल पर टिका है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 1.89 डॉलर यानी 2.73 फीसदी की बढ़त के साथ 71.23 डॉलर प्रति बैरल पर स्थिर है।

अब अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों में यूपीआई से पांच लाख रुपये तक कर सकेंगे भुगतान

मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने लोगों को बड़ी रहात दी है। आरबीआई ने अस्पतालों में इलाज और शैक्षणिक संस्थानों में दाखिले के लिए लोकप्रिय भुगतान मंच यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के जरिए एक बार में भुगतान की सीमा एक लाख रुपये से बढ़ा कर 5 लाख रुपये कर दी है। इसका मकसद चिकित्सा और शिक्षा के क्षेत्र में भुगतान को लेकर यूपीआई का इस्तेमाल बढ़ाना है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने यहां प्रेस कांफ्रेंस में मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा रिपोर्ट पेश करते हुए कहा कि अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों के लिए यूपीआई के जरिए भुगतान की मौजूदा सीमा एक लाख रुपये से बढ़ा कर 5

लाख रुपये करने का निर्णय लिया गया है। शक्तिकांत दास ने कहा कि केंद्रीय बैंक इस बारे में जल्दी ही अलग से निर्देश जारी करेगा। रिजर्व बैंक ने पूर्व में खुदरा प्रत्यक्ष योजना (आरडीएस) और आईपीओ (आरंभिक सार्वजनिक निर्गम) के लिए आवेदन को लेकर यूपीआई के तहत भुगतान की सीमा बढ़ाकर पांच लाख रुपये कर दिया था। आरबीआई की खुदरा प्रत्यक्ष योजना के तहत व्यक्तिगत निवेशकों को भी सरकारी प्रतिभूतियों में बिना मध्यस्थों के निवेश की अनुमति है। उल्लेखनीय है कि कुछ श्रेणियों को छोड़ कर यूपीआई के जरिए भुगतान करने की मौजूदा सीमा एक लाख रुपये निर्धारित है। रिजर्व बैंक ने जिन श्रेणियों को पहले से यह छूट दी है, उसमें पूंजी बाजार (संपत्ति प्रबंधन कंपनी, ब्रोकिंग, म्यूचुअल फंड आदि), क्रेडिट कार्ड भुगतान, कर्ज वापसी, ईएमआई और बीमा आदि शामिल हैं। इन मामलों में यूपीआई के जरिए भुगतान करने की सीमा दो लाख रुपये है।

कैट ने गोयल और सिंधिया से हवाई किराया के लिए एमएसपी लाने की मांग की

नई दिल्ली। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने देश में हवाई किराया के लिए 'एमएसपी' लाने की मांग की है। कैट ने विभिन्न एयरलाइंस कंपनी द्वारा वसूले जाने वाले अतार्किक, अत्यधिक और अनिर्देशित हवाई किराया टैरिफ पर कड़ी चिंता जताते हुए कहा है कि इससे उपभोक्ताओं को काफी परेशानी और आर्थिक नुकसान हो रहा है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और केंद्रीय नागरिक एवं उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से आग्रह किया है कि उपभोक्ताओं के व्यापक हित को ध्यान में रखते हुए, माल की बिक्री पर लगाए गए एमआरपी के पैटर्न पर एयर टैरिफ चार्ज करने के लिए एयरलाइंस पर अधिकतम बिक्री मूल्य (एमएसपी) लगाया जाना चाहिए।

खंडेलवाल ने उचित टैरिफ लागू करने के लिए अर्ध-न्यायिक शक्तियों के साथ सेबी की तर्ज पर एक स्वतंत्र निगरानी निकाय बनाने का सुझाव भी दिया है। कैट महामंत्री ने कहा कि विभिन्न एयरलाइंस कार्टेल मोड में काम कर रही हैं, जो इस तथ्य से स्पष्ट

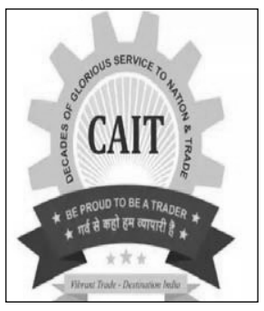

है कि किसी भी क्षेत्र के लिए अलग-अलग एयरलाइंस लगभग समान शुल्क निर्धारित करती हैं, चाहे वह इकॉनमी एयरलाइन हो या पूर्ण सेवा एयरलाइन और इस प्रकार स्मार्ट तरीके से प्रतिस्पर्धा समाप्त की जाती है।

खंडेलवाल ने गतिशील मूल्य निर्धारण के नाम पर हवाई कंपनियों द्वारा की जा रही इस खुली लूट पर गंभीर चिंता व्यक्त की, जो एकाधिकार और पूंजीवाद बनाने के लिए एक रास्ते के अलावा और कुछ नहीं है। खंडेलवाल ने कहा कि एयरलाइन कंपनियां के हवाई टिकट की कीमतें वसूलने के मॉडल की जांच करना जरूरी है। ये कंपनियां किसी भी हवाई यात्रा के लिए पहले एक कीमत तय करती हैं, लेकिन जैसे-जैसे हवाई यात्रा की मांग बढ़ती है, कीमतें बिना किसी तथ्य के कई गुना और मनमाने ढंग से बढ़ा दी जाती हैं।

कई मौकों पर तो यह बढ़ोतरी पांच या छह गुना या उससे भी अधिक होती है। कैट महामंत्री ने कहा कि सभी हवाई कंपनियां इस भयावह खेल में शामिल हैं। ये कंपनियां एक कार्टेल बनाकर प्रतिस्पर्धा अधिनियम और उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम की भावना के विपरीत कीमतों में हेरफेर करती हैं। कारोबारी नेता ने कहा कि विमान नियम, 1937 के नियम 135 का हवाला दिया, जिसमें प्रावधान है कि (1) नियम 134 के उप-नियम (1) और (2) के अनुसार परिचालन करने वाला प्रत्येक हवाई परिवहन उपक्रम, सभी प्रासंगिक कारकों को ध्यान में रखते हुए टैरिफ स्थापित करेगा। इसमें संचालन की लागत, सेवा की विशेषताएं, उचित लाभ और आम तौर पर प्रचलित टैरिफ शामिल हैं।

विदेशी मुद्रा भंडार 6.1 अरब डॉलर उछलकर 604.04 अरब डॉलर पर

मुंबई/नई दिल्ली। आर्थिक मोर्चे पर अच्छी खबर है। विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार तीसरे हफ्ते इजाफा हुआ है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार एक दिसंबर को समाप्त हफ्ते में 6.1 अरब डॉलर उछलकर 604.04 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इससे पिछले हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार अरब डॉलर बढ़कर 597.94 अरब डॉलर पर रहा था। रिर्जव बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी साप्ताहिक आंकड़ों में बताया कि एक दिसंबर को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 6.1 अरब डॉलर उछलकर 604.04 अरब डॉलर रहा है। आंकड़ों के मुताबिक विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 5.08 डॉलर की बढ़कर 533.06 अरब डॉलर हो गया है।

आरबीआई के मुताबिक इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य भी 99.1 करोड़ डॉलर उछलकर 47.33 अरब डॉलर हो गया है। वहीं, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 3.2 करोड़ डॉलर की उछाल के साथ 18.25 अरब डॉलर हो गया है। इसी तरह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि 50 लाख डॉलर की बढ़त के साथ 4.85 डॉलर हो गई है। इससे पहले रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की द्विमासिक समीक्षा के नतीजे की घोषणा करते हुए कहा कि भारत का विदेशी मुद्रा भंडार एक दिसंबर, 2023 को 604 अरब डॉलर था। इससे हम अपनी बाहरी वित्त पोषण जरूरतों को सुगमता से पूरा कर सकते हैं। दास ने कहा कि अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल बढ़ने के बावजूद 2023 कैलेंडर साल में भारतीय रुपया में उतार-चढ़ाव अन्य अर्थव्यवस्थाओं की मुद्रा की तुलना में कम रहा है।उल्लेखनीय है कि पिछले चार महीने में पहली बार विदेशी मुद्रा भंडार 600 अरब डॉलर के पार पहुंचा है। इससे पहले 11 अगस्त, 2023 को विदेशी मुद्रा भंडार 600 अरब डॉलर से ऊपर था। वहीं, अक्टूबर 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार उछलकर 642 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया था।

सरकार ने प्याज के निर्यात पर अगले साल मार्च तक लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने प्याज की बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण के लिए सख्त कदम उठाया है। सरकार ने घरेलू उपलब्धता बढ़ाने और कीमतों पर अंकुश के लिए प्याज के निर्यात पर 31 मार्च, 2024 तक प्रतिबंध लगा दिया है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की ओर से जारी अधिसूचना में यह जानकारी दी गई है। डीजीएफटी की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि प्याज निर्यात की नीति को 31 मार्च, 2024 तक मुक्त से प्रतिबंधित श्रेणी में डाल दिया गया है। उल्लेखनीय है कि घरेलू बाजार में प्याज की खुदरा कीमत 60 से 65 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया है। सरकार ने प्याज की कीमत को नियंत्रित करने के लिए 29 अक्टूबर, 2023 से 31 दिसंबर, 2023 तक की अवधि के लिए प्याज निर्यात का एफओबी आधार पर न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) 800 डॉलर प्रति मीट्रिक टन अधिसूचित किया था।

सर्राफा बाजार में मामूली तेजी का रुख, दिल्ली में सोना 63 हजार के पार

नई दिल्ली। भारतीय सर्राफा बाजारों में तेजी का रुख बना रहा। आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने की कीमत में 200 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी देखी गई। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 100 से 150 रुपये प्रति 10 ग्राम तक चढ़ कर कारोबार करता नजर आया। दिल्ली के सर्राफा बाजार में चांदी ने आज तेज होकर 77,700 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार किया। देश की राजधानी दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 63,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 57,850 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 63,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 57,750 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 63,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 58,350 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। मुंबई में 24 कैरेट सोना 62,950 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 57,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 62,950 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 57,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

केंद्र ने जमाखोरी रोकने और कीमतों पर नियंत्रण के लिए गेहूं की स्टॉक सीमा घटाई

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गेहूं की जमाखोरी रोकने और कीमतों पर नियंत्रण रखने के लिए सख्त कदम उठाया है। सरकार ने तत्काल प्रभाव से थोक, खुदरा, बड़े खुदरा विक्रेताओं और प्रसंस्करण फर्मों के लिए गेहूं की स्टॉक सीमा घटा दी है।

उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि तत्काल प्रभाव से व्यापारियों एवं थोक विक्रेताओं के लिए गेहूं भंडारण की सीमा दो हजार टन से घटाकर एक हजार टन की गई है। प्रत्येक खुदरा विक्रेता के लिए भंडारण की सीमा 10 टन से घटाकर पांच टन किया गया है। बड़े खुदरा विक्रेताओं के प्रत्येक डिपो के लिए पांच टन और उनके सभी डिपो के लिए यह सीमा कुल मिलाकर एक हजार टन होगी।

मंत्रालय के मुताबिक गेहूं भंडारण करने वाली सभी फर्मों को गेहूं स्टॉक सीमा संबंधी पोर्टल पर अपना पंजीकरण करना होगा। इसके साथ ही प्रत्येक अपने स्टॉक के बारे में जानकारी देनी होगी। पोर्टल पर पंजीकृत न कराई गई या स्टॉक सीमा का उल्लंघन करने वाली फर्म के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 6 एवं 7 के तहत उचित दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा के मुताबिक गेहूं का प्रसंस्करण करने वालीं कंपनी चालू वित्त वर्ष 2023-24 के बाकी महीनों के अनुपात में

मासिक स्थापित क्षमता का 70 फीसदी रख सकती हैं। उन्होंने बताया कि गेहूं के कृत्रिम अभाव की स्थिति को रोकने और जमाखोरी पर लगाम लगाने के लिए ऐसा किया गया है। संशोधित स्टॉक सीमा तत्काल प्रभाव से लागू होगी। व्यापारियों को अपना स्टॉक संशोधित सीमा तक कम करने के लिए 30 दिन का वक्त दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि खाद्य मंत्रालय ने 12 जून को अनाज कारोबारियों पर मार्च 2024 तक स्टॉक रखने की सीमा तय की थी। इसके बाद 14 सितंबर को इस सीमा को घटाकर व्यापारियों एवं थोक विक्रेताओं और उनके सभी डिपो में बड़े खुदरा विक्रेताओं के लिए दो हजार टन कर दिया था। वहीं, सरकार ने मई 2022 से ही गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा रखा है। इसके साथ मुक्त बाजार बिक्री योजना के तहत थोक उपयोगकर्ताओं को रियायती दर पर गेहूं बेचा जा रहा है।

भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर : गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि हमारा मिशन स्पष्ट है कि भारत को 10 गुना वृद्धि के साथ एक विकसित राष्ट्र बनाकर 2047 तक 35 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाया जाए।

वाणिज्य मंत्री यहां भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) की 96वीं वार्षिक आम बैठक और वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। गोयल ने कहा कि भारत तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने 'अमृत काल' के दृष्टिकोण को दोहराया, जिसका लक्ष्य 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है, जो देश की वैश्विक स्थिति में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। गोयल ने

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि अविश्वसनीय भारत धीरे-धीरे अपरिहार्य भारत में परिवर्तित हो रहा है। अगले 25 वर्षों की यात्रा यही होगी। उन्होंने कहा कि हम एक आत्मनिर्भर और आत्मनिर्भर भारत की ओर देख रहे हैं- एक ऐसा भारत जो न केवल लोकल के लिए वोकल हो बल्कि एक ऐसा भारत हो जो ग्लोबल हो।इससे पहले एक अन्य कार्यक्रम में वाणिज्य मंत्री ने कहा कि भारत कुछ आयातित वस्तुओं पर कार्बन कर लगाने की यूरोपीय संघ (ईयू) की योजना का मुद्दे उसके साथ उठाएगा और जरूरत पड़ने पर इसका विरोध भी करेगा। वाणिज्य मंत्री ने एक अन्य कार्यक्रम में कहा कि भारत बैठक में सीबीएएम का मुद्दा उठाएगा और हम इसका समाधान निकालेंगे। उन्होंने कहा कि हम देखेंगे कि अगर सीबीएएम आता है तो हम इससे अपना फायदा कैसे निकाल सकते हैं। बेशक, मैं जवाबी कार्रवाई करूंगा। आपको इसके बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है।

मार्च तक एक दिन में ही होगा सौदों का निपटान, सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच ने कही यह बात

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने अगले साल मार्च से शेयरों की खरीद-फरोख्त का निपटान एक दिन में ही करने की योजना बनाई है। यानी आप जिस दिन शेयर खरीदेंगे या बेचेंगे, उसी दिन यह पूरा हो जाएगा। अभी यह सौदों के अगले दिन होता है। सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच ने भारतीय उद्योग परिसंघ के एक कार्यक्रम में कहा, एक दिन वाला नियम सफल रहा तो एक साल बाद यह निपटान एक दिन के बजाय तुरंत हो जाया करेगा। चालू वित्त वर्ष में ही एक दिन की योजना को शुरू कर दिया जाएगा। चीन के बाद भारत दूसरा बाजार है, जहां एक दिन में निपटान होता है। बाकी देशों में दो दिन लगते हैं।?

सेकंडरी बाजार में भी अस्बा जैसी सुविधा

सेबी जनवरी-फरवरी से सेकंडरी बाजार में भी अस्बा जैसी सुविधा लागू करेगा। इससे निवेशकों के पैसों का

दुरुपयोग नहीं होगा। बुच ने कहा, एप्लीकेशन सपोर्टेड बाई ब्लॉक्ड अमाउंट (अस्बा) जैसी सुविधा अभी प्राइमरी बाजार यानी आईपीओ में है। इसका मतलब है कि जब आपको शेयर मिलेगा, तभी खाते से पैसे कटेंगे। शेयर नहीं मिला तो बैंक खाते से पैसा नहीं कटेगा। हालांकि, पैसा फिर भी ब्लॉक रहेगा। इससे निवेशक सालाना 3,500 करोड़ रुपये बचा सकेंगे। सेबी प्रमुख बुच ने कहा, प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) के निर्देश के बावजूद किर्लोस्कर इंडस्ट्रीज में किर्लोस्कर परिवार के सदस्यों के शेयरों को जब्ती से हटाने में विफलता पर गहरा अफसोस है। इसके पीछे जो भी कारण हो, डिपॉजिटरी के साथ सेबी भी जिम्मेदार था। नियामक की नया परिसंपत्ति वर्ग लाने की योजना - पूंजी बाजार नियामक एक नया परिसंपत्ति वर्ग लाने पर विचार कर रहा है। यह वर्ग म्यूचुअल फंड और पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवाओं (पीएमएस) के बीच रहेगा। नया उत्पाद उच्च जोखिम वाले निवेशकों के लिए होगा। बुच ने कहा, निवेशकों के लिए काफी परिसंपत्ति वर्ग हैं। म्यूचुअल फंड में ज्यादातर खुदरा निवेशक हैं। साथ ही पीएमएस भी है। प्राइवेट इक्विटी के लिए वैकल्पिक निवेश कोष है। हमें लगता है कि म्यूचुअल फंड और पीएमएस के बीच कहीं न कहीं एक और परिसंपत्ति वर्ग की जरूरत है।

सर्दियों में कैसे आपको स्वस्थ रख सकती है गाजर, जानें इसे खाने के 6 गजब के फायदे

सर्दियां आते ही हमारा खानपान पूरी तरह से बदल जाता है। इस मौसम में लोग अक्सर कई सब्जियों और फलों को अपनी डाइट का हिस्सा बनाते हैं। गाजर इन्हीं में से एक है जिसे खाने के ढेर सारे फायदे हैं। दिल को हेल्दी बनाने से लेकर पाचन सुधारने तक सर्दियों में गाजर खाने से कई फायदे मिलते हैं।

सर्दियां आते ही लोगों की जीवनशैली तेजी से बदलने लगती है। बदलते मौसम में अक्सर हमारी इम्युनिटी कमदोर होने लगती है, जिसकी वजह से हम आसानी से बीमारियों और संक्रमणों की चपेट में आ जाते हैं। ऐसे में ठंड के इस मौसम हेल्दी रहने के लिए अपनी डाइट में सही बदलाव करना बेहद जरूरी है। यही वजह है कि सर्दियों में लोग अलग-अलग फलों और सब्जियों को अपनी डाइट का हिस्सा बनाकर खुद को हेल्दी रखते हैं। गाजर इन्हीं में से एक है, जो अपने पोषक तत्वों की वजह से सुपरफूड भी कहलाता है।

गाजर में ऐसे कई पोषक तत्व होते हैं, जो हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी हैं। गाजर विटामिन-ए, विटामिन सी, पोटेशियम, कैल्शियम और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर होती है, जिसे खाने से त्वचा संबंधी समस्याएं भी कम हो जाती हैं। आप इसे सब्जी, सलाद या हलवा बनाकर अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। आइए जानते हैं सर्दियों में गाजर खाने के अनगिनत फायदे-

वजन घटाने में मददगार

सर्दियों में अक्सर तेजी से वजन बढ़ने लगता है, जिसकी वजह से इस मौसम में कई बार वजन मैंटेन करना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में गाजर को डाइट का हिस्सा बनाकर आप अपना वजन घटा सकते हैं। इसमें घुलनशील और अघुलनशील दोनों तरह के फाइबर मौजूद होते हैं। इसकी वजह से आपका पेट लंबे समय तक भरा रहता है, जो वजन कंट्रोल करने में मदद करता है।

दिल के लिए फायदेमंद

अगर आप अपने दिल को सेहतमंद बनाना चाहते हैं, तो गाजर को अपनी डाइट का हिस्सा जरूर बनाएं। गाजर पोटेशियम से भरपूर होती है, जो दिल को हेल्दी बनाने के लिए अहम मिनरल होता है। साथ ही पोटेशियम ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने और दिल की बीमारी के खतरे को कम करने में मदद करता है। साथ ही गाजर फाइबर का भी अच्छा सोर्स होता है, जो कोलेस्ट्रॉल लेवल कम करने और हार्ट डिजीज के खतरे को कम करने में मददगार साबित हो सकता है।

इम्यून सिस्टम मजबूत करे

गाजर कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर होती है। इसमें पोटेशियम, विटामिन के, फास्फोरस और एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं, जो इम्युनिटी को बढ़ाने में मदद करते हैं। गाजर में मौजूद गुण शरीर को हानिकारक बैक्टीरिया, वायरस और सूजन से भी बचाते हैं।

आंखों की रोशनी बढ़ाए

इन दिनों लोगों का ज्यादातर समय स्क्रीन के सामने ही गुजरता है। ऑफिस वर्क हो या मनोरंजन हर चीज के लिए लोग लैपटॉप और मोबाइल का इस्तेमाल करते रहते हैं। ऐसे में लगातार स्क्रीन के इस्तेमाल की वजह से लोगों को कम उम्र में ही आंखों की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में गाजर को डाइट में शामिल कर आप अपनी आंखों की रोशनी भी बढ़ा सकता है।

त्वचा के लिए गुणकारी

गाजर में मौजूद बीटा कैरोटीन, ल्यूटिन, लाइकोपीन और कई अन्य तत्व त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। इसलिए कच्ची गाजर खाने से अधिक स्वास्थ्य लाभ के साथ ही त्वचा को भी फायदा मिलता है।

पाचन में सुधार

अगर आप अक्सर पाचन संबंधी समस्याओं से परेशान रहते हैं, गाजर इसमें भी आपके लिए लाभकारी साबित होगी।

शकुनि के पांसों से खेलेंगे तो शकुनि ही जीतेगा

कुछ विद्वानों की ईमानदार समझदारी है कि साम्प्रदायिकता की काट करने के लिए उसके बारे में कुछ भी बोलने के बजाय चुप रहा जाना चाहिए और सारी शक्ति आर्थिक और दैनंदिन जीवन से जुड़े विषयों पर संघर्षों में लगाई जानी चाहिए। यह समझदारी अधूरी है, इसलिए कि विषबेल की जड़ और शाखाओं को निशाने पर लिए बिना सिर्फ कुछ पत्तियों को हिलाने से कुछ हासिल नहीं होता। यह बात इन चुनाव नतीजों में भी उजागर हुई।

ज्यादातर राजनीतिक विश्लेषकों ने विधानसभा चुनाव परिणामों - खासकर छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के नतीजों - को अप्रत्याशित बताया है । अनेक के अनुसार चुनाव से पहले राजस्थान में भी इस तरह का अंतर दिखाई नहीं दे रहा था। जितनी चौंकाने वाली यह जीत है उतना ही चौंकाने वाला इस जीत के बाद - खासकर मध्यप्रदेश में - पसरा सन्नाटा है। इतनी भारी भरकम जीत के बाद भी न कहीं कोई उल्लास है, न जनता में ही कहीं कोई जोश है।कसी भी घटना विकास का कोई एकमात्र कारण नहीं होता, अनेक वजहें होती हैं जिनका जोड़ समुच्य अंतत- परिणाम को निर्धारित करता है। अनेक ईंटें मिलाकर किसी इमारत को खड़ी करती हैं - मगर मुख्य होती बुनियाद और ईंटों को जोड़ने वाला सीमेंट!! निर्णायक वही होती है, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के नतीजों के पीछे वह बुनियाद और सीमेंट क्या है इसे अब तक उपलब्ध कुछ उदाहरणों के जरिये समझा जा सकता है।

इनमें से एक है डाक मतपत्र ; सार्वजनिक क्षेत्र और संगठित क्षेत्र के मजदूर कर्मचारी इन दिनों अपने उद्योगों के अस्तित्व के संकट से गुजर रहे हैं। निजीकरण, वेतन समझौतों का लगातार टाला जाना और नई भर्ती पर रोक के चलते हुई काम बाढ़ और बढ़ती औद्योगिक असुरक्षा ने इन उद्योगों की तस्वीर ही बदल कर रख दी है। विधानसभा चुनाव में मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के जितने भी पब्लिक सेक्टर की बसाहटों के इलाके थे उनमें उसी पार्टी को ज्यादा वोट मिले जो यह सब भयानक तेजी के साथ कर रही है। क्यों?ीसगढ़ और राजस्थान की सरकारें पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को लागू कर चुकी थीं । मध्यप्रदेश में मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने सरकार में आते ही ओपीएस को लागू करने का वायदा किया था। इसके बावजूद अब तक मिली जानकारी के मुताबिक़ इन तीनों ही प्रदेशों में कर्मचारियों के एक तिहाई, कहीं-कहीं इससे भी अधिक हिस्से ने वोट्स पेंशन बंद करने वाली भाजपा को दिए। क्यों?एक बड़ा तबका मध्यम वर्गीय, निम्न मध्यमवर्गीय समुदाय का है; वह समुदाय जिसमें हर घर में दो या तीन बेरोजगार या अर्ध-बेरोजगार हैं। महीने के खर्च निकालने में पसीना निकल आता है, बैंक कर्ज की किश्तें चुकाने की चिंता में नींद हराम हुई पड़ी है, इसके बाद भी वह उन्हीं का बटन दबा कर आया है जिसकी वजह से ये मुश्किलें पैदा हुईं। क्यों?मप्र में आदिवासियों के लिए आरक्षित आधे से ज्यादा और बस्तर की दो तिहाई और सरगुजा की सभी की सभी सीट्स जीत हासिल करती है, बाकी आदिवासी सीट्स पर भी उसके वोट्स बढ़ते हैं। क्यों?महंगाई की आग का प्रत्यक्ष अनुभव करने वाली महिलाओं का बड़ा हिस्सा, सस्ते गैस सिलेंडर के वायदों के बावजूद अचानक उसी बटन को दबाकर आ जाता है जिन पर वह लानत भेज रहा था। क्यों?इन सभी क्यों का एक ही जवाब है, इन सभी समानताओं का एक ही साम्य है; इसका नाम है हिंदुत्व!! वह हिंदुत्व जो धर्म की चाशनी में डुबोकर धतूरा मिली अफीम है। इसी का असर था कि जो सभी आपस में बैठते समय भाजपा सरकार की नीतियों पर गुस्सा उतारते हैं, उसके लिए उसे धिक्कारते हैं। इनमें से किसी भी शिकायत का जवाब दिए बिना, बल्कि इनकी पुष्टि करते हुए कोई चतुर सुजान धीरे से बोलता है कि %कुछ भी कहो, हिन्दुओं को तो बचाया है।% और इस एक वाक्य से अंगुली सीधे उस जगह पहुंच जाती है, जहां वह खुद नहीं दबाना चाहता।मध्यप्रदेश में चुनाव की गरमागरमी शुरू होने के पहले ही सभी गांवों में एक एक बाबा- साधू-पुजारी की विधिवत ड्यूटी लगाई गई। इन पंक्तियों के लेखक ने स्वयं एक शुद्ध आदिवासी गांव में देखा कि दुर्गा पूजा के नाम पर एक चबूतरे पर एक अस्थायी मन्दिर बना है और एक पुजारी जी उसमें उन आरतियों को गवा रहे हैं जिनका न दुर्गा के साथ कोई रिश्ता है, न आदिवासी संस्कृति के साथ कोई संबंध हैं। पुजारी से बात करने से पता चला कि उनकी %जिम्मेदारी% में यह गांव और यह काम है। इसके लिए वे हर शाम कोई 45 किलोमीटर दूर से सिर्फ यही कर्मकाण्ड कराने आते हैं और रात में फिर 45 किलोमीटर लौट जाते हैं। आदिवासियों को जनेऊ, चोटी का महत्व समझाते हैं और इस तरह इस कदर संस्कारित करते हैं कि इन दिनों अब उन्हें भी अपनी बच्चियों और महिलाओं को घर से बाहर जाने देना कुसंस्कार लगने लगा है।

ये वे गांव हैं जिनमें भले पीने के पानी के लिए हैण्डपम्प तक नहीं है - मगर मेड इन चाइना हैंडी लाउडस्पीकर्स में एक जैसी पेन ड्राइव से एक जैसे गीत और प्रवचन हैं, और उन्हें निश्चित समय पर बजाने वालों की तैनाती है। लगभग हर बड़े गांव के प्रवेश द्वार पर पंचायतों और ग्रामीण विकास के लिए आये फण्ड से पिछली कुछ वर्षों में नए-नए भगवानों की विशालकाय मूर्तियां खड़ी कर दी गई हैं। यह प्रक्रिया आदिवासियों के हिन्दूकरण की महापरियोजना के तहत शुरू हुई थी - अब उनके उग्र हिन्दुत्वीकरण तक पहुंच गई है। जनमानस के विवेक को हर लेने, उसकी दृष्टि को संकुचित कर देने वाले इस नफरती कोहरे से सारे वातावरण को पाट दिया गया है। यही विवेक शून्यता है जो सब कुछ जानने समझने के बाद भी उसी अंधेरे कुंए में धकेल रही है, जिससे बाहर आने के लिए वह बाकी 4 वर्ष 364 दिन छटपटाता रहता है।वाल यह है कि इसका मुकाबला कैसे किया गया?इतिहास का सबक है कि शकुनि के पांसों से खेलने की चतुराई% शकुनि की जीत को ही पक्का करती है !! उग्र हिंदुत्व और नर्म हिंदुत्व का रूपक तेज धधकती आग को सुलगती आग से ही बुझाने की कपोलकल्पना है। धार्मिक होना एक अलग बात है मगर धर्म का राजनीतिक इस्तेमाल एक बिलकुल ही अलग तरह का काण्ड है। साम्प्रदायिकता के उन्मादी प्रचार की काट और उसका तर्कसंगत जवाब ढूंढने की बजाय उन्हीं के उस अखाड़े में जाकर खेलना जिसके वे उस्ताद हैं- ऐसी कार्यनीति है जो साख और पहचान को ही धुंधला कर देती है। ऐसा करना सिर्फ धर्मनिरपेक्षता की समझदारी के ही उलट नहीं हैं बल्कि उस कथित सर्व धर्म समभाव की धारणा के भी खिलाफ है जिसे पिछले कुछ दशकों से इस देश की अनेक धर्मनिरपेक्ष पार्टियों ने अपनाया हुआ है। सांड को सींग से पकड़ना होता है। पूंछ से पकड़ने पर वही स्थिति होती है जो हुई है।

कुछ विद्वानों की ईमानदार समझदारी है कि साम्प्रदायिकता की काट करने के लिए उसके बारे में कुछ भी बोलने के बजाय चुप रहा जाना चाहिए और सारी शक्ति आर्थिक और दैनंदिन जीवन से जुड़े विषयों पर संघर्षों में लगाई जानी चाहिए। यह समझदारी अधूरी है, इसलिए कि विषबेल की जड़ और शाखाओं को निशाने पर लिए बिना सिर्फ कुछ पत्तियों को हिलाने से कुछ हासिल नहीं होता। यह बात इन चुनाव नतीजों में भी उजागर हुई, यदि आर्थिक प्रश्न अकेले ही काफी होते तो राजस्थान और छत्तीसगढ़ में राहतों और सहूलियतों में योगदान करने वाली नीतियों को इन चुनावों में निर्णायक होना चाहिए था; किन्तु ऐसा हुआ नहीं।निस्संदेह इन चुनावों में कारपोरेट घरानों से मिले अपार और अकूत पैसे का इस्तेमाल, वोट बंटवारे के लिए खूब सारा पैसा देकर मैदान में उतारी गई बी-टीम पार्टियां और उम्मीदवार, हितग्राहियों के संगठनों और दूसरे नामों से हर पोलिंग बूथ में बिछाया गया तीन से चार %कार्यकर्ताओं' का जाल, ईवीएम मशीनों से छेड़खानी की पुष्ट खबरें, डाक मतपत्रों को खोलने आदि इत्यादि की वारदातें भी इन चुनाव परिणामों को प्रभावित करने वाले कारणों में शामिल हैं। इनसे जुड़े तथ्य जल्द ही सामने आयेंगे। मगर इन सबके साथ, असली बुनियाद और उसका सीमेंट गारा नफरती धुंध है। इसकी शिनाख्त करना, इसका व्यापकतम शक्ति जुटा कर प्रतिरोध करना फौरी महत्व, सर्वोच्च प्राथमिकता का काम हो जाता है क्योंकि यह सिर्फ 4-5 प्रदेशों की विधानसभा तक सीमित मसला नहीं है, यह एक चुनाव का मामला भी नहीं है, यह वह खतरनाक फिसलन है जो देश को बहुत लम्बे समय तक अंधेरी गुफा में ले जाने की आशंकाओं से भरी है। ये वे लम्हे हैं जिनकी खता की सजा सदियों को भुगतनी पड़ सकती है।चुनाव परिणामों के बाद का सन्नाटा इस बात का प्रतीक है कि अभी भी नागरिकों का विराट बहुमत, साम्प्रदायिक दुष्प्रचार के प्रभाव में वोट डालने वालों का भी काफी बड़ा हिस्सा यह स्वीकार करने में लाज महसूस करता है कि उसने इस आधार पर वोट दिया है। कहीं न कहीं उसका सुप्त विवेक बचा है जो यह मानता है कि ऐसा करना अच्छी बात नहीं होती। मतलब यह कि, सैकड़ों वर्ष की साझी विरासत और साझी संस्कृति की फसल अभी पूरी तरह से उजड़ी नहीं है, धरा अभी बंजर नहीं हुई है।

संपादकीय

नेहरू पर लंबे विमर्श की जरूरत

विधानसभा चुनावों के परिणामों से गदगद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन विपक्षी सांसदों को नसीहत दी थी कि वे सकारात्मक रहें, हार का गुस्सा संसद में न उतारें। विपक्ष के साथ-साथ शायद श्री मोदी को अब अपने सांसदों को भी नसीहत दे देनी चाहिए कि जब जनता लगातार हम (भाजपा) पर भरोसा दिखा रही है, तो अब उस भरोसे पर उतरने के काबिल खुद को बनाएं और बार-बार नेहरू की बुराइयां तलाशना बंद करें। दरअसल बुधवार को संसद में एक बार फिर पं.नेहरू को कोसा गया। लोकसभा ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक पारित कर दिया और इस दौरान गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि पीओके और कश्मीर के मसले को संयुक्त राष्ट्र में ले जाना नेहरूजी की बड़ी भूल थी। इसके साथ ही श्री शाह ने नेहरू के साथ ब्लंडर शब्द का इस्तेमाल करते हुए ये भी कहा कि कश्मीर में जनमत संग्रह के प्रस्ताव के लिए नेहरू ही जिम्मेदार थे।

देश के पहले प्रधानमंत्री पं.नेहरू को संसद में इस तरह पहली बार नहीं कोसा गया है। खुद श्री मोदी सदन के भीतर यह टिप्पणी कर चुके हैं कि गांधी परिवार के लोग नेहरू उपनाम क्यों नहीं लगाते, उन्हें नेहरू उपनाम से शर्मिंदगी क्यों होती है। देश के प्रधानमंत्री पद पर बैठे व्यक्ति के मुंह से ऐसी टिप्पणी अशोभनीय थी, लेकिन देश के प्रधानमंत्री पद पर बैठे व्यक्ति के मुंह से ऐसी टिप्पणी अशोभनीय थी, लेकिन इस पर किसी तरह का कोई अफसोस नहीं देखा गया। जबकि दुनिया भर के नेता पं. नेहरू की उदार, शांतिप्रिय, लोकतांत्रिक नीतियों, बुद्धिमत्ता और नेतृत्व क्षमता का लोहा मानते थे।

अमेरिका में ट्रंप सरकार के कार्यकाल में हुए हाउडी मोदी कार्यक्रम में अमेरिकी सीनेटर स्टेनी हॉयर ने श्री मोदी के सामने पं.नेहरू और गांधीजी को याद किया था। पिछले साल सिंगापुर की संसद में पीएम ली सीन लूंग ने जवाहरलाल नेहरू की तारीफ करते हुए कहा था कि देश में लोकतंत्र को कैसे काम करना चाहिए। ये कुछ मिसालें हैं, जो बताती हैं कि मौत की आधी सदी गुजर जाने के बाद भी नेहरू जी को लोग सम्मानपूर्वक याद करते हैं। भाजपा वैचारिक मतभेदों के कारण भले ही नेहरूजी को याद न करे, लेकिन इस तरह झूठे तथ्यों के साथ उनकी गलतियां गिनाकर उनका अपमान करना भी गलत है।अमित शाह के संसद में नेहरूजी पर लगाए इल्जाम से पहले विधानसभा चुनावों के नतीजों वाले जिन भाजपा के ट्विटर हैंडल पर नेहरूजी की एक तस्वीर प्रकाशित की गई थी, जिसमें वे एक महिला के साथ सिगरेट पीते दिख रहे हैं। सिगरेट पीना कोई अच्छी बात नहीं है, लेकिन ये उस दौर की बात है जब सार्वजनिक धूम्रपान किया जाता था। आप उस आदत की आलोचना कर सकते हैं, लेकिन भाजपा ने चरित्रहनन के लिहाज से यह तस्वीर डाली थी। जब भाजपा जीत रही थी, उस वक्त अपनी खुशी जाहिर करने के लिए क्या उसे यही तरीका सूझा था, या फिर इसका कोई और मकसद था। और अभी संसद में फिर से नेहरूजी के जिम्मे गलतियां थोप कर भी भाजपा क्या हासिल करना चाहती है, यह समझना होगा।जम्मू-कश्मीर में विशेष राज्य का दर्जा समाप्त हो चुका है, अनुच्छेद 370 मोदी सरकार ने हटा दिया है, राज्य दो हिस्सों में बंट गया है, लेकिन अब तक वहां चुनाव नहीं कराए गए हैं। सरकार सब कुछ सामान्य होने का दावा करती है, तो फिर अब चुनाव कराने का फैसला क्यों नहीं ले पाई है। कश्मीर के हालात के लिए नेहरूजी पर सारी जिम्मेदारी डालकर अपनी जिम्मेदारियों से कैसे बरी हुआ जा सकता है, ये सवाल भाजपा से पूछा जाना चाहिए। संसद में नेहरू के दो तथाकथित ब्लंडर जब श्री शाह गिना रहे थे, तो वे शायद इस तथ्य को भूल गए कि कश्मीर मसले पर अकेले नेहरू काम नहीं कर रहे थे, इतिहास में दर्ज है कि इसमें सरदार पटेल, लार्ड माऊंटबेटन, शेख अब्दुल्ला, वी के कृष्ण मेनन इन सबकी अहम भूमिकाएं थीं। भाजपा अगर इतिहास के पन्नों को पलटेगी तो देखेगी कि जनमत संग्रह का प्रस्ताव नेहरू की ओर से पहले नहीं आया था। इस मामले में भारत के तत्कालीन गवर्नर जनरल माउंटबेटन ने मोहम्मद अली जिन्ना से भी मुलाकात की थी, जिसके बाद 2 नवंबर 1947 को नेहरू को लिखे एक खत में माऊंटबेटन ने कहा कि -

मैंने मिस्टर जिन्ना से पूछा कि आप कश्मीर में जनमत संग्रह का इतना विरोध क्यों करते हैं। उन्होंने उत्तर दिया- कारण यह है कि कश्मीर पर भारतीय उपनिवेश का अधिकार होते हुए और शेख अब्दुल्ला के नेतृत्व में नेशनल कांफ्रेंस के वहां सत्तारूढ़ होते हुए, वहां के मुसलमानों पर प्रचार और दबाव का ऐसा जोर डाला जाएगा कि औसत मुसलमान कभी पाकिस्तान के लिए वोट देने की हिम्मत नहीं करेगा। यानी जनमत संग्रह का डर जिन्ना को था, नेहरू को नहीं। वहीं भारत के गवर्नर जनरल की हैसियत से लॉर्ड माऊंटबेटन ने सबसे पहले संयुक्त राष्ट्र की निगरानी में जनमत संग्रह कराने की पेशकश जिन्ना से की थी। माऊंटबेटन के शब्दों में- %मैंने सुझाया कि जनमत संग्रह का कार्य हाथ में लेने के लिए हम संयुक्त राष्ट्र संघ को निमंत्रित कर सकते हैं और मुक्त तथा निष्पक्ष जनमत संग्रह के लिए आवश्यक वातावरण उत्पन्न करने के लिए हम राष्ट्र संघ से ऐसी विनती कर सकते हैं कि वह पहले से अपने निरीक्षकों और संगठनों को कश्मीर भेज दे. मैंने दोहराया कि मेरी सरकार यह कभी नहीं चाहेगी कि कपटपूर्ण जनमत संग्रह द्वारा कोई झूठा परिणाम प्राप्त किया जाए।

रुपये में लगातार गिरावट भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय

नन्तू बनर्जी

रुपये की लगातार गिरावट में योगदान देने वाले कई कारक हैं। भारतीय अमीरों द्वारा विदेशी मुद्रा की फिजूलखर्ची उनमें से एक है। अन्य में मुद्रास्फीति, मुद्रास्फीति से असंबद्ध ब्याज दर, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और भुगतान का घाटा संतुलन, उच्च विदेशी ऋण, राजकोषीय घाटा और सरकारी उधार शामिल हैं। मुद्रास्फीति, अंतर अनुमानित दरें और विदेशी विनिमय दरें सहसंबद्ध हैं।

अपने हालिया %मन की बात% रेडियो प्रसारण में, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वह कुछ %बड़े परिवारों' द्वारा विदेश में शादियाँ आयोजित करने की प्रवृत्ति से परेशान थे, और लोगों से भारतीय धरती पर ऐसे समारोह आयोजित करने का आग्रह किया ताकि देश का पैसा देश से बाहर न जाये।% अब शादी का सीजन भी शुरू हो गया है। कुछ व्यापारिक संगठनों का अनुमान है कि इस शादी के सीजन में करीब 5 लाख करोड़ रुपये का कारोबार हो सकता है। आप सभी को शादियों की खरीदारी करते समय भारत में बने उत्पादों को ही महत्व देना चाहिए,% प्रधानमंत्री ने कहा।प्रधानमंत्री का विचार बिल्कुल सही है। हालांकि, सवाल यह है कि घरेलू मुद्रा रुपये के बदले खरीदी गई विदेशी मुद्रा की ऐसी फिजूलखर्ची पर सरकार कब तक मूकदर्शक बनी रहेगी? जिस तरह से देश के अमीर भारत के गरीब किसानों, छोटे पैमाने के निर्यातकों और विदेशों में काम करने वाले प्रवासी श्रमिकों की मेहनत की विदेशी मुद्रा को बर्बाद करने के लिए विदेशों में पैसा खर्च कर रहे हैं, वह एक तरह से पूरे देश के लिए शर्म की बात है। कुछ साल पहले ही बॉलीवुड एक्टर दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने उत्तरी इटली के लेक कोमो के नजदीक एक रिसॉर्ट में शादी की थी। पिछले साल, साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने बताया था कि विदेशों में एक बड़ी भारतीय शादी के लिए वियतनाम का फुक्रोक अरबपति की पसंद क्यों है।

शायद, अब समय आ गया है कि धनाढ्य भारतीयों द्वारा मौज-मस्ती और मनोरंजन के लिए विदेशी खर्च पर अंकुश लगाया जाये ताकि रुपये के मूल्य को आंशिक रूप से संरक्षित किया जा सके, जिसमें तब से लगातार गिरावट देखी जा रही है जब से सरकार ने विदेशी यात्रा खर्च नियमों में भारी ढील देने का फैसला किया है। 1980 के दशक के मध्य तक, विदेश जाने वाले भारतीय पर्यटकों को अधिकतम 500 अमेरिकी डॉलर की अनुमति थी, जब एक अमेरिकी डॉलर का विनिमय मूल्य केवल आठ रुपये के आसपास था। भारत के हजारों हज यात्रियों को उनकी महीने भर की हज यात्रा के दौरान सऊदी अरब में खर्च करने के लिए प्रत्येक को 300 डॉलर दिए गये थे। उन्होंने बॉम्बे बंदरगाह से जेद्दा

तक जाने के लिए राज्य के स्वामित्व वाले मुगल लाइन जहाजों का इस्तेमाल किया। उन दिनों, अधिक कमाई करने वाले बॉलीवुड फिल्म आइकन भी खुशी-खुशी अपने विवाह समारोह घर पर आयोजित करते थे।अंधाधुंध विदेशी खर्च और घरेलू साज-सज्जा सहित विलासिता की वस्तुओं के बढ़ते आयात के कारण, इस सदी की शुरुआत से ही भारतीय मुद्रा का मूल्य नीचे की ओर बढ़ रहा है। रुपये का मूल्य लगभग हर हफ्ते या हर महीने गिर रहा है। मई 2004 में एक अमेरिकी डॉलर की कीमत 45.32 रुपये थी। 2014 में वर्तमान सरकार के सत्ता में आने पर यह 62.33 रुपये तक पहुंच गया। मई 2014 और अब के बीच, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये का विनिमय मूल्य 21 पायदान गिरकर 83.32 रुपये पर आ गया है। भारतीयों द्वारा रुपये के बदले में विदेशी धन की अंधाधुंध फिजूलखर्ची भारतीय मुद्रा के मूल्य में निरंतर गिरावट का एकमात्र कारण नहीं है, इसके अलावा कई अन्य कारण भी हैं। फिर उन सभी को सरकार द्वारा उचित रूप से नियंत्रित किया जा सकता है। परन्तु दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हो रहा है। सरकार रुपये के मूल्य की रक्षा के लिए पहल की कमी कर रही है।भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अनुसार, भारतीयों ने अकेले दिसंबर 2022 में यात्रा पर 1137 मिलियन डॉलर खर्च किये। इससे अप्रैल और दिसंबर 2022 के बीच सीमा पार छुट्टियों पर कुल खर्च 9947 मिलियन डॉलर या लगभग 10 अरब डॉलर हो गया। ऐसे देश के लिए जहां 800 मिलियन गरीबों को हर साल सरकार द्वारा मुफ्त अनाज दिया जाता है, यह आश्चर्यजनक लग सकता है। अमीर भारतीयों द्वारा साल-दर-साल बड़े पैमाने पर सोने के आयात का मामला भी ऐसा ही है। सोने की मांग और कीमतें लगातार बढ़ रही हैं क्योंकि अमीरों का भारत की कागजी मुद्रा के मूल्य में विश्वास खो रहा है। 2022-23 में, भारतीयों ने 35 अरब का सोना आयात किया। चांदी के आयात का मूल्य 5.29 अरब था। यह उस समय था जब देश में 267 अरब का व्यापार घाटा देखा गया था। चिंता की बात है कि वार्षिक व्यापार घाटा बढ़ रहा है, और भारतीय मुद्रा के मूल्य को कमजोर कर रहा है।भारत के मेहनतकश किसानों और प्रवासी श्रमिकों की विदेशी मुद्रा आय देश के अमीरों द्वारा किये जाने वाले विदेशी खर्च का भुगतान कर रही है। 2022-23 में, भारत का कृषि निर्यात 53.2 अरब डॉलर के सार्वकालिक उच्च स्तर को छू गया। विदेशों में काम करने वाले भारतीयों ने पिछले साल रिकॉर्ड विदेशी मुद्रा भारत भेजा। विश्व बैंक के नवीनतम प्रवासन और विकास आंकड़ों के अनुसार, भारत ने 2022 में देश में विदेशी मुद्रा प्रेषण में 24 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की और यह रिकॉर्ड 111 अरब तक पहुंच गया। हालांकि, विश्व बैंक ने भविष्यवाणी की कि भारत 2023 में केवल 0.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज कर सकता है। जुलाई 2022 तक, भारत से 1.3 मिलियन लोग काम करने के लिए पलायन कर गये। मापी गई समय अवधि के दौरान संयुक्त अरब अमीरात, संयुक्त राज्य अमेरिका और सऊदी अरब ने सबसे अधिक संख्या में भारतीय श्रमिकों की मेजबानी की।

रुपये की लगातार गिरावट में योगदान देने वाले कई कारक हैं। भारतीय अमीरों द्वारा विदेशी मुद्रा की फिजूलखर्ची उनमें से एक है। अन्य में मुद्रास्फीति, मुद्रास्फीति से असंबद्ध ब्याज दर, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और भुगतान का घाटा संतुलन, उच्च विदेशी ऋण, राजकोषीय घाटा और सरकारी उधार शामिल हैं। मुद्रास्फीति, अंतर अनुमानित दरें और विदेशी विनिमय दरें सहसंबद्ध हैं। इनमें से प्रत्येक कारक दूसरे को प्रभावित कर सकता है। जबकि कम मुद्रास्फीति और उच्च ब्याज दर किसी देश में विदेशी फंड को आकर्षित कर सकती है, इसकी विनिमय दर को मजबूत कर सकती है, उच्च मुद्रास्फीति और नियंत्रित ब्याज दर स्थानीय मुद्रा के मूल्य को नीचे ला सकती है। बड़े सार्वजनिक ऋण वाले देशों की मुद्राओं की विनिमय दरों में गिरावट देखी जा सकती है क्योंकि उन्हें जोखिम भरे निवेश स्थलों के रूप में देखा जाता है।

विशेषज्ञ चालू खाता घाटा- किसी देश के खर्च और कमाई के बीच का अंतर- को सबसे महत्वपूर्ण घाटे के मापदंडों में से एक के रूप में देखते हैं। इसका मतलब है कि देश जितना कमाता है उससे ज्यादा खरीदारी पर खर्च कर रहा है। देश की निर्यात आय उसके बढ़ते आयात का भुगतान करने के लिए पर्याप्त नहीं है। इस अंतर को पूरा करने के लिए इसे विदेश से पैसा उधार लेना होगा। विदेशी मुद्रा की उच्च मांग घरेलू मुद्रा की विनिमय दर को कम कर देती है। एक बड़ा सार्वजनिक ऋण, घरेलू या विदेशी, उच्च मुद्रास्फीति का नुस्खा है। इससे देश की मुद्रा कमजोर हो जाती है। सरकार और रिज़र्व बैंक को मिलकर रुपये के मूल्य की रक्षा के लिए एक मजबूत संकल्प लेना चाहिए, भले ही इससे देश के कुछ अमीर लोगों के बीच प्राधिकरण अलोकप्रिय हो जाये।

आया मौसम गाजर का

मैदानी क्षेत्रों में एशियायी किस्में अगस्त-सितम्बर माह और यूरोपयिन किस्में अक्टूबर-मध्य दिसम्बर तक बोयी जाती हैं। बीजों को 15 दिनों के अंतराल से बोया जाता है। ताकि नियमित आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। पर्वतीय क्षेत्रों में मार्च से जून तक बोनी की जा सकती है।

- **भूमि एवं तैयारी**– अच्छी जल निकास सुविधा वाली गहरी दोमट-भुरभुरी मिट्टी जिसमें कार्बनिक खाद की पर्याप्त मात्रा हो, गाजर की खेती के लिये उपयुक्त होती है। मृदा का पीएच मान 6.5 उपयुक्त होता है। चिकनी मिट्टी में गाजर की जड़ें, कठोर, कुरूप और कई रेशेदार जड़ों वाली बनती हैं।
- **बीज एवं बुवाई / समय**– मैदानी क्षेत्रों में एशियायी किस्में अगस्त-सितम्बर माह और यूरोपयिन किस्में अक्टूबर-मध्य दिसम्बर तक बोयी जाती हैं। बीजों को 15 दिनों के अंतराल से बोया जाता है। ताकि नियमित आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। पर्वतीय क्षेत्रों में मार्च से जून तक बोनी की जा सकती है।
- **बीज दर** – बीज ग्रेडेड और बड़े आकार के हों तथा अंकुरण 90 प्रतिशत होने पर सामान्यतया 7 से 8 कि.ग्रा. बीज प्रति हेक्टर लगता है।
- **किस्में**– पूसा केशर, पूसा मेघाली, गाजर नं.29, चयन नं. 233, पूसा यमदग्नि, चेन्टनी, नेन्टस
- **बीजोपचार**– गाजर के बीजों को थाइरम 2 ग्राम एवं कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम के मिश्रण से प्रति किलो बीज दर से बीजोपचार करना चाहिये।
- **बुवाई विधि**– गाजर के बीज समतल क्यारियों में अथवा मेड़ों पर बोये जा सकते हैं। अच्छे अंकुरण के लिये बुवाई पूर्व खेत की सिंचाई कर देनी चाहिये। कतारे 30 से.मी. और पौधे से पौधे 10 से.मी. पर होने चाहिये। बीजों को 2.0 से.मी. से अधिक गहराई पर न बोंये। मेढ़ में बोनी अच्छी पैदावार देने में सहायक होती है।
- **खाद एवं उर्वरक**– सामान्यतया 25-30 टन कम्पोस्ट या गोबर की खाद को एक माह पूर्व खेत में फैलाकर मिला दें। आधार खाद के रूप में 47 कि.ग्रा. यूरिया 313 कि.ग्रा. सिंगलसुपर फास्फेट एवं 167 किलो म्यूरेटा पोटाश प्रति हे. दें। खड़ी फसल में बीज बुवाई के 30-40 दिन बाद यूरिया कि.ग्रा. नत्रजन की पूर्ति करें।
- **सिंचाई**– बीज बोते समय नमी उचित मात्रा में रखने के लिये बुवाई पूर्व सिंचाई की जानी चाहिये। पहली सिंचाई बीज बोने के 10-12 दिन बाद जब बीज अंकुरित हो जाये तब करें। बाद में फसल को 12-15 दिनों के अंतर से सिंचाई करें। कभी भी सिंचाई करते समय अधिक पानी न दें।
- **निंदाई–गुड़ाई**– गाजर की फसल में पहली निंदाई-गुड़ाई 20 से 25 दिन बाद करनी चाहिये। इसके खरपतवार नियंत्रण के साथ-साथ जड़ों के उचित विकास के लिये मृदा में वायु संचार बढ़ जाती है। एलाक्लोर (लासो) 4 लीटर 800 लीटर पानी में घोलकर बीज बोने के बाद किंतु अंकुरण के पूर्व छिड़काव कर नींदा नियंत्रण किया जा सकता है। दूसरी बार निंदाई-गुड़ाई बीज बोने के 40-45 दिन बाद करनी चाहिये।
- **खुदाई**– जड़ों के विपणन योग्य आकार के हो जाने के बाद तुरंत ही बाजार में भेजना चाहिये अन्यथा वह कठोर और उपयोग योग्य नहीं रह जाती है। जड़ों को उखाड़ने के पूर्व हल्की सिंचाई कर दें। एशियाई किस्मों के जड़ों का ऊपरी भाग का व्यास जब 2.5 से 5.0 से.मी. का हा जाये तब उन्हें खोद लेना चाहिये। जड़ें हाथ से खींचकर या फावड़े की मदद से खोदी जा सकती हैं।
- **पैदावार**–
अधिक प्राप्त होती है। औसतन 150-200 क्विं./हे. पैदावार प्राप्त हो जाती है।

सर्वोत्तम चारा ल्यूसर्न

हरा चारा खिलाने से कई लाभ होते हैं। दुधारू पशु को इससे

हैं। हरा चारा स्वादिष्ट होता है अतः पशु उसे चाव से खाता है तो जाहिर हैं कि उसको शुष्क पदार्थ भी मिलते हैं। चारा पाचक होता है अतः पशु का पाचन भी ठीक रहता है लेकिन 'अति सर्वत्र वर्जयेत' इस कहावत अनुसार 30 से 35 किलो प्रति पशु प्रतिदिन इससे ज्यादा हरा चारा नहीं खिलाये क्योंकि इससे उन्हें आफरा (पेट में गैस वायु इकट्ठा होना) की शिकायत हो सकती है।

हरा चारा खिलाने से कई लाभ होते हैं। दुधारू पशु को इससे महत्वपूर्ण पोषक द्रव्य प्रोटीन, शर्करा, खनिज, जीवन सत्व मिलते हैं। हरा चारा स्वादिष्ट होता है अतः पशु उसे चाव से खाता है तो जाहिर हैं कि उसको शुष्क पदार्थ भी मिलते हैं। चारा पाचक होता है अतः पशु का पाचन भी ठीक रहता है लेकिन 'अति सर्वत्र वर्जयेत' इस कहावत अनुसार 30 से 35 किलो प्रति पशु प्रतिदिन इससे ज्यादा हरा चारा नहीं खिलाये क्योंकि

इससे उन्हें आफरा (पेट में गैस वायु इकट्ठा होना) की शिकायत हो सकती है। हरे फलीधारी चारे में रबी में काश्तयोग्य एक चारा हैं ल्युसर्न। इसे आंग्लभाषा में अल्फा अल्फा कहते हैं। इसका अरबी भाषा में अर्थ हैं सर्वोत्तम।

- **जलवायु** – इस चारा फसल की काश्त राजस्थान के अत्यधिक गर्म प्रदेश से लद्दाख के अति ठंडे प्रदेश में भी की जा सकती है। ठंडी जलवायु इस फसल को सुहाती है। यह जिस मिट्टी में पानी की अच्छी तरह से निकासी होती हैं। ऐसी मिट्टी में बढ़िया बढ़ती है। खेत में पानी का जमाव इसे नुकसानदेह होता है।
- **काश्त** – इस चारा फसल को बोने हेतु अक्टूबर तथा नवम्बर के अंत तक का समय ठीक रहता है। खेत में एक गहरी जुताई कर भुरभुरी मिट्टी की क्यारियां बनायें। खेत समतल बनायें ताकि पानी की निकासी ठीक से हो।
- **बीज प्रक्रिया**– ल्यूसर्न के बीजों का सतही कवच जरा कठिन होता हैं। जिससे अंकुरण ठीक से नहीं हो पाता। अतः बीज को बुआई से पहले (छह से आठ घंटे पहले) पानी में भिगोकर रखें। इसके बाद बीज को राइजोबियम मेलिलोटी नामक जीवाणु संवर्धक से उपचारित कर सकते हैं। यह खास ल्यूसर्न के लिए किया जाता है। फिर बीज छाया में सुखायें।
- **बुआई**– बीज प्रक्रिया के छह से आठ घण्टे बाद अगर शुष्क तथा अर्धशुष्क इलाका हैं जहां तलछटी वाली मिट्टी है तो खेत समतल बनाकर बीज को खेत में ऐसे ही बिखेर सकते हैं। इसके बाद उसे बखर हल्के से चलाकर मिट्टी में मिलायें।
- **इसके** अलावा ल्यूसर्न बीज को बुआई यंत्र द्वारा सीधी कतारों में 30 से 35 सेंटीमीटर दूरी पर बो सकते हैं। अगर ज्यादा बरसात वाला इलाका है जहां खेत में पानी भर जाता हैं तो खेत में (रिजेस) बनायें जो एक- दूसरे से 50 से 60 सेंटीमीटर दूर हो। फिर बुआई यंत्र से बुआई करें।
- **खाद**– ल्यूसर्न फसल की अच्छी बढ़वार हेतु उसे फास्फोरस, पोटेशियम, कैल्शियम तथा गंधक (सल्फर) की ज्यादा जरुरत होती है। अतः बुआई के समय 18 किलो नत्रजन, 70 से 75 किलो फॉस्फेट, 40 किलो पोटेशियम और 150 ग्राम सोडियम मॉलीबडेट मिट्टी में डालकर सिंचाई करें। इससे पहले मिट्टी में 20 से 25 टन अच्छी तरह पकी गोबर खाद जिसमें ह्युमस भरपूर है। वह प्रति हेक्टर में डाले और मिट्टी में मिलायें।
- **सिंचाई** – ल्यूसर्न को नमी की जरुरत होती है। अतः जरुरत अनुसार हर हफ्ते 1 या 2 हल्की सिंचाई दें। बुआई के तुरंत बाद सिंचाई करें ताकि अंकुरण अच्छा हो। जाड़े में 15 से 20 दिन के अंतराल से सिंचाई करें।
- **कटाई**– जब फसल में फलियां आती हैं तब आखिरी में से लेकर जब फसल के दसवें भाग में फूल आते हैं तब पहली कटाई कर सकते हैं।

पालक

पालक की खेती लवणीय भूमि में भी होती है। हल्की क्षारीय मिट्टी को भी सहन कर लेती है। इसके लिए खेत की कई बार जुताई करके तथा पाटा चलाकर अच्छी तरह भुरभुरा बना लें। बुवाई पूर्व खेत में क्यारियां तथा सिंचाई की नालियां बना लें।

उन्नत किस्में

पूसा भारती, पूसा हरित, आल ग्रीन, पूसा ज्योति, जोबनेर ग्रीन।

खाद एवं उर्वरक– बुवाई से 15 से 20 दिन पूर्व प्रति हेक्टेयर 20 गाड़ी अच्छी सड़ी हुई गोबर खाद डालकर खेत में अच्छी तरह मिला दें। बुवाई से पूर्व किलो नत्रजन, 40 किलो फास्फोरस एवं 40 किलो पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से मिट्टी में मिला दें। नत्रजन की इतनी ही मात्रा खड़ी फसल में बराबर भागों में बांटकर पहली एवं दूसरी कटाई के बाद या आ

बुवाई एवं बीज की मात्रा– एक हेक्टेयर खेत की बुवाई के लिए लगभग 25 से 30 किलो बीज की आवश्यकता होती है। प्रायः बीजों को खेत में छिटकवां विधि से बोते हैं। परंतु पंक्तियों में बोना अधिक लाभप्रद होता है। इस विधि में पंक्तियों से पंक्तियों की दूरी 20 सेंटीमीटर तथा पौधे से पौध की दूरी 5 से 7 सेंटीमीटर रखते हैं। बीज को 3 से 4 सेंटीमीटर की गहराई पर बोते हैं। बुवाई के समय मिट्टी में पर्याप्त नमी होनी चाहिए। अगर नमी कम हो तो बुवाई के कुछ दिन बाद हल्की सिंचाई कर दें ताकि बीजों का जमाव ठीक प्रकार से हो सके। बीज 8 से 10 दिन में अंकुरित हो जाते हैं।

रबी की फसल के लिए बुवाई सितम्बर मध्य से दिसम्बर मध्य तक की जा सकती है। पालक की बुवाई गर्मी तथा खरीफ के मौसम में भी की जा सकती है लेकिन इन दोनों मौसमों में बुवाई के बाद केवल एक कटाई ही लें तथा फिर दुबारा बुवाई करें। इस प्रकार इन मौसमों में बार-बार बुवाई कर इसकी खेती की जा सकती है।

सिंचाई एवं निराई-गुड़ाई– बुवाई के तुरंत बाद हल्की सिंचाई करें। पत्तियों की अधिक लगातार वृद्धि के लिए मिट्टी में पर्याप्त नमी हों। अतः थोड़े-थोड़े अंतराल पर हल्की सिंचाई करते रहें। पालक की फसल में काफी सिंचाई की आवश्यकता होती है अतः मौसम, मिट्टी एवं फसल की आवश्यकतानुसार 6 से 10 दिन के अंतर पर हल्की सिंचाई करते रहें। खरपतवारों के नियंत्रण के लिए 2 से 3 निराई-गुड़ाई करना जरुरी होता है।

कटाई एवं उपज– पालक बुवाई के 3 से 4 सप्ताह बाद पहली कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं। पत्तियों को पूर्ण आकार की हो जाने के बाद जब वे पूरी तरह हरी, कोमल तथा रसीली अवस्था में हों तो जमीन की सतह से 5 से 7.5 सेंटीमीटर ऊपर से ही काट लेते हैं। इसके बाद 15 से 20 दिन के अंतर पर कटाई करते हैं। किस्म के अनुसार 6 से 8 कटाई हो जाती है। औसत उपज 100 क्विंटल प्रति हेक्टेयर होती है।

जलवायु– यह प्रमुख रूप से सर्दी (रबी) के मौसम की फसल है। अन्य सब्जियों की अपेक्षा पालक में पाला सहने की क्षमता अधिक होती है तथा यह प्रतिकूल परिस्थितियां अधिक सहन कर सकता है। गर्मी एवं खरीफ के मौसम में भी इसकी खेती की जा सकती है परंतु अधिक गर्मी रहने पर बीज डण्ठल शीघ्र आ जाते हैं तथा सिर्फ एक ही बार पत्तियों की कटाई हो पाती है। उन क्षेत्रों में जहां अधिक गर्मी नहीं पड़ती है वहां इसे सालभर लगा सकते हैं।

भूमि एवं खेत की तैयारी– पालक की अच्छी खेती के लिए बलुई दोमट या दोमट मिट्टी बहुत उपयुक्त है। वैसे इसकी खेती चिकनी मिट्टी में सफलतापूर्वक की जा सकती है।

ककोड़ा

ककोड़ा एक रुचिकारक गर्म, वात, कफ और पित्तनाशक सब्जी है। इसका फल कफ, खांसी, अरुचि, वात, और हृदयशूल को दूर करता है। उन्नत किस्में- इसकी दो प्रचलित किस्में हैं- छोटा ककोड़ा व बड़ा ककोड़ा। छोटा ककोड़ा किस्म के फल आकार में गोल व छोटे होते हैं तथा दोनों सिरे नुकीले तथा लम्बे होते हैं। बड़ा ककोड़ा किस्म के फल आकार के बड़े, कम बीज वाले व गोल होते हैं। छोटा ककोड़ा की मांग बाजार में ज्यादा रहती है। बड़ा ककोड़ा किस्म में पैदावार अधिक मिलती है।

जलवायु- इसके लिए आर्द्र तथा गरम जलवायु उपयुक्त रहती है। वृद्धि एवं उपज 32 से 40 डिग्री तापमान पर अच्छी होती है।

भूमि एवं खेत की तैयारी- साधारणतया इसके पौधे ऐसी भूमि में उगाए जा सकते हैं जिसमें जल निकास की उचित व्यवस्था हो। वैसे बलुई दोमट भूमि इसके लिए सर्वोत्तम पाई गई है। सिंचाई की उचित व्यवस्था होनी चाहिए। हल चलाकर खेत अच्छी तरह तैयार कर लें।

लगाने की विधि- बीजों से लगाने पर फल भी 1-2 वर्ष बाद आते हैं। अतः ककोड़ा को वानस्पतिक विधि से ही उगाया जाना चाहिए। इस विधि से 2-3 माह बाद ही बेलें फल देने लगती हैं।

वानस्पतिक प्रसारण विधि- प्रथम विधि- दो वर्ष की बेल की जड़ें कन्द जैसी हो जाती हैं। जिन पर कई कंद पाये जाते हैं। कंद को अलग-अलग करने का समय फरवरी-मार्च व जून-जुलाई होता है। कंद केवल मादा पौधा ही लेने चाहिए।

द्वितीय विधि- इस विधि में मादा पौधों से 2-3 माह पुरानी बेल से 30-40 सेंटीमीटर लम्बी कतारें बनाकर किसी छायादार स्थान पर लगा दें। इन कलमों में 60-80 दिनों में जड़ें फूट जाती हैं तथा इस अवस्था में इन्हें खेत में लगा दें। इसके बाद उन्हें मिट्टी के साथ उठाकर खेत में प्रतिस्थापित कर दिया जाता है।

खाद-उर्वरक एवं रोपाई- प्रत्येक क्यारी में 30-40 किलो गोबर खाद खेत की तैयारी करते समय मिलायें। बाद में मार्च-अप्रैल में 20-30 ग्राम यूरिया प्रति पौधा दें। 3×2 वर्गमीटर की दूरी पर क्यारियों, दीवारों या बाड़ के पास थाला बना लें। इनमें पौधों का कंदों को लगाएं। 4-5 मादा पौधों के साथ एक नर पौधा भी लगाना आवश्यक है। फल बनते समय पुनः 20-30 ग्राम यूरिया प्रति पौधा दिया जाना चाहिए। ककोड़ा का फल नई फुटान तथा बढ़वार पर ही लगता है। अतः इनमें प्रति थांवला, प्रति वर्ष फूल आने के समय 3-4 किलो गोबर खाद तथा 20-30 ग्राम नाइट्रोजन डालकर पानी दें।

सिंचाई- ग्रीष्मकाल में साधारणतया 6-10 दिन के अंतर पर सिंचाई की जाती है। बरसात में सिंचाई की आवश्यकता नहीं होती। वर्षाकाल में अधिक जल को फसल से निकालना आवश्यक होता है।

बीमार हैं तो न लें अपने बच्चों की पप्पियां

डॉक्टरों ने उन लोगों को अपने बच्चों को किस यानी की पप्पी करने के लिए मना किया है, जो खुद को अस्वस्थ महसूस करते हैं। डॉक्टरों ने ये चेतावनी इसलिए दी है ताकि संभावित रूप से खतरनाक संक्रमण को रोका जा सके। यूटी हेल्थ ईस्ट टेक्सास की बाल (रोग) चिकित्सक टिफनी हिल का कहना है कि छह महीने से कम उम्र के शिशु विशेष रूप से अधिक संवेदनशील होते हैं, जिसे रेस्पिरेटरी सिनसिथियल वायरस कहते हैं। खासकर ये संक्रमण बच्चों में अक्टूबर से मार्च के बीच में होते हैं।

सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेनशन(सीडीसी) के मुताबिक, कुछ लोग को नाक बहना, छींकना खासी जैसी दिक्कतें रहती हैं। इन तरह की संक्रमणों गंभीर भी हो सकते हैं। इससे सांस लेने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है, जिसे जल्द ठीक करना चाहिए नहीं तो यह आपके शरीर में और भी रोग पैदा कर सकता है। सीडीसी के मुताबिक, दो साल तक के ज्यादातर बच्चे रेस्पिरेटरी सिनसिथियल वायरस के शिकार हो सकते हैं। इसके साथ ही एक साल या एक साल से कम उम्र के बच्चे अगर रेस्पिरेटरी सिनसिथियल वायरस की चपेट में आते हैं तो उनके लिए यह एक गंभीर बीमारी भी बन सकती है। बच्चों में निमोनिया का खतरा भी बढ़ जाता है। बच्चों के साथ-साथ बड़ों को भी इसकी चपेट में आने का खतरा हो सकता है।

पीडियाट्रिशियन हिल ने बताया की जैसा कि आप जानते है की वायरस का कोई तोड़ नहीं। इसलिए बच्चे के माता-पिता को बच्चे पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए, साथ ही बच्चे को भांप दें जिससे की बच्चे को सांस लेने में कुछ हद तक आराम मिल सके और वह अपने आप को थोड़ा अच्छा महसूस करे।

सीडीसी के मुताबिक, अगर कोई रेस्पिरेटरी सिनसिथियल वायरस की चपेट में आ गया है तो उसे अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत नहीं है। अगर किसी 6 महीने के बच्चे को इसका शिकार होना पड़ता है और उसे सांस लेने में परेशानी हो रही है तो उसे भी अस्पताल जाने की जरूरत नहीं है। हिल ने बताया की कुछ मामले ऐसे भी आते हैं, जिनमें बच्चे ब्रिथिंग ट्यूब के साथ ठीक रहते हैं।

अगर किसी को रेस्पिरेटरी सिनसिथियल वायरस है तो यह किसी और को भी हो सकता है। यह वायरस काफी आसानी से फैल सकता है। पीड़ित के बार-बार नाक बहना, छींकना और खासी जैसी चीजों से यह किसी भी दूसरे व्यक्ति में फैल सकता है। यह कई बार एक-दूसरे को छुने से भी फैल जाता है। अगर किसी को रेस्पिरेटरी सिनसिथियल वायरस है तो वह बच्चों को किस न करें। ऐसा करने से बच्चों में यह वायरस जा सकता है। इसलिए सीडीसी ने चेतावनी दी है की कोई भी बच्चों को खासी, छींक या फिर नाक के बहते समय किस न करें। इसके साथ ही बच्चों को बार-बार छुने से या उनके साथ खेलने से भी बच्चों में वायरस फैल सकता है। विशेषज्ञों का कहना है की जिन लोगों को खासी, छींक या फिर नाक बहने जैसी चीजें हो तो आप किसी से भी हाथ मिलाने से बचें, बच्चों से दूर रहें। जिसे वायरस है वह हाथ से नाक न साफ करें। वो या तो रूमाल का प्रयोग कर सकते हैं। साथ ही वह हाथ को भी साबून से धोएं।

बच्चे के माता-पिता को इस बात का ध्यान देना चाहिए कि अगर कोई आपके बच्चे के ज्यादा नजदीक जा रहा है तो क्या वह खासी या नाक बहना जैसी चीजों से पीड़ित तो नहीं। अगर ऐसा है तो आप अपने बच्चे को उनसे दूर रख कर अपने बच्चे को इसका शिकार होने से बच्चा सकते हैं। यह आपके बच्चे के लिए और उसके स्वास्थ्य के लिए बेहतर होगा।

चिल्का रोटी

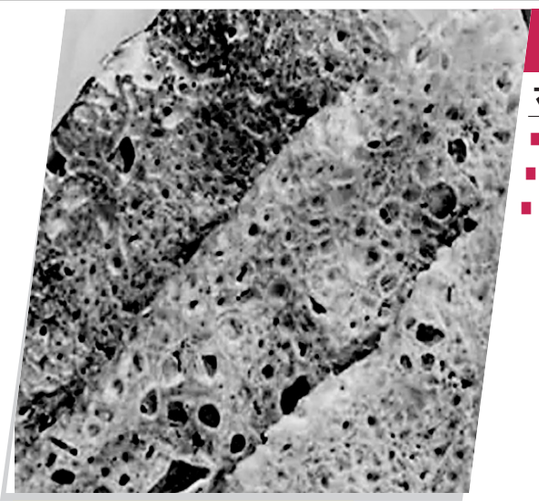

सामग्री

- चावल: 1 1/2 कप
- चना दाल: 3/4 कप
- नमक: स्वाद के अनुसार

विधि

रोटी बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में चावल और चने की दाल को रातभर भिगोकर रख दें। सुबह पानी निकालकर छान लें। सुबह इसे ग्राइंडर जार में डालकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। अब एक बर्तन में पेस्ट डालें और इसमें नमक मिलाकर अच्छी तरह फेंट लें। मीडियम आंच पर तवा गर्म करने के लिए रख दें। अब हल्का-सा तेल लगाकर तवे को चिकना कर लें। अब पेस्ट का एक चम्मच तवे पर फैला दें और हल्का ब्राउन होने तक सिंकने दें। इसी तरह से दूसरी तरफ भी हल्का तेल लगाकर सेंक लें। इसी तरह सारी रोटियां सेंक लें। तैयार है चिल्का रोटी। इसे चटनी के साथ सर्व करें।

एंटी पॉल्यूशन सूप

सामग्री

- 4 आंवला
- 1 ब्रोकली
- 1 शिमला मिर्च
- 1 गाजर
- मूली: 1/2 कप
- 1 टमाटर
- कच्ची हल्दी: 2 टेबलस्पून / हल्दी पाउडर 1/2 टीस्पून (ऑप्शनल)
- अलसी पाउडर: 2 टेबलस्पून
- काला नमक: 2 टेबलस्पून
- काली मिर्च पाउडर: 1/2 टीस्पून
- ऑलिव ऑयल: 1 टेबलस्पून

विधि

Anti Pollution Soup बनाने के लिए सबसे पहले सब्जियों को अच्छी तरह धो लें। इसके बाद सब्जियों को काटकर रख लें। मीडियम आंच पर प्रेशर कुकर में सारी सब्जियां, हल्दी पाउडर, अलसी पाउडर, काली मिर्च पाउडर, काला नमक, ऑलिव ऑयल और 4 कप पानी डालकर 2 सीटी आने तक पका लें। अब कुकर खोलकर छलनी से सूप को छान लें। सूप को कटोरी में डालकर सर्व करें। उबली हरी सब्जियों से मनपसंद सब्जी बना लें या फिर पराठे भी बना सकते हैं। आप चाहें तो पुलाव में भी इस्तेमाल कर सकते हैं। हरी सब्जियों को वेजिटेबल सलाद के तौर भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्यवकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-1-5-7

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं। शुभांक-2-5-6

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। शुभांक-5-7-9

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से कार्य सफल होगें। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी ङ्खचता रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-1-3-6

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता हैं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मङ्खचतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-5-7-9

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंग। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

धनु ये यो भा भी मू धा फा ढा भे

मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। शुभांक-3-5-7

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

शनै:-शनै: स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-5-7-9

मीन दी दू थ झ ञ ज दे दो चा ची

क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढ़ग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देगें। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-8

काकुरो पहेली - 2672

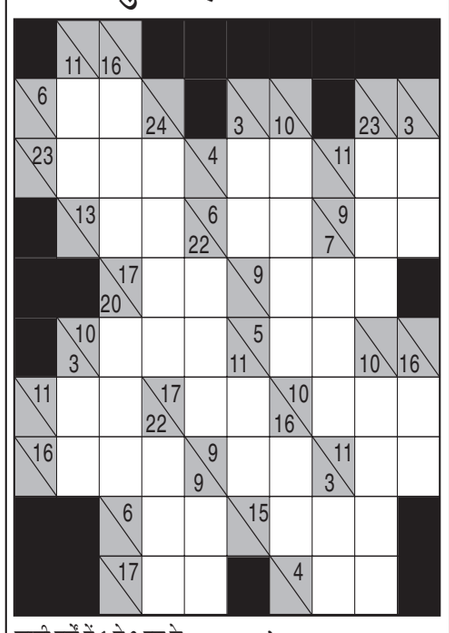

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

काकुरो - 2671 का हल

■	4 11	■	■	■	■	24 11	■	■
3	1	2	29	■	■	8 9	7	2
20	3	8	9	■	23 9	6	8	9
■	6	1	5	19 11	8	2	9	■
■	■	10 7	7	2	1	■	11 3	■
■	18 6	1	8	9	■	4 14	3	1
7	5	2	11	■	13 24	6	5	2
7	1	4	2	18 7	9	8	1	17 4
■	■	23	9	6	8	13	2	8	3
■	■	■	8	1	7	■	10	9	1

हंसी के फव्वारें

क्या तुम मुझसे प्रेम करते हो ?
इसमें भी कोई सन्देह है.
'तो क्या तुम मेरे लिए मर भी सकते हो ?'
'नहीं प्रिय यह मेरा अमर प्रेम है.'

□ □ □

एक कुंवारी और कुंवारा घूम रहे थे कि तभी कुंवारी को जोर से खांसी आ गई, कुंवारा बोला-प्रिय तुम्हारे गले के लिए कुछ ले लूं क्या?
हां, वह मोतियों का हार जो सामने की दुकान पर है,कुंवारी बोली.

□ □ □

भगवान से सबकी रक्षा की विनती कर चुकने पर छोटे से मोहन ने कहा-मेहरबानी करके अपनी रक्षा भी करना यदि तुम्हें कुछ हो गया तो हमारा तो नाश हो जायेगा.

□ □ □

मरीज: डॉक्टर साहब, मुझे कब तक कड़वी दवा खानी पड़ेगी ?
डॉक्टर: जब तक मेरा बिल अदा न कर दोगे.

□ □ □

टिकटचेकर: बच्चा, टिकट दिखाओ.
साधु: हम तो साधु हैं, हमें टिकटों से क्या लेना-देना.
टिकटचेकर: तो क्या जिन्होंने टिकट ले रखे हैं वे सब क्या चोर-उचक्के हैं ?

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2672

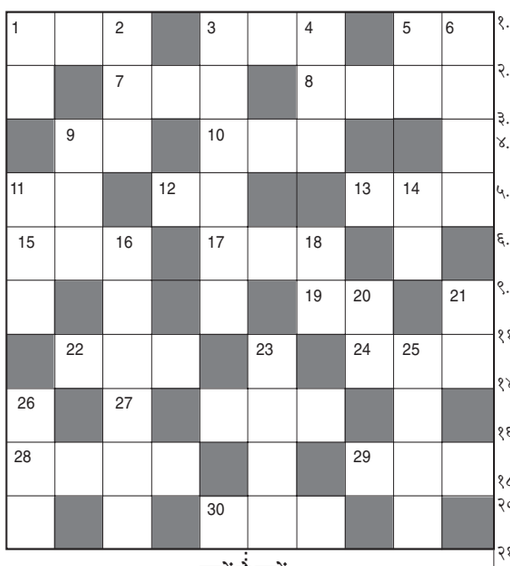

बायें से दायें:-

१. 'ये तारा वो तारा' गीत वाली आशुतोष गोवारीकर की फिल्म-३
३. 'तुम्हें अपना बनाने की' गीत वाली संजयदत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
५. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली जतिन ग्रेवाल, नेहा की फिल्म-३
८. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'रामजी की निरली सवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली ऋषिकपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१०. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'कन्हैया कन्हैया तुझे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली अमिताभ, रवीना, नंदिता की फिल्म-२
१२. अमिताभ, जीनत की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'दिन सारा गुजारा' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा की फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'वो शाम कुछ अजीब थी' गीत वाली राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
१९. आमिर, जूही, ममता की 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'रिफ्यूजी' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-३
२४. अक्षयकुमार, करीना की 'दिल ले गया परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'बहारों फूल बरसाओ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२८. किशोरकुमार की 'एक चतुर नार करके सिंगार' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'फिर वही चांद वही गम' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-३
३०. डिनो, बिपाशा की 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'कैसे कटे दिन कैसे' गीत वाली राजेश, गोविंदा, जूही की फिल्म-२
२. अमिताभ, जयाप्रदा की 'मंजिलें अपनी जगह हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'तेरे नाम' में नायक कौन था-४,२
४. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
५. काहे कोयल शोर, मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
६. जीतेंद्र, लीना चंदावरकार की 'तूने तूने ओ सनम' गीत वाली फिल्म-४
९. 'है मुबारक आज का' गीत वाली मिथुन चक्रवर्ती, रति की फिल्म-३
११. संजय दत्त, अनिता की 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'हम तुम को निगाहो' गीत वाली सलमान, अरबाज, शिल्पा की फिल्म-२
१६. राजकपूर, वहीदा रहमान की 'सजन रे झूठ मत बोलो' गीत वाली फिल्म-३,३
१८. फिल्म 'मिस ४२०' में नायिका कौन थी-२
२०. सनी देओल, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'तू धरती पे चाहे जहाँ' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-२
२३. अजय देवगन, अमीषा पटेल की 'प्यार तो होता है प्यार' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'मेरे अंगने में तुम्हारा' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
२६. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की 'एक बगिया में रहती है' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 2671

र	हु	ल	■	ना	■	गै	ब	ल	र
जा	■	■	घा	य	ल	■	द	■	न
औ	ला	द	■	ब	गा	व	त	■	■
र	■	स	त्या	■	न	■	मी	ना	क्षी
रं	गी	ला	■	टी	■	अ	ज	य	■
क	■	ख	ल	ना	य	क	■	क	थ
■	दो	■	की	■	■	ल	क्ष्य	■	ने
खू	ब	सू	र	त	■	मं	■	दा	दा
■	द	■	■	ला	■	द	स	■	र
डॉ	न	■	रे	श	नी	■	नी	तू	■

सूडोकु -2672

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2671 का हल

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7

शब्द पहेली -2672

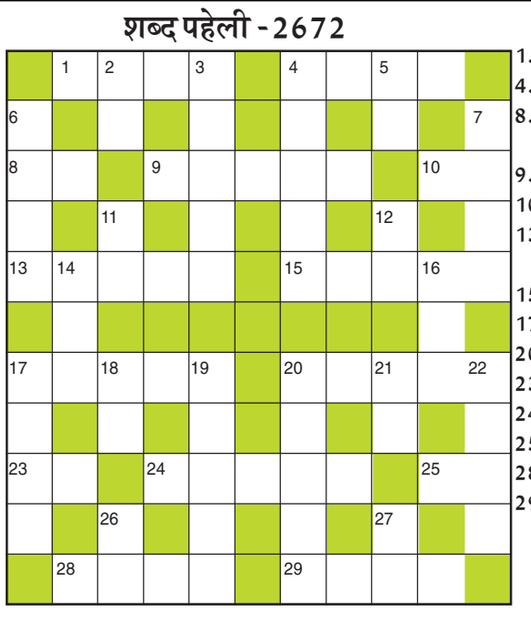

बाएँ से दाएँ

1. जानकारी-4
4. मांसाहार का उलट-4
8. 'जुम्मा चुम्मा दे दे' गीत वाली फिल्म-2
9. कायाकल्प-5
10. पिता के छोटे भाई-2
13. कहानी लिखने वाला-5
15. नाम रखना-5
17. बेवक्त,अकाल-5
20. प्रयास,कोशिश-5
23. टोंटी,नलका-2
24. कामदेव,पुष्कर-2,3
25. डर,भय-4
28. शोर-शराबा-4
29. बेवफा,व्यभिचारी-4

ऊपर से नीचे

2. बिंदु,बिंदी,शून्य-2
3. गोलाकार-3
4. सम्मिलित होना-3,2
5. घाटा,नुकसान-2
6. मूर्ख,बेवकूफ-4
7. बिना कारण,बेवजह-4
11. राजा की पत्नी-2
12. वहम,संदेह-2
14. दुर्घटना-3
16. खाना बनाने की जगह,किचन-3
17. एकाएक, सहसा-4
18. अलमस्त-2
19. कमल ककड़ी, कमल डंडी-3,2
20. आरामदायी-5
21. सम्मान-2
22. भलमानसता-4
26. सद्,अच्छा-2
27. मृत्यु, प्रारब्ध, न्याय निर्णय-2

शब्द पहेली -2671 का हल

■	अ	ल	ख	■	■	■	मु	स्का	न
ग	ज्ञा	■	रा	त	की	रा	नी	■	बी	च
ल	■	■	ब	ल	■	ह	म	■	■	म
न	न	खा	■	ना	मि	त	■	र	ह	न
■	र	ज	नी	■	त्र	■	क	स	म	■
■	क	■	ड	ल	■	दा	म	■	व	■
■	गा	फि	ल	■	पा	■	ला	न	त	■
स	मी	र	■	सु	रा	ही	■	म	न	न
म	■	■	म	म	■	न	र	■	■	र
य	क्ष	■	हा	ति	म	ता	ई	■	आ	म
■	मा	लि	न	■	■	■	स	ई	स	■

श्रीनगर में तापमान शून्य से 4.6 डिग्री नीचे, मौसम की सबसे सर्द रात

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर शनिवार को जम गई, जहां न्यूनतम तापमान गिरकर शून्य से 4.6 डिग्री सेल्सियस नीचे लुढ़क गया। इस मौसम में पहली बार, स्थानीय लोगों को रात में पीने के पानी के पाइपों के जमने से बचाने के लिए पाइपों के आसपास छोटे-छोटे अलाव जलाते देखा गया। सुबह-सुबह बाहर निकलने वाले स्थानीय लोग टोपी और मफलर के साथ ऊनी कपड़ों में लिपटे दिखे जो 'फेरन' नामक पारंपरिक पोशाक के अलावा सर्दियों की पोशाक का एक अनिवार्य हिस्सा बन गया है। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने कहा, 'श्रीनगर में रात का न्यूनतम तापमान माइनस 4.6 डिग्री, गुलमर्ग में माइनस डिग्री और पहलगाम में माइनस 5 डिग्री रहा।' लद्दाख क्षेत्र के लेह में आज न्यूनतम तापमान माइनस 11.7 डिग्री, कारगिल में माइनस 8.8 डिग्री और द्रास में माइनस 11 डिग्री रहा। जम्मू संभाग में, जम्मू शहर में न्यूनतम तापमान 8.1 डिग्री, कटरा में 8 डिग्री, बटोटे में 2.6 डिग्री, भद्रवाह में 0.5 डिग्री और बनिहाल में माइनस 0.8 डिग्री रहा।

कन्नड़ सिने अभिनेत्री लीलावती का निधन, पीएम मोदी ने जताया शोक

नई दिल्ली। कन्नड़ सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री लीलावती का बीते दिन 85 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने कर्नाटक के नेलमंगला के एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। एक्ट्रेस को सांस लेने में गंभीर समस्या के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। लीलावती के निधन से साउथ फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। तमाम सेलेब्स और फैंस सोशल मीडिया पर अभिनेत्री के निधन पर शोक जाहिर कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने भी लीलावती के निधन पर दुख जताया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर लीलावती के निधन पर दुख जाहिर किया है। मोदी ने पोस्ट में लिखा, 'प्रसिद्ध कन्नड़ फिल्म हस्ती लीलावती जी के निधन के बारे में सुनकर दुख हुआ। सिनेमा की एक सच्ची प्रतीक, उन्होंने कई फिल्मों में अपने बहुमुखी अभिनय से सिल्वर स्क्रीन की शोभा बढ़ाई। उनकी विविध भूमिकाएं और उल्लेखनीय प्रतिभा हमेशा याद और प्रशंसित की जाएगी। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं। शांति।'

रव मुख्यमंत्री केसीआर अस्वस्थ, अस्पताल में भरती

हैदराबाद। भारत राष्ट्र समिति के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) की स्वास्थ्य स्थिति पर यशोदा अस्पताल के डॉक्टरों ने हेल्थ बुलेटिन जारी किया है। उन्होंने कहा कि उनका स्वास्थ्य स्थिर है। केसीआर के बाएं पैर के कूल्हे की हड्डी फ्रैक्चर होने की वजह से अब हिप रिप्लेसमेंट की सर्जरी की जाएगी। परिवारिक सूत्रों के अनुसार 'बाथरूम में फिसलने के बाद केसीआर के बाएं कूल्हे की हड्डी टूट गई थी। फिलहाल उनकी स्वास्थ्य स्थिति स्थिर है। बाएं पैर के कूल्हे की हड्डी का प्रतिस्थापन के चलते केसीआर को ठीक होने में 6 से 8 हफ्ते लगेंगे। स्वास्थ्य बुलेटिन में डॉक्टरों ने कहा, 'फिलहाल वह डॉक्टरों की निगरानी में हैं।' पूर्व मंत्री हरीश राव ने कहा कि भारत राष्ट्र समिति के नेता और पूर्व सीएम केसीआर की स्वास्थ्य स्थिति फिलहाल स्थिर है। उन्होंने यशोदा अस्पताल में मीडिया से बात की। केसीआर गुरुवार को बाथरूम में फिसल गए थे। दर्द बहुत ज़्यादा होने के कारण हम उन्हें अस्पताल ले आये। परीक्षण करने वाले डॉक्टरों ने बताया कि कूल्हे की हड्डी टूट गई है।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने ढाबे पर किया नाश्ता, लोगों के साथ ली सेल्फी

दरकाटा। केंद्रीय सूचना प्रसारण एवं खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने देहरा में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने जाने के दौरान रास्ते में दरकाटा के समीप एक ढाबे पर कार्यकर्ताओं के साथ नाश्ता किया। उन्होंने लोगों के साथ सेल्फी भी खिंचवाई। वहीं पूछा कि केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है या नहीं। लोगों ने बताया कि उन्हें केंद्र की सभी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। लोगों ने अनुराग से आयुष्मान भारत योजना की तारीफ की। देहरा की ग्राम पंचायत नेलटी पहुंचने पर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर का जोरदार स्वागत किया गया। वह विकसित भारत संकल्प यात्रा अभियान के तहत कार्यक्रम में हिस्सा ले रहे हैं।

कांग्रेस नेता के घर से मिले 225 करोड़: भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बोले- पाई-पाई लौटानी होगी... ये मोदी की गारंटी है

लखनऊ। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि देश की जनता के सामने कांग्रेस नेताओं के भ्रष्टाचार का एक और मामला सामने आया है। कांग्रेस सांसद धीरज साहू के घर से 200 करोड़ रुपये बरामद हुए है। उन्होंने कहा कि घर्मंडिया गठबंधन लूट और दलाली की गारंटी है। जनता से लूटी गई पाई-पाई लौटानी होगी ये मोदी की गारंटी है।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शनिवार को मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जब एक कांग्रेस सांसद के पास 225 करोड़ मिले हैं तो अन्य नेताओं के पास कितना होगा।उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने नेताओं को एटीएम बना दिया है। कांग्रेस के पास सिर्फ हिंदुत्व और सनातन से नफरत ही बची है। घमंडिया गठबंधन के नेता लूट-

खसोट करते हैं। उन्होंने कहा कि जब ईडी-सीबीआई कार्रवाई करती है तो घमंडिया गठबंधन के नेता इसका विरोध करते है। आज इस मुद्दे पर सभी जिलों में प्रदर्शन कर कांग्रेस का विरोध किया जाएगा। उन्होंने कहा कि घर्मंडिया गठबंधन एक बेमेल गठबंधन है। विपक्ष जब हारता है तो ईवीएम और प्रशासन पर सवाल खड़ा कर लोकतंत्र का अपमान करता है।

'ये मोहब्बत की कौन सी दुकान है?' कांग्रेस सांसद के ठिकाने से मिला कैश, बीजेपी ने पूछ लिया ये सवाल

नई दिल्ली। झारखंड से कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य धीरज प्रसाद साहू के घर और कार्यालयों पर आयकर विभाग की छापेमारी चल रही है। उनके घर से आयकर विभाग को 300 करोड़ रुपए बरामद हुए हैं। वहीं, दूसरी ओर भाजपा लगातार कांग्रेस पर निशाना साध रही है। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी से पूछना चाहिए कि ये मोहब्बत की कौन सी दुकान है। कांग्रेस के एक सांसद से जुड़े परिसर से 200 करोड़ रुपए मिले हैं। भ्रष्टाचार की मूर्ति है कांग्रेस पार्टी।

नोट गिनते-गिनते मशीनें भी हुईं खराब

झारखंड से कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य धीरज प्रसाद साहू के घर और कार्यालयों पर आयकर विभाग की छापेमारी बीते 72 घंटों से भी अधिक समय से जारी है। इस दौरान 300 करोड़ से अधिक की नकदी बरामद की जा चुकी है। बरामद नकदी को गिनने के लिए लाई गई मशीनें गिनती करते-करते खराब भी हो गई।

सीएम योगी का एक बार फिर दिखा बाल प्रेम, अंबेडकर पार्क घूमने आए स्कूली बच्चों को दुलारा

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो दिवसीय दौरे पर गोरखपुर आए हैं। शनिवार को गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का अंबेडकर पार्क में एक बार फिर बाल प्रेम दिखाई दिया। इस दौरान सीएम योगी ने अंबेडकर पार्क घूमने आये स्कूली बच्चों को दुलारा।

जानकारी के अनुसार, गोरखपुर में सर्किट हाउस में हेलीकॉप्टर लैंड होने के बाद मुख्यमंत्री बच्चों के पास गए। इस दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ ने बच्चों को चॉकलेट बांटी। सीएम योगी ने पायलट और अधिकारियों से कहा कि बच्चों को हेलीकॉप्टर नजदीक से दिखाएं। बच्चे मुख्यमंत्री को देखने के बाद बेहद उत्साहित नजर आ रहे थे। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद अधिकारियों ने बच्चों को नजदीक से हेलीकॉप्टर दिखाया। हेलीकॉप्टर देने के बाद बच्चों ने फोटो खींची।

महाराष्ट्र में एनआईए की 44 जगहों पर छापेमारी, 15 संदिग्ध हिरासत में

मुंबई। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) की टीम ने शनिवार को तड़के महाराष्ट्र में 44 जगहों पर छापामार कार्रवाई करते हुए 15 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। बताया जा रहा है कि एनआईए की टीम ने इन सबके पास से मोबाइल फोन और लैपटाप सहित कुछ अन्य सामान बरामद किए हैं। हालांकि अभी तक एनआईए की ओर से इस संबंध में अधिकृत जानकारी नहीं दी गई है। सूत्रों के अनुसार एनआईए को मिले गोपनीय इनपुट के आधार पर आज तड़के एनआईए और एटीएस की टीम ने संयुक्त रूप से महाराष्ट्र के पुणे में

1, ठाणे ग्रामीण में 31, ठाणे शहर में 1 और भयंदर में 1, मुंबई में एक, इस तरह 44 जगहों पर पर छापा मारा है। बताया जा रहा है कि पुणे में संदिग्ध शोएब अली शेख और अनवर अली शेख के घर पर छापेमारी के दौरान लैपटाप, मोबाइल और अन्य सामान जब्त किए गए हैं। यहां से पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है। इसी तरह ठाणे के भिवंडी स्थित पडघा बोरीवली में भी एनआईए की टीम ने छापेमारी करते हुए दस लोगों को हिरासत में लिया है। इन सभी से पूछताछ की जाएगी और बाद में जरूरत पड़ने पर इन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। एनआईए की टीम ने मुंबई के अंधेरी कार्गो इलाके में भी आज छापा डाला है। यह कार्रवाई बेहद गोपनीय रखी गई है।

कपास पर पिंक बॉलवर्म का प्रकोप छह वर्ष में एक तिहाई पर आया: सरकार

नई दिल्ली। सरकार ने राज्यसभा में बताया कि भारत में सरकार के प्रयासों और किसानों की जागरूकता से कपास में पिंक बॉलवर्म (गुलाबी इल्ली कीट और रोग) का प्रकोप पिछले छह वर्ष में सीमित होकर एक तिहाई रह गया है। केंद्रीय केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री कैलाश चौधरी ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान इस विषय में कुछ सदस्यों के पूरक प्रश्नों के उत्तर में यह जानकारी देते हुए कहा कि 2017-18 में पिंक बॉलवर्म का प्रकोप की शिकायत करीब 30 प्रतिशत फसल पर देखी गयी थी । आज यह शिकायत 10 प्रतिशत फसल पर सीमित रह गयी है। उन्होंने

कहा कि सरकार ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) से ऐसे बीज और तकनीक विकसित करने को कहा था जिससे गुलाबी इल्ली के प्रकोप से फसलों को बचाया जा सके। साथ ही इससे बचाव के तरीकों के प्रति किसानों को जागरूक भी किया गया है। उन्होंने कहा कि इस कीट का प्रकोप वर्षा बाद के दौर में होता है और इनका जीवन साढ़े तिन चार माह का होता है।

असमिया मुस्लिमों का होगा सामाजिक-आर्थिक मूल्यांकन, हिमंत बिस्वा सरमा कैबिनेट ने दी मंजूरी

गुवाहाटी। असम की हिमंत बिस्वा सरमा सरकार ने राज्य के स्वदेशी मुस्लिमों के सामाजिक-आर्थिक मूल्यांकन करने का फैसला किया है। असम सरकार ने कहा कि वह राज्य के स्वदेशी असमिया मुसलमानों का सामाजिक-आर्थिक आकलन करेगी।

दरअसल, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई कैबिनेट बैठक में यह निर्णय लिया गया है। सीएम हिमंत बिस्वा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी

जानकारी दी है।

भैंस और सांडों की लड़ाई की अनुमति के लिए एसओपी को दी मंजूरी

इसके अलावा कैबिनेट ने माघ बिहू के दौरान आयोजित पारंपरिक भैंस और सांडों की लड़ाई की अनुमति के लिए एसओपी जारी करने को भी मंजूरी दी है। एसओपी का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पशुओं पर जानबूझकर अत्याचार या क्रूरता नहीं की जाए। जो सदियों पुरानी असमिया सांस्कृतिक परंपरा का अभिन्न हिस्सा वार्षिक बफेलो प्रतियोगिताओं के दौरान आयोजकों द्वारा उनकी भलाई के लिए प्रदान किया जाए।

पुस्तकालयों के निर्माण के लिए 259 करोड़ रुपये किए मंजूर-साथ ही मंत्रिपरिषद ने राज्य भर में पुस्तकालयों के निर्माण के लिए 259 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। छात्रों में पढ़ने की आदत विकसित करने के लिए पुस्तकालय और डिजिटल बुनियादी ढांचे का निर्माण किया जाएगा। इस योजना का लक्ष्य 2,197 ग्राम पंचायतों और 400 नगरपालिका वार्डों में नए पुस्तकालयों का निर्माण शुरू करना और इंटरनेट कनेक्टिविटी के साथ किताबें, फर्नीचर, कंप्यूटर की खरीद शुरू करना है।

छत्तीसगढ़ सीएम के नाम पर जल्द लगेगी मुहर, 10 को होगी भाजपा विधायक दल की बैठक

नई दिल्ली। तीन राज्यों में मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रहे मंथन के बीच पर्यवेक्षकों की नियुक्ति से राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। हर कोई जानना चाह रहा है कि आखिर इन राज्यों की सीएम की कुर्सी पर कौन बैठने वाला है। इसी को लेकर जल्द भाजपा विधायक दल की बैठक होने वाली है।

छत्तीसगढ़ भाजपा के अध्यक्ष अरुण साव ने कहा, ' भाजपा कार्यकर्ताओं और लोगों के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। भाजपा विधायक दल की बैठक कल 10

दिसंबर को होगी। अर्जुन मुंडा, सर्वानंद सोनोवाल और दुष्यंत गौतम विधायकों की बैठक लेंगे।'

'भारत की तरक्की दुनिया को दिखाना जरूरी', दुबई में भारतीय छात्रों और युवाओं से बोले एस जयशंकर

नई दिल्ली। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दुबई में भारतीय छात्रों और युवा उद्यमियों और नौकरीपेशा लोगों से मुलाकात की। इस दौरान विदेश मंत्री ने कहा कि विदेश में रहने वाले भारतीयों से अपील की कि वह दुनिया के सामने देश की तरक्की वाली तस्वीर पेश करें और दुनिया को बताएं कि भारत किस तरह से आगे बढ़ रहा है और क्या बदलाव हो रहे हैं।

क्या बोले भारतीय विदेश मंत्री- विदेश मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी आज विकसित भारत संकल्प यात्रा को संबोधित करेंगे। इस पहल के जरिए देशवासियों को पिछले

10 सालों में हुई तरक्की के बारे में जानकारी दी जाएगी। साथ ही उन्हें समझाया जाएगा कि देश ने क्या प्रगति की है। जब हम विकसित भारत की बात करते हैं तो हम नए भारत के बारे में बात करते हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि जब भी आप ये सब नारे सुनते हैं तो हो सकता है कि आप इसके लाभार्थी ना हों, यह फायदे असल में उन लोगों को मिलेंगे जो इसके असल में जरूरतमंद हैं, लेकिन इसका दूसरा पहलू भी है। यह पहलू है चंद्र मिशन, सबसे तेजी से 5जी तकनीक को भारत में लागू करना, कोवैक्सिन यह भी विकसित भारत बना रहे हैं।'

देश के हर कोने में मोदी की गारंटी वाली गाड़ी को लेकर उत्साह : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा ऐसे लोगों तक पहुंचने का बहुत बड़ा माध्यम बनी है, जो अब तक सरकार की योजनाओं से नहीं जुड़ पाए। देश के हर कोने में मोदी की गारंटी वाली गाड़ी को लेकर उत्साह है। प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के लाभार्थियों के साथ बातचीत की। उन्होंने कहा कि यह बहुत बड़ी बात है कि इतने कम समय में अब तक सवा करोड़ से अधिक लोग मोदी की गारंटी वाली गाड़ी तक पहुंचे हैं और उसका स्वागत किया है, उससे जुड़ने की कोशिश की है और उसे सफल बनाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि 40 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों तक मोदी की गारंटी वाली गाड़ी पहुंची है। देशभर में करोड़ों परिवारों को हमारी सरकार की योजनाओं का लाभ मिला है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मोदी की गारंटी वाली गाड़ी पहुंचने के बाद लगभग एक लाख नए लाभार्थियों ने उज्ज्वला योजना के तहत मुफ्त गैस कनेक्शन के लिए आवेदन किया है। इस करके उन्हें कुछ हासिल नहीं होगा। उन्होंने कहा कि गत नौ वर्षों में हाशिये पर रहे लोगों के

यात्रा के दौरान मौके पर ही 35 लाख से अधिक आयुष्मान कार्ड भी दिए गए हैं। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में भाजपा को मिली जीत के लिए जनता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री न कहा कि हाल के विधानसभा चुनावों के नतीजों से यह स्पष्ट हो गया कि लोगों को 'मोदी की गारंटी' पर भरोसा है। उन्होंने कहा कि कुछ राजनीतिक दल ये सीधी सी बात नहीं समझ पाते कि झूठी घोषणाएं विकास के लिए कार्य किया गया। लोगों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है, ये मेरे लिए संतोष की बात है। पहले की योजनाएं केवल कागजों तक ही सीमित रह जाती थीं। विकसित भारत बनाने के लिए प्रत्यके परिवार में बदलाव की जरूरत बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, 'देश का हर गरीब मेरे लिए वीआईपी है। देश की हर माता-बहन-बेटी मेरे लिए वीआईपी है। देश का हर किसान मेरे लिए वीआईपी है। देश का हर युवा मेरे लिए वीआईपी है।'

मीनाक्षी लेखी ने हमास पर संसद के सवाल का नहीं दिया जवाब, वायरल दस्तावेज पर जांच के आदेश दिए

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने शनिवार को संसद के उस सवाल के जवाब पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया कि क्या भारत हमास को आतंकवादी समूह घोषित करने की योजना बना रहा है। यह घटनाक्रम लेखी के नाम वाले एक दस्तावेज़ में हमास पर संसदीय प्रश्न का उत्तर दिखाए जाने के बाद आया है। दस्तावेज़ ङ्क पर साझा किया गया था। बाद में, अपने आधिकारिक हैंडल पर लेखी ने दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर करने से इनकार करते हुए कहा, 'आपको गलत सूचना दी गई है क्योंकि मैंने इस प्रश्न और इस उत्तर वाले किसी भी पेपर पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं।

तीन राज्यों में सीएम के नाम की घोषणा में देरी पर अशोक गहलोत ने उठाए सवाल, बीजेपी पर साधा निशाना

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भाजपा ने अपना कमल खिला दिया है और अब सीएम कौन बनेगा इसकी घोषणा भी जल्द कर दी जाएगी। इस बीच कांग्रेस नेता और राजस्थान के कार्यवाहक सीएम अशोक गहलोत ने शनिवार को तीन राज्यों के सीएम चेहरों की घोषणा में भाजपा की देरी को लेकर आलोचना की। उन्होंने कहा कि 'इस पार्टी में कोई अनुशासन नहीं है।' बात करते हुए अशोक गहलोत ने बीजेपी की आलोचना करते हुए कहा, 'इस पार्टी में कोई अनुशासन नहीं है। अगर हमने भी ऐसा किया होता तो पता नहीं वे हम पर क्या आरोप लगाते और लोगों को गुमराह करते। उन्होंने चुनावों का ध्रुवीकरण किया। हम नई सरकार के साथ सहयोग करेंगे।' गहलोत ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि गोगामेड़ी मामले में, मुझे एनआईए जांच पर एक दस्तावेज पर हस्ताक्षर करना पड़ा। यह नए सीएम द्वारा किया

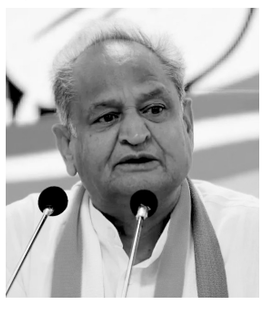

जाना चाहिए था। अब सात दिनों से वे (भाजपा) एक मुख्यमंत्री का चयन नहीं कर पाए हैं, मैं चाहता हूं कि वे जल्द फैसला लें। गहलोत ने भाजपा पर धार्मिक मुद्दों को उठाकर और लोगों का ध्रुवीकरण करके राज्य में विधानसभा चुनाव जीतने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि चुनावों का ध्रुवीकरण किया, वे तीन तलाक, अनुच्छेद 370 को निरस्त करना, कन्हैया लाल की हत्या जैसे मुद्दे लाए और झूठ फैलाया कि मुसलमानों को 50 लाख और हिंदुओं को केवल 5 लाख दिए गए। गहलोत ने ये भी कहा कि भाजपा ने झूठ फैलाकर चुनाव जीता। हालांकि, वे फिर भी नई सरकार के साथ सहयोग करेंगे। इस बीच, हाल के राजस्थान विधानसभा चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन का आकलन करने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई है। इस बैठक के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी सांसद राहुल गांधी दिल्ली में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) मुख्यालय पहुंचे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बने दुनिया भर में सबसे लोकप्रिय नेता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दुनियाभर में सबसे अधिक लोकप्रिय नेता हैं ये हमेशा से ही कहा जाता रहा है। एक बार फिर से ये बाद साबित हो गई है। इस बार अमेरिकी कंसल्टेंसी फर्म मार्निंग कंसल्ट ने एक सर्वे किया है जिसमें भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दुनिया भर में सबसे लोकप्रिय और मशहूर नेता के रूप में उभरे है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 'अप्रूवल रेटिंग' में शीर्ष पायदान पर है। खास बात है कि पीएम मोदी को शीर्ष पर रहते हुए 76 प्रतिशत रेटिंग मिली है जबकि उनसे दूसरे नंबर के शीर्ष नेता के अंक 66 प्रतिशत कम है। इस सूची के जारी होने के बाद सामने आया है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने शुक्रवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय सर्वेक्षण ने दिखाया है कि ''मोदी की गारंटी'' और ''मोदी का जादू'' दोनों ही पसंद किया जा रहा है। 'मॉर्निंग कंसल्ट' के साप्ताहिक सर्वेक्षण में मोदी एक बार फिर लोकप्रियता के मामले में शीर्ष पर रहे। उन्हें 76 प्रतिशत 'अप्रूवल रेटिंग' मिली जबकि केवल 18 प्रतिशत ने उनके नेतृत्व को खास तवज्जो नहीं दी। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि हाल में हुए विधानसभा चुनावों के नतीजों के बाद अंतरराष्ट्रीय सर्वेक्षण में भी मोदी की गारंटी और जादू को सराहा गया है।

ऐसी है अन्य नेताओं की रेटिंग

मेक्सिको के नेता और राष्ट्रपति एंड्रेस मैनुअल लोपेज़ ओब्रेडोर लोकप्रियता के मामले में दूसरे स्थान पर हैं और उन्हें 66 प्रतिशत लोगों ने पसंद किया। उनके बाद स्विटजरलैंड के राष्ट्रपति एलेन बर्सेट की रेटिंग 58 प्रतिशत है और ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा की रेटिंग 49 प्रतिशत सामने आई है।

जानें जो बाइडेन की रेटिंग-इस लिस्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का नाम भी शामिल है। जो बाइडेन 40 प्रतिशत की अप्रूवल रेटिंग के साथ इस सूची में सातवें स्थान पर है। बता दें कि मार्च के बाद ये पहला मौका है जब जो बाइडेन को सर्वाधिक रेटिंग मिली है। वहीं अन्य नेताओं में स्पेन के पेड्रो सांचेज को 37 प्रतिशत रेटिंग मिली है। दसवें नंबर पर आयरलैंड के प्रधानमंत्री लिओ वराडकर 36 प्रतिशत रेटिंग के साथ है। वहीं कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो 13वें स्थान पर 31 प्रतिशत लोकप्रियता के साथ है।

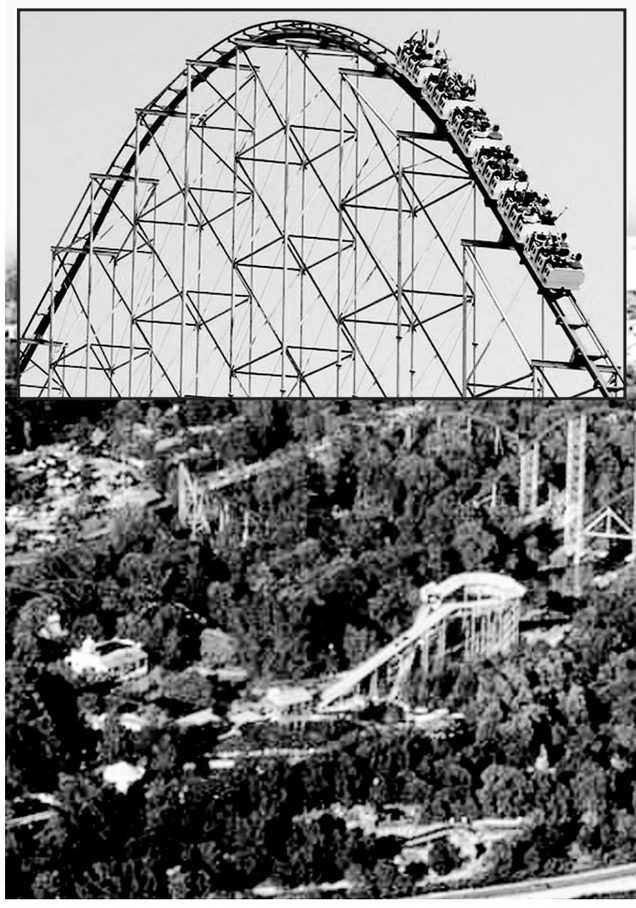

दुनिया के सबसे रोमांचक एडवेंचर
सीडार प्वाइंट

अमेरिका में ओहियो राज्य के सेंडस्की स्थित लेक ऐली प्रायद्वीप में सीडार प्वॉइंट 364 एकड़ में बना विशाल अम्यू जमेंट पार्क है। तरह-तरह की मनोरंजक विशेषताएं लिए यह पार्क वर्ष 1870 में खुला था। यह दुनिया का दूसरा सबसे पुराना अम्यूजमेंट पार्क है। इससे पहला पार्क लेक कंपाउंस है। इसका निर्माण सीडार फेयर इंटरटेनमेंट कंपनी द्वारा किया गया जो इसका संचालन करती है। यही कंपनी इसकी मालिक भी है।

सीडार प्वाइंट को अमेरिका का रोलर कोस्ट भी कहा जाता है क्योंकि यहीं दुनिया के सबसे ज्यादा रोलर कोस्टर और झूले (राइड्स) हैं। इनकी संख्या 72 है जो कि एक विश्व कीर्तिमान है। इसमें 17 रोलर कोस्टर्स भी शामिल हैं जो इसे दुनिया का सबसे ज्यादा रोलर कोस्टर्स वाला तीसरा पार्क बनाता है। चार रोलर कोस्टर्स की ऊंचाई 200 फुट से भी ज्यादा है।

मुख्य सीडार प्वाइंट को देखने के लिए एक पूरा दिन चाहिए। यदि यहां मौजूद सभी आकर्षणों को देखना हो तो कम से कम दो दिन जरूरी हैं। हर साल सीडार पहुंचने वाले पर्यटकों की संख्या करोड़ से भी ऊपर है।

सीडार प्वाइंट में दुनिया के कई सबसे ऊंचे और तेज झूले भी हैं जैसे कि टॉप थ्रिल ड्रैगस्टर और मिलेनियम फोर्स। इनके बारे में कहा जाता है कि इनसे मिलने वाला अनुभव और कहीं नहीं मिलता। जो लोग रोमांच और एडवेंचर की तलाश में रहते हैं, उनके लिए सीडार प्वाइंट से बेहतर जगह और कोई नहीं।

सीडार प्वाइंट को अकसर दुनिया का सबसे बड़ा अम्यूजमेंट पार्क भी कहा जाता है। वर्ष 2008 में इसे लगातार 11वें वर्ष भी दुनिया का सर्वश्रेष्ठ अम्यूजमेंट पार्क का खिताब दिया गया। हालांकि सीडार प्वाइंट का मुख्य आकर्षण यहां मौजूद रोलर कोस्टर्स का विशाल संकलन है। बावजूद इसके, यहां झूले और अन्य आकर्षण भी कम नहीं है जैसे कि किड्डी राइड्स, वाटर राइड, म्यूजिकल शोज, आइस स्केटिंग शो आदि। इस पार्क का एक विशेष आकर्षण ऐरी झील का 1.6 किलोमीटर लंबा शानदार तट है जो यहां शुरू से ही पर्यटकों को आकर्षित करता रहा है।

खून का प्यासा पिस्सू

पिस्सू बिना पंखवाले छोटे कीट हैं जिनकी औसत लंबाई 2 मिलीमीटर होती है। पिस्सू गरम खूनवाले जीवों में परजीवी के रूप में रहकर उनका खून चूसते हैं। मनुष्यों के अलावा वे चूहों, पक्षियों, सूअरों, कुत्तों तथा अन्य जानवरों पर अपनी कृपा दृष्टि बरसाते हैं। उनके शरीर की रचना इस भूमिका के लिए खास उपयुक्त होती है। मेजबान जीव की खाल अथवा परों के बीच से आने-जाने में सहूलियत के लिए उनका शरीर दोनों बग़लों से चपटा होता है, यानी लंबाई और ऊंचाई की तुलना में उनकी चौड़ाई बहुत ही कम होती है। बहादुर से बहादुर आदमी भी मामूली-सा पिस्सू देखकर पसीना-पसीना हो जाएगा क्योंकि प्लेग महामारी इसी तुच्छ कीट की सवारी पर चढ़कर मनुष्यों में तांडव मचाती है। पिस्सू की सैंकड़ों जातियां ज्ञात हैं। ये बिना पंखवाले छोटे कीट हैं जिनकी औसत लंबाई 2 मिलीमीटर होती है। पिस्सू गरम खूनवाले जीवों में परजीवी के रूप में रहकर उनका खून चूसते हैं। मनुष्यों के अलावा वे चूहों, पक्षियों, सूअरों, कुत्तों तथा अन्य जानवरों पर अपनी कृपा दृष्टि बरसाते हैं। उनके शरीर की रचना इस भूमिका के लिए खास उपयुक्त होती है। मेजबान जीव की खाल अथवा परों के बीच से आने-जाने में सहूलियत के लिए उनका शरीर दोनों बग़लों से चपटा होता है, यानी लंबाई और ऊंचाई की तुलना में उनकी चौड़ाई बहुत ही कम होती है। इस कारण वे दो बालों के बीच के कम फासले में से भी आसानी से गुजर सकते हैं। उनके शरीर पर बहुत से कांटे होते हैं जो बालों अथवा परों में उलझकर पिस्सू को मेजबान जीव के शरीर से गिरने नहीं देते। उनका चपटा शरीर अत्यंत कठोर होता है जो उन्हें मेजबान जीव द्वारा काटे या खुजलाए जाने से बचाता है। उनका मुंह त्वचा को भेदने और खून चूसने के लिए बना होता है। पिस्सुओं का जीवन-चक्र काफी रोचक होता है। मादा पिस्सू मेजबान जीव के मल-मूत्र या उसकी मांद में इकट्ठी गंदगी में अंडे देती है। ये अंडे दो-चार दिनों में फूट जाते हैं। उनसे निकले डिंभक अंधे होते हैं। वे मल-मूत्र और गंदगी खाकर बढ़ते हैं। मौका मिलने पर अन्य छोटे कीटों का भी वे शिकार कर लेते हैं। समय आने पर ये डिंभक रेशम जैसे धागे से एक कोष बुनकर उसमें प्रविष्ठ हो जाते हैं। इस निष्क्रिय अवस्था में उनका आगे का विकास होता है। वयस्क कीट कोष से बाहर तभी निकलते हैं जब उन्हें कोई जीवित प्राणी का संकेत मिले। यह संकेत है उस प्राणी के चलने-फिरने से होनेवाले कंपन। इसे सुनते ही पिस्सू झट से कोष से निकल आते हैं और उस अभागे प्राणी का खून चूसने लगते हैं। इसी कारण से बहुत दिनों से खाली पड़े मकान में घुसने पर एकाएक पिस्सू निकल आते हैं। आप सोचते होंगे कि खाली मकान में पिस्सू कहां से आए। वास्तव में पिस्सू अपने कोषों में आपके ही इंतजार में बैठे थे!

पिस्सुओं की सबसे अधिक वीभत्स पहलू प्लेग जैसी भयंकर महामारियां फैलाने में उनकी भूमिका है। प्लेग महामारी से मनुष्य बड़ी तादाद में मरे हैं। चौदहवीं सदी में यूरोप में प्लेग ने ढाई करोड़ लोगों की जान ली थी। परंतु प्लेग मनुष्य पर आश्रित पिस्सुओं के कारण नहीं फैलता। प्लेग के लिए जिम्मेदार हैं चूहों के पिस्सू। प्लेग बीमारी सबसे पहले चूहों में फैलती है। इस बीमारी से जब चूहे बड़ी संख्या में मर जाते हैं, तब उनके पिस्सुओं को मजबूरन अन्य प्राणियों का खून चूसना पड़ता है। इन अन्य प्राणियों में मनुष्य भी होता है, क्योंकि मनुष्यों के मकानों में चूहे अनिवार्यतः पाए जाते हैं। पिस्सुओं की एक खासियत है कूदने की उनकी अद्भुत क्षमता। दो मिलीमीटर लंबा पिस्सू 35 सेंटीमीटर लंबी और 20 सेंटीमीटर ऊंची कूद लगा सकता है, यानी अपनी लंबाई से 125 गुना दूर अथवा 100 गुना ऊंचा कूद सकता है। इसीलिए प्लेग के समय लोगों को दो फुट ऊंचे पलंग पर सोने की सलाह दी जाती है, ताकि पिस्सू उन तक न पहुंच पाएं। अपनी लंबी-लंबी टांगों और नदारद पंखों की मांसपेशियों की सहायता से पिस्सू यह आश्चर्यजनक कलाबाजी करता है। अधिकांश विकसित देशों में पिस्सुओं का सफाया कम-से-कम घरों में से लगभग पूर्णतः हो गया है।

पी-50 खिलौने जैसी कार

पील पी50, पुराने जमाने के डिजाइन वाली कार है। इसमें छोटे-छोटे पहिए हैं, एक हेडलाइट, एक दरवाजा और यहां तक कि इसमें खिड़की के शीशे को साफ करने वाला एक वाइपर भी है। यह महज 54 इंच लंबी है। यह पहली सबसे छोटी कार है, जो सड़कों पर दौड़ी। पी50 कार इतनी छोटी है कि अगर इसे पीछे ले जाना हो तो दरवाजा खोलकर बाहर आना पड़ता है और इसे हाथ से खींचकर पीछे कर सकते हैं। इसे कोवेंट्री यूनिवर्सिटी के छात्रों ने मिलकर बनाया। पील पी50 कार और पील ट्राइडेंट कार, बिल्कुल बच्चों के खिलौने की तरह दिखती है। यह भरोसा करना मुश्किल होता है कि यह सडम्क पर भी चलती है। ब्रिटेन और अमेरिका में इसे सड़क पर देखा जा सकता है। जब पी50 को पहली बार 1960 के दशक में पेश किया गया था तो तब किसी ने यह नही सोचा था कि कभी यह लोगों के आकर्षण का केंद्र होगी। पी50 कार को दुनिया की कुछ अनोखी कारों में शामिल किया गया है। इसे बनाने वाली पील इंजीनियरिंग लिमिटेड नामक कंपनी ने फाइबर ग्लास की नाव (बोट) और मोटरसाइकिल भी बनाई हैं। कंपनी ने वर्ष 1962 में पहली पील पी50 कार पेश की थी। इसे इसलिए बनाया गया था ताकि एक आदमी खरीदारी बैग को लेकर कहीं भी आसानी से आ-जा सके।

एंटीक सोवियत वाहनों का विशाल संग्रह

जर्मनी की राजधानी बर्लिन में सोवियत दौर में बने पुराने वक्त के वाहनों का अनोखा संग्रह मौजूद है जिन्हें अब एंटीक कारों तथा अन्य प्रकार के वाहनों का दर्जा मिल चुका है। वहां ब्रनर परिवार के पास ऐसे वाहनों का सबसे बड़ा संग्रह है जो चाहता है कि उनके संग्रह को किसी विशिष्ट संग्रहालय में स्थान मिले। उनके संग्रह में छोटी कारों से लेकर सोवियत सेना द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले बड़े ट्रक भी शामिल हैं। इसमें 75 कारें तथा 90 मोटरसाइकिल भी शामिल हैं। खास बात है कि उनके पास मौजूद सभी एंटीक वाहन चालू हालत में हैं। फिलहाल इन्हें एक पूर्व सोवियत बंकर के प्रांगण में रखा गया है। इस संग्रह की शुरूआत लोथर ब्रनर ने की थी। 1990 में पश्चिम तथा पूर्व जर्मनी के एकीकरण तथा सोवियत संघ के खात्मे के बाद वह इन्हें खरीदने लगे। उनकी मौत के बाद अब उनका परिवार उनके संग्रह की देखभाल कर रहा है। वे चाहते हैं कि इन वाहनों के लिए एक खास संग्रहालय तैयार करवाया जाए जहां लोग इन्हें देख सकें तथा इनका संरक्षण भी सम्भव हो सके।

बर्फ में बर्फ-सा खरगोश

बच्चों, जब हम आर्कटिक की बात करते हैं तो हमारे के जेहन में दूर-दूर तक फैला बर्फ और पेंगुइन, ध्रुवीय भालू और डॉलफिन जैसे पानी और समतल दोनों पर रहनेवाले जीवों के नाम याद आते हैं, पर क्या आपने कभी सोचा है कि माइनस 40 डिग्री की ठंड में कोई प्यारा-सा, छोटा खरगोश भी रह सकता है। चौंक गये न कि बर्फ में खरगोश! आओ, हम तुम्हें बताते हैं खरगोश की ऐसी ही प्रजाति के बारे में, जो आर्कटिक के ध्रुवीय प्रदेश में रहता है। यह ध्रुवीय खरगोश देखने में तो अन्य खरगोशों की तरह ही दिखता है, पर शरीर की बनावट और इसका रहन-सहन इसे विपरीत परिस्थितियों में भी आसानी से जीवित रखता है। ध्रुवीय खरगोश के बाल काफी मोटे और घने होते हैं, जो इसके लिए कंबल का काम करते हैं।

साथ रहने की कला

ध्रुवीय खरगोश बर्फ के अंदर गड्ढा खोद कर रहते हैं। सर्दी से बचने के लिए, ये एक-दूसरे से सटकर रहते हैं, जिससे इनका शरीर एक दूसरे को ताप दे सके। इनके कान अन्य खरगोशों की अपेक्षा छोटे होने के कारण बर्फीली हवाओं से ये बच जाते हैं। ऐसे तो ये आपको अकेले मिल जाएंगे, पर आप इन्हें दर्जन या सैकड़ों के झुंड में देख सकते हैं। इनका झुंड कुछ आपके स्कूल की सुबह के प्रार्थना के जैसा ही होता है। एक नर खरगोश एक से अधिक मादाओं के साथ रहता है। मादा खरगोश साल में एक बार लगभग 6-8 बच्चों को जन्म देती है। वसंत ऋतु या गर्मी के शुरुआती दिनों में ये बच्चे देती हैं। सितंबर के महीने तक 2-8 बच्चे बड़े होकर फिर से अगले नस्ल को तैयार करने लायक हो जाते हैं।

क्या खाते हैं ध्रुवीय खरगोश

ध्रुवीय खरगोश ज्यादातर कोंपल, पेड़ों के पत्ते, काई और बेर खाते हैं। सर्दियों में जब खाने की कमी होती है, तो ये समुद्री शैवाल, पेड़ की मुलायम छाल और जड़ भी खा जाते हैं। बच्चों यह बड़े अफसोस की बात है कि बहुत ही कम संख्या में पाए जाने वाले इस प्यारे से जीव का शिकार इंसान इसके गोश्त के लिए करते हैं। अगर इनका शिकार इसी तरह जारी रहा, तो वह दिन दूर नहीं जब यह प्यारा जीव विलुप्त हो जाएगा।

20 सीरीज से पहले दक्षिण अफ्रीका को लगा झटका, स्टार प्लेयर हुआ बाहर

डरबन। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी बाएं टखने में मोच के कारण भारत के खिलाफ तीन मैचों की टी20 श्रृंखला से बाहर हो गए। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) के एक बयान में कहा गया है कि 27 वर्षीय खिलाड़ी को टीम से रिलीज कर दिया गया है। एनगिडी अपनी घरेलू टीम के पास लौटेंगे लेकिन दक्षिण अफ्रीका की मेडिकल टीम की निगरनी में रिहैबिलिटेशन (चोट से उबरने की प्रक्रिया) से गुजरेंगे। एनगिडी को बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मार्को जानसन के साथ दक्षिण अफ्रीका के तेज आक्रमण का नेतृत्व करना था। टीम में उनकी जगह तेज गेंदबाज ब्यूरेन हेंड्रिक्स को शामिल किया गया है। तैंतीस साल के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हेंड्रिक्स ने राष्ट्रीय टीम के लिए अपना पिछला मैच 2021 में टी20 प्रारूप में ही खेला था। उन्होंने 19 टी20 अंतरराष्ट्रीय में 25 विकेट लिए हैं।

बांग्लादेश दौरे पर न्यूजीलैंड की वनडे टीम घोषित, केन विलियमसन बाहर, यह प्लेयर बना कप्तान

ढ़ाका। बांग्लादेश दौरे पर टेस्ट मुकाबले खेल रही न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम की आगामी वनडे सीरीज के लिए क्रिकेट बोर्ड ने टीम घोषित कर दी है। वनडे टीम के लिए केन विलियमसन (Kane Williamson) का आराम दिया गया है। जबकि क्रिकेट विश्व कप 2023 में न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम की कप्तानी करने वाले टॉम लैथम पर फिर से भरोसा जताया जा रहा है। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) बोर्ड ने 6 दिसंबर से होने वाली सीरीज के लिए अपनी 14-खिलाड़ियों की टीम में कई नए खिलाड़ी भी डाले हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने ऑकलैंड एसेस के लेग स्पिनर आदि अशोक, सेंट्रल स्टैग्स के ऑलराउंडर जोश क्लार्कसन और कैंटरबरी के तेज गेंदबाज विल ओ%रूर्के को 3 अनकैप्ड खिलाड़ियों पर भरोसा जताया है। पिछले महीने भारत में बल्ले से शानदार प्रदर्शन को देखते हुए विश्व कप 2023 के हीरो रचिन रवींद्र को भी वनडे में बरकरार रखा गया है। केन विलियमसन की अनुपस्थिति में विश्व कप में कप्तानी करने वाले टॉम लैथम अब नेतृत्व की भूमिका में आएंगे। विलियमसन के अलावा, टिम साउथी, डेरिल मिशेल, मिशेल सेंटनर, ग्लेन फिलिप्स, लॉकी फर्ग्यूसन, जिमी नीशम और ट्रेंट बोल्ट जैसे साथी वरिष्ठ सदस्य भी अलग-अलग कारणों से टीम का हिस्सा नहीं हैं।

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड द्वारा घोषित टीम

टॉम लैथम (कप्तान), आदि अशोक, फिन एलन, टॉम ब्लंडेल, मार्क चैपमैन, जोश क्लार्कसन, जैकब डफी, काइल जैमीसन, एडम मिल्ने, हेनरी निकोल्स, विल ओ'रूर्के, रचिन रवींद्र, ईश सोढ़ी और विल यंग।

ईशान किशन या जितेश शर्मा, किसे मिलेगी वरीयता, प्रबंधन परेशान

नई दिल्ली। क्रिकेट विश्व कप 2023 में फाइनल मुकाबला गंवाने के बाद भारतीय क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टी20 मैचों की सीरीज 4-1 से जीती थी। इस सीरीज के दौरान भारतीय टीम ने कुछ नए प्लेयरों को चिन्हित किया। सलामी बल्लेबाज अच्छे रहे तो वहीं विकेटकीपिंग के लिए दो बार फिर से सामने आ गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू होने वाली तीन टी20 मुकाबलों की सीरीज से पहले टीम इंडिया प्रबंधन पर ईशान किशन या जितेश शर्मा में से किसी एक चुनने की समस्या खड़ी हो गई है। ईशान किशन मेन इन ब्लू के लिए एक भरोसेमंद खिलाड़ी रहे हैं। ईशान ने क्रिकेट वनडे विश्व कप में 2 मैच खेले और फिर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी तीन टी20 मुकाबलों में हिस्सा लिया। सीरीज में के आखिरी 2 मैचों में जितेश शर्मा को मौका दिया गया। जितेश ने इसका पूरा फायदा उठाया और प्रभावित करने में सफल रहे। अब टी20 विश्व कप नजदीक आते ही प्रबंधन में किशन और जितेश में से किसी एक को प्लेइंग 11 में वरीयता देने की मुसीबत खड़ी हो गई है। पहले तीन मैचों में, इशान किशन नंबर 3 पर बल्ले से शानदार थे। उन्होंने बैक-टू-बैक अर्द्धशतक (58, 52) बनाए लेकिन तीसरे गेम में शून्य पर आउट हो गए। जितेश शर्मा भी अलग नहीं थे। निचले क्रम में आकर उन्होंने फिनिशर की भूमिका निभाई और श्रृंखला के आखिरी दो मैचों में 19 में 35 और 16 गेंद में 24 रन बनाए। टी20 विश्व कप नजदीक आने के साथ ही दोनों खिलाड़ियों के लिए भारतीय टीम के लिए अपनी उपयोगिता साबित करना बेहद जरूरी है।

खेलो इंडिया पैरा गेम्स : केंद्रीय खेल मंत्रालय ने चिकित्सा सुविधाओं को बढ़ाया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में 10 से 17 दिसंबर तक आयोजित होने वाले खेलो इंडिया पैरा गेम्स के उद्घाटन संस्करण के लिए किसी भी अप्रत्याशित स्थिति से निपटने के लिए चिकित्सा सुविधाओं को बढ़ाया गया है। पैरा एथलीटों को अक्सर उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं और चुनौतियों के कारण विशेष और संवेदनशील चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता होती है और इसलिए, राष्ट्रीय खेल विज्ञान और अनुसंधान केंद्र (एनसीएसएसआर) ने ऐसे पेशेवरों को नियुक्त किया है जो विभिन्न चिकित्सा स्थितियों के प्रबंधन में प्रशिक्षित हैं। एनसीएसएसआर, भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) द्वारा कार्यान्वित एक योजना है, जिसका उद्देश्य खेल पर ध्यान केंद्रित करने के साथ विशिष्ट एथलीटों के उच्च प्रदर्शन के संबंध में उच्च स्तरीय अनुसंधान, विज्ञान और खेल चिकित्सा शिक्षा और नवाचार का समर्थन करना है। । सोमवार 11 दिसंबर को भव्य उद्घाटन समारोह

के लिए निर्धारित खेलो इंडिया पैरा गेम्स के दौरान, प्रतियोगियों को आयोजन के संगठनात्मक समर्थन के हिस्से के रूप में व्यापक चिकित्सा कवरेज प्राप्त होगा। इस कवरेज में आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं, ऑन-साइट चिकित्सा टीमें और आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच शामिल है। एनसीएसएसआर के प्रभारी निदेशक ब्रिगेडियर बिभु नायक ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'भारतीय खेल प्राधिकरण और युवा मामले और खेल मंत्रालय में खेलो इंडिया डिवीजन की ओर से एनसीएसएसआर द्वारा सभी संभव उपाय किए गए हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी भाग लेने वाले पैरा एथलीटों को खेलों के दौरान सुरक्षित रूप से प्रतिस्पर्धा करने और किसी भी स्वास्थ्य संबंधी चिंता का समाधान करने के लिए अपेक्षित चिकित्सा सहायता प्राप्त हो। उन्होंने कहा, उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं और चुनौतियों के कारण आवश्यक विशेष चिकित्सा देखभाल को ध्यान में रखते हुए खेलों के लिए एक व्यापक चिकित्सा कवर रखा गया है। चिकित्सा कवर योजना में खेल के मैदान पर समर्पित सहायक कर्मचारी, प्रत्येक आयोजन स्थल के चिकित्सा केंद्रों पर पुनर्जीवन कक्ष और स्थिरीकरण कक्ष की स्थापना के साथ-साथ खेलो इंडिया पैरा गेम्स स्थल के नजदीकी तृतीयक देखभाल चिकित्सा केंद्र पर तत्काल निकासी के लिए पर्याप्त संख्या में एएलएस और बीएलएस एम्बुलेंस शामिल हैं।

यूपी योद्धा का लक्ष्य तेलुगु टाइटंस के खिलाफ अपनी जीत की लय बरकरार रखना

बेंगलुरु। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) फ्रेंचाइजी यूपी योद्धा अपने 15वें मैच में तेलुगु टाइटंस के खिलाफ अपनी जीत की गति को बनाए रखना चाहेगी, जो यहां श्री कांतीरावा इंडोर स्टेडियम में खेला जाएगा। योद्धाओं ने अहमदाबाद में अपने पिछले मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए हरियाणा स्टीलर्स को 57-27 से हराया था। वे वर्तमान में छह अंकों और 26 के स्कोर अंतर के साथ तालिका में चौथे स्थान पर हैं। यूपी योद्धाओं का तेलुगु टाइटंस के खिलाफ रिकॉर्ड बेहतर है क्योंकि उन्होंने एक-दूसरे के खिलाफ खेले गए 12 मैचों में से आठ बार हैदराबाद की टीम को हराया है। टाइटंस ने दो बार जीत हासिल की जबकि अन्य दो मैच टाई रहे। मैच से पहले यूपी योद्धा के मुख्य कोच जसवीर सिंह ने कहा, ÷हमने एक इकाई के रूप में कुछ एकजुटता दिखानी शुरू कर दी है और हम अपनी शैली की कबड्डी खेलने की कोशिश कर रहे हैं। हम एक समय में केवल एक ही मैच लेंगे और वर्तमान गेम का विश्लेषण करेंगे ताकि खिलाड़ी मैट पर क्या चल रहा है, उस पर ध्यान केंद्रित रख रहे हैं। योद्धाओं को खुशी होगी कि उनके गतिशील कप्तान, परदीप नरवाल ने अपना फॉर्म हासिल कर लिया है, उन्होंने हरियाणा स्टीलर्स के खिलाफ पिछले गेम में 12 रेड अंक हासिल किए थे। सुरेंदर गिल ने सर्वाधिक 13 अंक बनाए और यह जोड़ी आक्रमण के मोर्चे पर खतरनाक दिख रही है। योद्धाओं के लिए डिफेंस मजबूत रहा है, कॉर्नर डिफेंडरों सुमित और नितेश कुमार ने विपक्षी रेडरों को बहुत कम मौका दिया है।

पिछले मैच में डिफेंस ने अपनी ताकत दिखाते हुए 20 टैकल प्वाइंट हासिल किए थे। तेलुगु टाइटंस ने सीज़न की शुरुआत अच्छी नहीं की है क्योंकि वे अपने दोनों मैच गुजरात जायंट्स से 32-38 से और पटना पाइरेट्स से 28-50 से हार गए थे, लेकिन वे एक खतरनाक इकाई हो सकते हैं, खासकर उनके स्टार रेडर और कप्तान पवन सहरावत के शानदार फॉर्म में होने से।

बीबीएल: बांह की चोट के कारण पर्थ स्कॉर्चर्स के खिलाफ मैच से बाहर हुए ग्लेन मैक्सवेल

ब्रिस्बेन। मेलबर्न स्टार्स के कप्तान ग्लेन मैक्सवेल चोट के कारण पर्थ स्कॉर्चर्स के खिलाफ बुधवार के मैच से बाहर हो गए हैं। मैक्सवेल को बिग बैश लीग (बीबीएल) सीजन 13 के शुरुआती मैच में ब्रिस्बेन हीट के खिलाफ बल्लेबाजी करते समय बांह में चोट लग गई थी। मैक्सवेल के 14 गेंदों पर 23 रन बनाने के बावजूद स्टार्स 103 रनों से हार गए। मेलबर्न स्टार्स ने जारी एक बयान में कहा, मैक्सवेल को गुरुवार रात ब्रिस्बेन हीट के खिलाफ बल्लेबाजी करते समय चोट लगी थी और वह तुरंत अपना पुनर्वास शुरू करेंगे। वहीं, ब्रिस्बेन हीट के खिलाफ गेंदबाजी करते समय पिंडली की चोट के नुकसान का पता लगाने के लिए नाथन कूल्टर-नाइल का इस सप्ताह के अंत में स्कैन किया जाएगा। क्लब स्कॉर्चर्स के खिलाफ मुकाबले से पहले एक और अपडेट प्रदान करेगा। मैक्सवेल को हीट के खिलाफ मैच के दौरान दो बार चिकित्सा सहायता प्राप्त हुई, उनके अग्रबांह को लपेटा गया था, और बाद में गाबा में आउट होने के बाद उन्हें डगआउट में बर्फ लगाते हुए दिखाया गया था।

क्रिकेट के सभी प्रारूपों में ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम की पूर्णकालिक कप्तान बनीं एलिसा हीली

मेलबर्न। एलिसा हीली को सभी प्रारूपों में ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम का पूर्णकालिक कप्तान नियुक्त किया गया है। हीली, जिन्होंने जून से इंग्लैंड, आयरलैंड और वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया का नेतृत्व किया है, अब मेग लैनिंग की जगह लेंगी, जिन्होंने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। इसी तरह, ताहलिया मैक्ग्राथ को टीम का उपकप्तान नामित किया गया है। मैकग्राथ ने हाल ही में एडिलेड स्ट्राइकर्स को डब्ल्यूबीबीएल खिताब दिलाया था और हाल के दिनों में कुछ बार ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी भी की है।

हीली ने एक आधिकारिक बयान में कहा, मैं कप्तान की भूमिका स्वीकार करके सम्मानित महसूस कर रही हूं और हमारी टीम का नेतृत्व करने के अवसर के लिए आभारी हूं। मैंने वास्तव में पिछले कुछ महीनों में खिलाड़ियों के समर्थन का आनंद लिया है।

उन्होंने आगे कहा, मेरा दृष्टिकोण वही रहेगा जो पहले था, लेकिन मैं भूमिका पर अपनी छाप छोड़ूंगी और सुनिश्चित करूंगी इस समूह को जो सफलता मिली है उसे बनाए रखूं और इसके लिए मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूंगी। बता दें कि राचेल हेन्स के संन्यास के बाद पिछले अक्टूबर में हीली को ऑस्ट्रेलिया का उप-कप्तान नामित किया गया था, लेकिन जल्द ही उन्हें पिछले साल दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के भारत दौरे के लिए स्टैंड-इन कप्तान नियुक्त किया गया, जहां उन्होंने टी20 श्रृंखला 4-1 से जीती। ऑस्ट्रेलिया ने इस साल हीली के नेतृत्व में एशेज बरकरार रखी और उनका अगला काम इस महीने भारत में होगा जहां ऑस्ट्रेलिया को एक बहु-प्रारूप श्रृंखला खेलनी है।

दृढ़ साहस और कभी हार न मानने वाले जज्बे का प्रत्यक्ष उदाहरण हैं पैरा पावरलिफ्टर अशोक

नई दिल्ली। वर्ष 2018 में एशियाई पैरा खेलों में करियर के लिए खतरा बनी चोट ने पैरा पावरलिफ्टर अशोक की एक बड़े आयोजन में भारत के लिए पोडियम पर खड़े होने की उम्मीदें लगभग खत्म कर दीं। लेकिन यह उनका दृढ़ साहस और कभी हार न मानने वाला रवैया ही था, जिसने उन्हें चार साल बाद हाल ही में हांग्जो एशियाई पैरा खेलों में अपना सपना साकार करने में मदद की, जहां उन्होंने कांस्य पदक जीता। अब, अशोक पहले खेलो इंडिया पैरा गेम्स में भाग लेने के लिए उत्सुक और पूरी तरह तैयार हैं और यह दिखाएगा कि अपनी क्षमताओं में दृढ़ संकल्प और विश्वास क्या सामने ला सकता है। गोल्डन बॉय नीरज चोपड़ा सहित कई ओलंपिक पदक विजेताओं के घर, हरियाणा राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए, अशोक 243 पैरा एथलीटों के एक विशाल दल में शामिल होंगे, जो दृढ़ता का भव्य प्रदर्शन करने और यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं कि हरियाणा पहले स्थान पर शीर्ष पर रहे। खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2023 इस रविवार, 10 दिसंबर 2023 से नई दिल्ली में शुरू होने वाला है।

उत्साहित अशोक ने कहा, '2018 में जिस दिन से खेलो इंडिया का पहला संस्करण आयोजित हुआ था, तब से सभी पैरा-एथलीट सोचते थे कि हमें खेलो इंडिया गेम्स का हिस्सा बनने का मौका कब मिलेगा। आख़िरकार वह दिन आ ही गया,

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करना किसी भी एथलीट के लिए सबसे बड़ा सपना होता है, लेकिन खेलो इंडिया गेम्स को लेकर ऐसी चर्चा है कि हम सभी इसका हिस्सा बनने के लिए उत्सुक हैं।' नकली पोलियो ड्रॉप के शिकार अशोक के पैर गंभीर रूप से प्रभावित हुए, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें बचपन में ही व्हीलचेयर पर बैठना पड़ा। पावरलिफ्टिंग में उनकी रुचि कई बॉलीवुड अभिनेताओं की तरह अच्छी काया पाने की उनकी इच्छा से उत्पन्न हुई। वह कहते हैं, %%मैं सलमान खान, फिल्म रेम्बो (सिल्वेस्टर स्टेलोन), संजय दत्त को देखता था और मुझे लगता था कि मुझे भी उनके जैसा शरीर बनाना चाहिए। मैं अपने निचले शरीर के साथ कुछ नहीं कर सकता था, लेकिन मैं वास्तव में अपने ऊपरी शरीर का निर्माण करना चाहता था।' अपने दोस्तों के साथ, अशोक ने जिम ज्वाइन किया लेकिन वह अक्सर हंसी का पात्र बन जाते थे। उनकी विकलांगता को लेकर कई लोगों ने उनका मजाक उड़ाया। लेकिन अशोक ने कभी हार नहीं मानी, बहुत जल्द ही उन्होंने अपने साथी सक्षम जिम साथियों की तुलना में भारी वजन उठाना शुरू कर दिया। इसने उन्हें खेल को गंभीरता से लेने के लिए प्रेरित किया और राष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंट में अपने राज्य का प्रतिनिधित्व करना शुरू कर दिया। लेकिन एक पैरा-लिफ्टर के रूप में उनका उन्नत करियर, चोट के कारण बाधित हो गया। 2018 में, इंडोनेशिया के जकार्ता में पैरा-एशियाई खेलों में, अशोक को हाथ में गंभीर चोट लगी थी।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में नई गेंद ही भारत के लिए मंत्र है : इरफान पठान

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय बाएं हाथ के तेज गेंदबाज इरफान पठान का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस महीने के अंत में होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए मेहमान टीम का मंत्र नई गेंद होगी। टीम को दोनों पारियों में बल्लेबाजी और गेंदबाजी के दौरान नई गेंद की चुनौती का सामना करना होगा। भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2 टेस्ट खेलना है। पहला टेस्ट 26-30 दिसंबर तक सेंचुरियन में तो दूसरा 3-7 जनवरी तक केप टाउन में होना है।

2 टेस्ट मैचों की श्रृंखला जीतने के बाद यह 2023-2025 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र की भारत की दूसरी सीरीज है। पठान ने एक शो के दौरान कहा कि देखो, उन्हें जीत के लिए मंत्र की खोज करनी होगी और मुझे लगता है कि यह मंत्र नई गेंद में है। जब आप नई गेंद से अच्छी बल्लेबाजी और गेंदबाजी करते हैं तो आप उसपर जीत हासिल कर लेते हैं। इससे आपके लिए चीजें आसान हो जाएंगी। वैसे भी दक्षिण अफ्रीका में सबसे मुश्किल काम बल्लेबाजी करते वक्त नई गेंद का सामना करना ही है।

भारत ने आखिरी बार दक्षिण अफ्रीका में दिसंबर 2021-जनवरी 2022 में टेस्ट श्रृंखला खेली थी। भारत ने सेंचुरियन में पहला टेस्ट जीता था लेकिन श्रृंखला जीती थी तब हम उनके खिलाफ जीते थे, जिस तरह से

इसके बाद दक्षिण अफ्रीका ने जोहान्सबर्ग और केप टाउन टेस्ट जीतकर सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली थी। पठान ने कहा कि मैंने पाया कि पिछली बार जब हमने वह खेला था और टेस्ट हमने दूसरे और तीसरे स्पैल में गेंदबाजी की थी, हम एक गेंदबाजी इकाई के रूप में थक गए थे। हमारी लंबाई थोड़ी कम थी, मुझे आज भी पिच का नक्शा याद है। पिच की गई गेंदें बिल्कुल भी चमक नहीं रही थीं।

भारतीय टीम की ओर से इस बार जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी (फिटनेस के अधीन), मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और मुकेश कुमार तेज गेंदबाजी की कमान संभालेंगे। बल्लेबाजी में कप्तान रोहित शर्मा, यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल और ईशान किशन मौजूद हैं। इस पर पठान ने कहा कि मुझे लगता है कि हमें जिस मंत्र का पालन करने की ज़रूरत है वह नई गेंद है। यहीं पर फिटनेस भी आती है, अगर हम ये दो टेस्ट मैच जीतना चाहते हैं तो मैं मानता हूं कि ये वास्तव में तीन या चार टेस्ट मैच होने चाहिए थे। यह भारतीय पक्ष के लिए फायदेमंद हो सकता है क्योंकि यह दो टेस्ट मैच हैं, वे पूरी ताकत लगा सकते हैं।

महिला जूनियर विश्व कप 2023 के क्लासिफिकेशन मैच में भारत ने कोरिया को 3-1 से हराया

सैंटियागो। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने चिली में खेले गए एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप 2023 के 9वें-12वें स्थान के क्वालीफिकेशन मैच में कोरिया को 3-1 से हरा दिया। भारत के लिए रोपनी कुमारी (23फीसदी), मुमताज खान (44फीसदी) और अन्नू (46फीसदी) ने गोल किए, जबकि कोरिया के लिए जियुन चोई (19फीसदी) ने एकमात्र गोल किया। मैच की शुरूआत में दोनों ही टीमें काफी आक्रामक रहीं। कोरिया ने दबदबा बनाए रखा और पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन इसका फायदा नहीं उठा सका। भारत ने जवाबी हमलों का विकल्प चुनते हुए, कोरिया के डिफेंस को व्यस्त रखा, लेकिन गोल करने में सफलता नहीं मिली, जिसके परिणामस्वरूप पहला क्वार्टर गोल रहित समाप्त हुआ। दूसरे क्वार्टर में

पहले की तरह ही तीव्रता दिखाई दी, जिसमें भारत और कोरिया ने आक्रामक खेल जारी रखा। कोरिया के जियुन चोई (19फीसदी) ने सटीक पेनल्टी कॉर्नर के जरिये गोल कर कोरिया को बढ़त दिला दी, हालांकि 23वें मिनट में रोपनी कुमारी ने पेनल्टी कॉर्नर के जरिये गोल कर भारत को 1-1 से बराबरी दिला दी। मध्यांतर तक दोनों टीमें 1-1 से बराबरी पर रहीं। तीसरे क्वार्टर में, भारत ने गेंद पर कब्ज़ा बनाए रखा और कोरिया की रक्षापंक्ति पर दबाव बनाए रखा, जिसका लाभ भी टीम को मिला, क्योंकि मुमताज खान (44फीसदी) ने पेनल्टी कॉर्नर पर शानदार गोल कर भारत को 2-1 से आगे कर दिया। बढ़त लेने के बाद आत्मविश्वास से लबरेज भारतीय टीम ने अपने हमले तेज कर दिए और खेल के चौथे और अंतिम क्वार्टर की शुरुआत में ही अन्नू (46फीसदी) के शानदार फील्ड गोल की बदौलत 3-1 बढ़त हासिल की और अंत में यही स्कोर निर्णायक साबित हुआ। इस जीत के साथ ही भारत, जो पहले पूल सी में तीसरे स्थान पर रहने के बाद खिताब की दौड़ से बाहर हो गया था, को टूर्नामेंट में नौवें स्थान पर रहने का मौका मिलेगा जब वे 10 दिसंबर को प्रतियोगिता के अपने आखिरी मैच में चिली या यूएसए से भिड़ेंगे।

कुलकर्णी और मुशीर का ऑलराउंड प्रदर्शन, भारत ने अंडर-19 एशिया कप में अफगानिस्तान को हराया

नई दिल्ली। अर्शिन कुलकर्णी और मुशीर खान के ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत भारत ने अंडर-19 एशिया कप में ग्रुप ए के पहले मुकाबले में अफगानिस्तान को हरा दिया है। कुलकर्णी और मुशीर ने क्रमशः तीन और एक विकेट के अलावा बल्लेबाजी के दौरान 75 और 48 रन की पारी खेली।

भारत ने राज लिम्बानी और अर्शिन कुलकर्णी के तीन-तीन विकेटों की घातक गेंदबाजों की बदौलत अफगानिस्तान को 173 रनों पर ढ़ेर करने के बाद आदर्श सिंह और कुलकर्णी के नेतृत्व में अच्छी शुरूआत की। लेकिन आदर्श 2.5 ओवर में 22 रन पर आउट हो गए। आदर्श ने 14 रन की पारी खेली और बशीर अहमद की गेंद पर मोहम्मद यूनुस जादरान के हाथों कैच आउट हो गए।

रूद्र पटेल (5) क्रीज पर जमने की कोशिश कर रहे थे कि खलील अहमद ने 7.1 ओवर में उन्हें नुमान शाह के हाथों कैच आउट करवाकर पवेलियन का रास्ता दिखा दिया। इस विकेट के बाद कप्तान उदय सहारन और कुलकर्णी के बीच 44 रन की छोटी साझेदारी हुई जो 19.3 ओवर में टूटी। उदय वहीदुल्लाह जादरान की गेंद पर नुमान शाह के हाथों बोल्ड हुए। इसके बाद मुशीर खान मैदान में आए और कुलकर्णी के साथ जीत दर्ज कर वापस लौटे। इससे पहले भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ मुकाबले में टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगनिस्तान की शुरुआत खराब रही और उसने चौथे ओवर की तीसरी गेंद पर वफीउल्लाह तराखिल 15 रन का विकेट खो दिया। तराखिल को लिम्बानी ने बोल्ड आउट किया। जमशेद जदरान और सोहिल खान ने संभल कर खेलते हुए टीम के स्कोर को 75 रन तक पहुंचा। लेकिन 19 ओवर में सोहिल खान 12 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। उसके बाद जदरान 43 रन को 23वें ओवर में अभिषेक ने बोल्ड कर अफगानिस्तान को तीसरा झटका दिया। अकरम मोहम्मदजई 20 रन, नुमान शाह 25 रन, मोहम्मद यूनुस ने 26 रन बनाए। कप्तान नसीर खान मारूफखिल पांच रन ही बना सके और खलील अहमद नौ रन बनाकर नाबाद रहे। रहीमुल्लाह जुर्मती, वहीदुल्लाह जादरान और बशीर अहमद शून्य पर आउट हुये। अफगानिस्तान की पूरी टीम निर्धारित 50 ओवरों में 173 के स्कोर पर ऑलआउट हो गयी। भारत की ओर से राज लिम्बनी और अर्शिन कुलकर्णी ने तीन-तीन विकेट चटकाए। नमन तिवारी ने दो बल्लेबाजों को आउट किया तथा मुरुगन अभिषेक और मुशीर खान को एक-एक विकेट मिला।

हिमांशी खुराना के बाद अब आसिम रियाज ने लगाई ब्रेकअप पर मुहर, बोले- हमें पूरा हक है...

बिग बॉस 13 फेम कपल आसिम रियाज और हिमांशी खुराना 4 साल के रिलेशनशिप के बाद अलग हो गए हैं. हिमांशी खुराना ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर खुद इस बात की जानकारी दी थी. वहीं आज उन्होंने अपने और आसिम की चैट का एक स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए भी अपने ब्रेकअप की असल वजह बताई थी. अब आसिम ने इसे कन्फर्म किया है और फैंस से उनकी प्राइवेसी को बनाए रखने की रिक्वेस्ट की है.आसिम रियाज ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट करते हुए लिखा- %हां सच में हम दोनों अपनी-अपनी धार्मिक मान्यताओं के लिए अपने प्यार की कुर्बानी देने के लिए राजी हुए. हम दोनों 30+ हैं और हमें ये मच्योर डिसिजन लेने का पूरा हक है और हमने ऐसा किया. हमने अपनी पर्सनल जर्नी को कबूल करते हुए सौहार्दपूर्ण तरीके से अलग होने का फैसला किया है.

हमारी प्राइवेसी की इज्जत करें...

आसिम ने आगे लिखा- हिमांशी और हमारे अलग रास्तों के लिए इज्जत करें और हां वाकई मेंमैंने उससे हमारे अलग होने की असली वजह लिखने के लिए कहा था. हमारी प्राइवेसी

की इज्जत करें. बता दें कि इससे पहले हिमांशी ने एक्स अकाउंट पर अपने और आसिम की चैट का स्क्रीनशॉट पोस्ट किया था जिसमें आसिम ने हिमांशी को कहा था कि वे दुनिया को अपने ब्रेकअप की असल वजह ही बताएं. इसके बाद हिमांशी ने अपना एक्स अकाउंट डिएक्टिवेट कर दिया था.हिमांशी खुराना और आसिम रियाज की लव स्टोरी रिएलिटी शो बिग बॉस 13 के घर से शुरू हुई थी. दोनों 4 साल से एक साथ था. कपल ने एक साथ कई म्यूजिक वीडियोज में भी काम किया. लेकिन अब वे अपने अलग-अलग धर्म से ताल्लुक रखने की वजह से अलग हो गए हैं.

अमिताभ बच्चन ने इंस्टाग्राम पर बहू ऐश्वर्या को किया अनफॉलो, वजह करेगी हैरान?

हिंदी सिनेमा के महानायक अमिताभ बच्चन अपनी दमदार एक्टिंग के लिए काफी जाने जाते हैं। फिल्मी करियर के अलावा एकजुट बच्चन परिवार की वजह से बिग बी आए दिन चर्चा का विषय बनते हैं।लेकिन मौजूदा समय में अमिताभ बच्चन का नाम किसी ओर वजह से सुर्खियां बटोर रहा है। खबर है कि अमिताभ बच्चन ने अपनी बहू और बी टाउन एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन को सोशल मीडिया पर अनफॉलो कर दिया है।

बिग बी ने ऐश्वर्या राय को कर दिया अनफॉलो

सोशल मीडिया पर अमिताभ बच्चन काफी एक्टिव रहते हैं। इंस्टाग्राम हैंडल पर बिग बी के 36.3 मिलियन फॉलोअर्स मौजूद हैं। इसके अलावा 74 लोगों को अमिताभ फॉलोबैक करते हैं। खास बात ये है कि इन 74 लोगों में अभिषेक बच्चन और इंडस्ट्री के तमाम सेलेब्स मौजूद हैं।

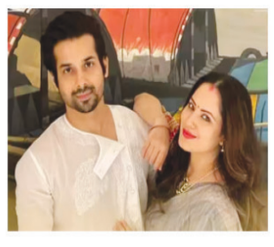

लेकिन इस लिस्ट में उनकी बहूरानी और बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन का नाम नहीं है। कहा ये भी जा रहा है कि अमिताभ बच्चन ने कभी भी ऐश को इंस्टाग्राम पर फॉलो नहीं किया था। जबकि कुछ फैंस ये अनुमान लगा रहे हैं कि बच्चन फैमिली में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। हालांकि इस मामले की अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की जा सकती है। हाल ही में ऐसे भी रूमर्ड सामने आए, जिनमें अमिताभ और अभिषेक के बीच अनबन होने के कयास भी तेज हुए। हालांकि स्पष्ट तौर पर ये नहीं कहा जा सकता है कि आखिर किस वजह से बिग बी ने ऐश्वर्या राय को अनफॉलो किया है।

द आर्चीजके प्रीमियर पर साथ नजर आई बच्चन फैमिली

हाल ही में अमिताभ बच्चन के नीता अगस्त्य नंदा की पहली फिल्म द आर्चीज का प्रीमियर रखा गया। इस दौरान अमिताभ बच्चन की पूरी फैमिली इस प्रीमियर में नजर आई। इस मौके पर अमिताभ बच्चन, अभिषेक बच्चन, जया बच्चन, आराध्या बच्चन, अजिताभ बच्चन, निखिल नंदा और श्वेता बच्चन जैसे तमाम लोग एक साथ दिखाई दिए।

Vijay Varma को मिला दहाड़ के लिए एशियन एकेडमी अवॉर्ड, गर्लफ्रेंड Tamannaah Bhatia ने ऐसे जताई खुशी

तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा बी टाउन के सबसे चर्चित कपल में से एक हैं। दोनों लगभग दो साल से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं।अक्सर दोनों को कई बार साथ में भी स्पॉट किया जाता है। सिर्फ इतना ही नहीं, दोनों काफी बार एक-दूसरे को चीयर करते हुए भी दिखाई देते हैं।हाल ही में, विजय वर्मा ने एशियन एकेडमी क्रिएटिव अवार्ड्स में दहाड़ के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का खिताब जीता। ऐसे में उनकी गर्लफ्रेंड तमन्ना भाटिया ने भी पोस्ट करते हुए उन्हें बधाई दी। इसके जवाब में विजय ने भी प्यारा सा पोस्ट किया।

तमन्ना भाटिया ने लुटाया प्यार

तमन्ना भाटिया ने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम स्टोरी पर विजय वर्मा की एक तस्वीर शेयर की और लिखा वाह एशियन एकेडमी क्रिएटिव अवार्ड्स में बड़ी जीत हासिल करके भारत को गौरवान्वित कर रहा है। इसके जवाब में विजय में भी तमन्ना की स्टोरी को पोस्ट किया और लिखा मेरी देवी के लिए गोल्डन गॉडेस लाना।

विजय वर्मा ने लिखा था एक भावुक नोट

अवॉर्ड जीतने पर विजय वर्मा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करते हुए भावुक नोट लिखा। इसमें एक्टर ने लिखा, जब आप कोई अवॉर्ड जीतते हैं, तो यह हमेशा आश्चर्यजनक होता है, लेकिन इस बार यह और भी

खास था, क्योंकि आपकी जीत आपके देश की जीत है। मुझे दहाड़ के लिए प्रमुख भूमिका में प्रतिष्ठित एशियन एकेडमी सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार प्राप्त करने का सम्मान मिला।

इसके आगे विजय ने लिखा मुझे एशिया-प्रशांत में 10 अन्य अभिनय प्रतिभाओं के साथ नामांकित किया गया था और यह काफी पावर पैक रूम था, लेकिन अपने देशवासियों को यह कहते हुए खुशी हो रही है। हम एशिया-प्रशांत में सर्वश्रेष्ठ हैं, बेबी। सम्मान के लिए बहुत बहुत धन्यवाद एशियन एकेडमी क्रिएटिव अवार्ड्स। मेरी दहाड़ टीम के बिना ऐसा नहीं हो पाता।

इसी साल किया रिश्ते को ऑफिशियल

बता दें कि तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा ने इसी साल अपने रिश्ते को ऑफिशियल किया। इन की लव स्टोरी की शुरुआत वेब सीरीज लस्ट स्टोरीज-2 के सेट पर हुई। इस सीरीज में दोनों ने पति-पत्नी का किरदार निभाया था।

रणवीर सिंह की तरह इस TV एक्टर ने भी कराया फोटोशूट, बताया- पत्नी का था कैसा रिएक्शन

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह (Ranveer Singh) ने जब से फोटोशूट कराया है, तब से तहलका मच गया है. एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में भले ही उन्हें उनके लेटेस्ट फोटोशूट की वजह से प्रशंसा मिल रही हो, लेकिन कई लोग उनके इस कदम से नाराज हैं. बीते दिनों हालात तो ऐसे हो गए थे कि, उनके खिलाफ स्नङ्घक्रभी दर्ज कराई जा रही थी. हालांकि, रणवीर सिंह अपने फोटोशूट से ना केवल चर्चाओं में हैं, बल्कि उनके इस कदम ने कई लोगों को प्रेरित भी किया है.रणवीर सिंह ने एक ऐसी पहल शुरू की है, जिसे करने में हर कोई 10 बार सोचता है, क्योंकि समाज से गलत नजर से देखता है. हालांकि, रणवीर की इस पहल ने कई लोगों को प्रेरित किया. कई स्टार्स जिन्होंने वर्षों पहले फोटोशूट कराया था, उन्हें उसे शेयर करने में उस वक्त हिम्मत नहीं मिली थी, लेकिन रणवीर के बाद उन्होंने भी सोशल मीडिया पर उसे शेयर किया था. यही नहीं, एक एक्टर ने तो उनसे प्रेरणा लेकर उनके नक्शेकदम पर चलने का फैसला किया और फोटोशूट कराया.

कुणाल वर्मा ने कराया फोटोशूट

'तुझ संग प्रीत लगाई सजना' फेम एक्टर कुणाल वर्मा (Kunal Verma) ने हाल ही में रणवीर सिंह की तरह एक फोटोशूट कराया है. एक्टर ने इंस्टाग्राम हैंडल पर इसकी एक तस्वीर भी शेयर की है. इस फोटो को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा है, मेरे पास लिमिटेड पैसे थे तो मैंने इसे अपने शरीर पर खर्च करने का सोचा.

कुणाल वर्मा ने बताई फोटोशूट की वजह

एक्टर कुणाल वर्मा ने 'ईटाइम्स' को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि, उन्होंने ये फोटोशूट क्यों करवाया. एक्टर ने कहा, मैंने अपने शरीर पर इतना काम किया है तो मैं इसे क्यों छुपाऊं. बॉडी ही दिख रही है, और क्या? इसके अलावा कुणाल ने बताया कि, रणवीर सिंह ने उन्हें प्रेरित किया है.क्टर ने कहा, किसी को तो पहल करनी होगी.

रणवीर ने इसे वाकई बहुत खूबसूरती से किया. मैंने उनसे प्रेरणा ली और मुझे इसमें कोईा टी नहीं दिखाई दी.कुणाल ने ये भी बताया कि, उन्होंने माइक्रो शॉर्ट्स पहने थे.

कुणाल वर्मा की फोटोशूट पर पत्नी पूजा वर्मा का रिएक्शन

कुणाल वर्मा ने एक्ट्रेस पूजा बनर्जी (Puja Banerjee) से शादी की है. उनके फोटोशूट पर एक्ट्रेस का कैसा रिएक्शन था, इस पर कुणाल ने कहा, मेरी पत्नी पूजा ने ही इसे क्लिक किया है और किससे क्लिक कराऊंगा.